FUTURE LINE TIMES NEWS

वर्ष : 08
अंक : 49
बुद्धवार 26 मार्च से 01 अप्रैल 2025 गौतमबुद्ध नगर।
मूल्य : 2 रुपया, पेज: 8

DAVP CODE: 133202

"साप्ताहिक हिंदी समाचार पत्र"

Email-futurelinetimes@gmail.com

Youtube channel : @fltnews2398

डाकघर पंजीकरण संख्या UP/GBD-248/2024-2026

फ्यूचर लाइन टाईम्स

https://futurelinetimes.page RNI NO. : UPHIN/2017/72919

आवाज़ राष्ट्र की

गौतमबुद्ध नगर से प्रकाशित हापुड़, मुरादनगर, मोदीनगर, मेरठ, शामली, मुजफ्फरनगर, बागपत, सहारनपुर, बिजनौर, दिल्ली, एनसीआर, लखनऊ में एक साथ प्रकाशित

डिफेंस प्रोडक्शन में अब भारत की बल्ले-बल्ले !

● 1.27 लाख करोड़ का उत्पादन, 21 हजार करोड़ के पार पहुंचा एक्सपोर्ट ● यूएस, फ्रांस समेत दुनिया के 100 देशों में एक्सपोर्ट कर रहा डिफेंस उपकरण

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में पिछले एक दशक में डिफेंस प्रोडक्शन में बेहतरीन प्रदर्शन किया है। 'मेक इन इंडिया' पहल की शुरुआत के बाद से देश का डिफेंस प्रोडक्शन असाधारण गति से बढ़ा है। यह वित्त वर्ष 2023-24 में रिकॉर्ड 1.27 लाख करोड़ तक पहुंच गया है। कभी विदेशी आपूर्तिकर्ताओं पर निर्भर रहने वाला देश अब स्वदेशी विनिर्माण में एक उभरती हुई ताकत के रूप में खड़ा है। भारत घरेलू क्षमताओं के माध्यम से अपनी

सैन्य ताकत को आकार दे रहा है। डिफेंस प्रोडक्शन में यह बदलाव आत्मनिर्भरता के लिए एक मजबूत प्रतिबद्धता को दर्शाता है। साथ ही सुनिश्चित करता है कि भारत न केवल अपनी सुरक्षा जरूरतों को पूरा करे बल्कि एक मजबूत डिफेंस इंडस्ट्रीज भी बनाए जो आर्थिक विकास में योगदान दे। रणनीतिक नीतियों ने इस गति को बढ़ाया है। प्राइवेट पार्टनरशिप, टेक्निकल इनोवेशन और एडवांस्ड सैन्य प्लेटफार्मों के विकास को प्रोत्साहित किया है। रक्षा बजट में 2013-14 में 2.53 लाख करोड़ से 2025-26 में 6.81 लाख करोड़ तक की वृद्धि, अपने सैन्य बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए देश के दृढ़ संकल्प को रेखांकित करती है। भारत ने वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान मूल्य के संदर्भ में स्वदेशी रक्षा उत्पादन में अब तक की सबसे अधिक वृद्धि हासिल की है। यह आत्मनिर्भरता प्राप्त करने पर केंद्रित सरकारी नीतियों के कार्यान्वयन से प्रेरित है।

शपथ ग्रहण के साथ नए मेयरों को मिला बड़ा तोहफा

पंचकूला (एजेंसी)। हरियाणा के पंचकूला में 10 नगर निगमों के मेयर, 28 नगर पालिका-परिषद के प्रधान और 687 वार्डों के पार्षदों को शपथ दिलाई गई। सबसे पहले अंबाला उपचुनाव में मेयर चुनी गईं भाजपा की शैलजा सचदेवा ने शपथ ली। **पंचकूला (एजेंसी)।** हरियाणा के पंचकूला में 10 नगर निगमों के

मेयर, 28 नगर पालिका-परिषद के प्रधान और 687 वार्डों के पार्षदों को शपथ दिलाई गई। इस दौरान इनकी सेलरी भी बढ़ाई गई है। सबसे पहले अंबाला उपचुनाव में मेयर चुनी गईं भाजपा की शैलजा सचदेवा ने शपथ ली। उसके बाद यमुनानगर से सुमन बहमनी, करनाल से रेणुबाला गुप्ता, पानीपत से कोमल सैनी, फरीदाबाद से प्रवीन जोशी, गुरुग्राम से राज रानी, मानेसर से निर्दलीय डॉ. इंद्रजीत यादव ने शपथ ली।

दिल्ली में पहली बार 1 लाख करोड़ का बजट

● यमुना के लिए 500 करोड

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने मंगलवार को पहली बार 1 लाख करोड़ रुपए का बजट पेश किया। महिला समृद्धि योजना के लिए 5100 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है। इसके जरिए दिल्ली की महिलाओं को हर महीने 2500 रुपए दिए

जाएंगे। यमुना और सीवेज की सफाई के लिए 9 हजार करोड़ रुपए का बजट है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने आयुष्मान योजना के लिए 2144 हजार करोड़ का बजट रखा है। केंद्र सरकार से 5 लाख रुपए तक का मुफ्त इलाज तो मिलेगा ही। साथ ही दिल्ली सरकार भी इसमें अपनी ओर से 5 लाख रुपए जोड़ रही है।

बंगाल में हिंदू और हिंदी बोलने वालों के खिलाफ ऐक्शन

कोलकाता (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी के सीनियर नेता शुभेंदु अधिकारी ने पश्चिम बंगाल में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने सोमवार को कहा कि टीएमसी मतदाता सूची से फर्जी मतदाताओं के नाम हटाने की आड़ में हिंदू और हिंदी भाषी मतदाताओं के नाम हटा रही है। संवाददाता

सम्मेलन को संबोधित करते हुए अधिकारी ने दावा किया कि 27 फरवरी के बाद से कई मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटा दिए गए हैं। पश्चिम बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता अधिकारी ने कहा, हिंदू मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटाए जा रहे हैं। मैं निर्वाचन आयोग से कृष्णानगर के बीडीओ को बर्खास्त करने का आग्रह करता हूं।

92 साल में पहली बार आईएमए में कदम रखेंगी महिला अधिकारी

● सेना में दिखेगा बड़ा बदलाव, एनडीए में 126 महिला कैडेट्स ले रही हैं ट्रेनिंग ● आठ ने सेना में जाने का विकल्प चुना, अलग आवास और ट्रेनिंग की व्यवस्था

देहरादून (एजेंसी)। तीन साल पहले सुप्रीम कोर्ट के बड़े फैसले के बाद 92 साल में पहली बार देहरादून के इंडियन मिलिटरी अकैडमी में महिला अधिकारियों को भी ट्रेनिंग दी जाएगी। जुलाई 2025 में ही नेशनल डिफेंस अकैडमी खड़गवासला से महिला अधिकारियों का पहला बैच ग्रैजुएट होने वाला है। इसके बाद महिला अधिकारियों को तीनों सेनाओं की अलग-अलग ट्रेनिंग के लिए अलग-अलग संस्थानों में भेजा जाएगा। आईएमए ने भी अब अपने दरवाजे महिला अधिकारियों के लिए खोल दिए हैं और उन्हें प्रशिक्षण देने की तैयारी में जुट गया है। एनडीए में आखिरी चरण की ट्रेनिंग ले रहीं कुल 18 में से 8 महिलाओं ने थल सेना को विकल्प के तौर पर चुना है। इन महिला अधिकारियों को आईएमए में एक साल की ट्रेनिंग दी जाएगी और इसके बाद वे कमीशन हो जाएंगी। एक अधिकारी ने कहा कि महिला अधिकारियों

का पहला बैच मई में ही एनडीए से पास हो जाएगा। अगस्त 2022 में ये महिलाएं एनडीए में पहुंची थीं। उन्होंने बताया कि एनडीए में इस समय 126 महिला अधिकारियों की ट्रेनिंग हो रही है। 92 साल में पहली बार है जब यहां महिला अधिकारियों की ट्रेनिंग होगी। फिलहाल आईएमए में ही महिलाओं की ट्रेनिंग नहीं होती थी। अगस्त 2021 में ही सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुनाया था कि महिलाएं भी एनडीए की परीक्षा देकर सेना में अधिकारी बन सकती हैं। इससे पहले कुछ चुनी हुई ब्रांच में ही महिलाओं को शॉर्ट सर्विस कमीशन के तहत रखा जाता था। एक अधिकारी ने बताया कि आईएमए में महिला कैडेट्स के रहने के लिए अलग व्यवस्था की जाएगी। वहीं महिलाओं और पुरुषों की ट्रेनिंग साथ में ही करवाई जाएगी। आईएमए के अधिकारियों ने तैयारी के लिए ऑफीसर्स ट्रेनिंग अकैडमी चेन्नई और एयरफोर्स अकैडमी डुंडील और नेवल अकैडमी का दौरा किया। अधिकारी ने कहा कि जिस तरह से 30 साल से ओटीए में महिला अधिकारियों को ट्रेनिंग दी जा रही है, वैसी ही व्यवस्था आईएमए में भी की जाएगी। बता दें कि यूपीएससी एनडीए की हर साल परीक्षा करवाता है। 12 में पढ़ने वाले या फिर पास हो चुके स्टूडेंट इस परीक्षा में शामिल हो सकते हैं। पास होने पर उन्हें 6 दिन का एसएसबी इंटरव्यू देना होता है। इसके बाद जो लोग चयनित होते हैं उनका मेडिकल कराया जाता है और मेरिट लिस्ट जारी होती है। पहले तीन साल की ट्रेनिंग एनडीए में ही होती है। वहीं इसके बाद एक साल अलग-अलग सेना की अकैडमी में प्रशिक्षण दिया जाता है।

वक्फ बिल के खिलाफ देशभर में प्रदर्शन की तैयारी, हुंकार आज

● मुस्लिम लॉ बोर्ड आज पटना, 29 को विजयवाड़ा में रैली करेगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। वक्फ संशोधन बिल के खिलाफ ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड देशभर में प्रदर्शन करेगा। संगठन ने 17 मार्च को दिल्ली के जंतर-मंतर पर बिल के विरोध में प्रदर्शन किया था। कल यानी 26 मार्च को पटना और 29 मार्च को आंध्र प्रदेश के विजयवाड़ा में प्रदर्शन की तैयारी है। प्रदर्शन में लॉ बोर्ड, विभिन्न धार्मिक व सामाजिक संगठनों के राष्ट्रीय और प्रांतीय प्रतिनिधि हिस्सा लेंगे। साथ ही सिविल सोसाइटी, अल्पसंख्यक समुदायों के प्रमुख प्रतिनिधि, दलित, आदिवासी और ओबीसी वर्गों के नेता भी इस प्रदर्शन में शामिल होंगे। भाजपा सांसद और वक्फ संशोधन विधेयक के लिए

बनाई गई जॉइंट पार्लियामेंट्री कमेटी के अध्यक्ष जगदंबिका पाल ने मंगलवार को कहा कि सरकार ज्यादा से ज्यादा लोगों के फायदे के लिए बिल में संशोधन कर रही है।

जस्टिस वर्मा के घर पहुंची जांच टीम

● स्टोर रूम में गई, यहां 500-500 रुपए के अधजले नोटों से भरी बोरियां मिली थीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली हाईकोर्ट के जस्टिस यशवंत वर्मा के लुटियंस दिल्ली स्थित आवास पर मंगलवार दोपहर सीजेआई की गठित 3 सदस्यीय टीम (इन हाउस पैनल) जांच के लिए पहुंची है। टीम उस स्टोर रूम में गई जहां 500-500 के नोटों से भरीं अधजली बोरियां मिली थीं। जांच टीम में पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस जस्टिस शील नागू, हिमाचल प्रदेश हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस जी एस संधावालिया और कर्नाटक हाईकोर्ट के जस्टिस अनु शिवरामन शामिल हैं। इससे पहले 24 मार्च को सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने जस्टिस वर्मा को उनके पैरेंट कोर्ट

(इलाहाबाद हाईकोर्ट) वापस ट्रांसफर करने की सिफारिश का प्रस्ताव जारी किया। कॉलेजियम के प्रस्ताव में कहा गया कि 20 और 24 मार्च 2025 को हुई बैठकों में सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने दिल्ली हाईकोर्ट के जस्टिस यशवंत वर्मा को इलाहाबाद हाईकोर्ट वापस भेजने की सिफारिश की है। इलाहाबाद हाईकोर्ट बार एसोसिएशन ने सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम के इस फैसले पर आपत्ति जताई। बार आज से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर है। 23 मार्च को भी दिल्ली हाईकोर्ट के जस्टिस यशवंत वर्मा को वापस इलाहाबाद भेजने की बात का विरोध किया था।

दंतेवाड़ा-बीजापुर बॉर्डर पर 3 नक्सलियों का एनकाउंटर

● झीरम हमले के मास्टर माइंड चैतू के मारे जाने की चर्चा, शव और हथियार बरामद

जगदलपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ में दंतेवाड़ा-बीजापुर-नारायणपुर जिले की सरहद पर सुरक्षाबलों ने 3 नक्सलियों को मार गिराया। मुठभेड़ में झीरम हमले के मास्टरमाइंड चैतू के मारे जाने की चर्चा है। हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। 3 शवों के साथ इंसास राइफल बरामद की गई है। पुलिस को सूचना मिली थी कि इंद्रावती नदी के पार भारी संख्या में नक्सलियों का जमावड़ा है। इसी के आधार पर एक दिन पहले दंतेवाड़ा और बीजापुर से करीब 500 जवानों को ऑपरेशन के लिए भेजा गया था। वहीं आज 25 मार्च की सुबह नक्सलियों के साथ मुठभेड़ हो गई। अधिकारी

कमलोचन कश्यप का कहना है कि जो नक्सली मारे गए हैं, उनकी पहचान की जा रही है। पहचान के बाद ही स्पष्ट हो पाएगा कि जो नक्सली मारे गए हैं वे कौन-कौन से कैडर के हैं। दंतेवाड़ा और बीजापुर जिले की सरहद पर 4 दिन पहले दो मुठभेड़ में फोर्स ने 30 नक्सलियों को मार गिराया था। दंतेवाड़ा-बीजापुर बॉर्डर पर 26 और कांकेर में 4 नक्सली मारे गए थे। नक्सलियों को उनके टीसीओसी (टैक्टिकल काउंटर ऑफेंसिव कैंपेन) माह में ही सबसे बड़ा नुकसान उठाना पड़ा। सूत्रों के अनुसार पुलिस की यह कार्रवाई एक हफ्ते पहले सरेंडर किए नक्सली दिनेश मोड़ियाम की निशानदेही पर की गई थी। बस्तर में 1 मार्च से जून के पहले सप्ताह तक नक्सली टीसीओसी यानी टैक्टिकल काउंटर ऑफेंसिव कैंपेन चलाते हैं। नए लड़ाकों को जोड़ना और एंबुश में जवानों को फंसा कर बड़ी घटना करते हैं।

साल 2024 से पहले तक नक्सली टीसीओसी महीने में पुलिस फोर्स पर हावी थे। लेकिन, साल 2024 में फोर्स आक्रामक हुई। वहीं 2025 में भी फोर्स टीसीओसी के पहले महीने में नक्सलियों के ठिकाने में घुसी थी, 20 मार्च को 30 माओवादियों को मारकर उनके शव लेकर आई थी।

पीएम मोदी पूरी कैबिनेट के साथ देखेंगे 'छावा' फिल्म

● संसद में होगी स्पेशल स्क्रीनिंग, 27 मार्च की तारीख तय

नई दिल्ली (एजेंसी)। छत्रपति शिवाजी महाराज के बेटे और मराठा शासक रहे छत्रपति संभाजी महाराज के जीवन पर बनाई गई फिल्म छावा पिछले काफी दिनों से देश भर के सिनेमा घरों में धूम मचाई हुई है। अब जानकारी मिल रही है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी संसद भवन में इसको देखने वाले हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार संसद में होने वाली इस विशेष स्क्रीनिंग के दौरान कई केंद्रीय मंत्री और सांसद शामिल होने वाले हैं। ये स्क्रीनिंग संसद भवन पुस्तकालय के बालयोगी ऑडिटोरियम में होने वाली है। गुरुवार दिनांक 27 मार्च को

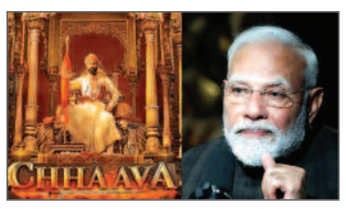

संसद में होने वाली स्पेशल स्क्रीनिंग के दौरान छावा फिल्म की पूरी कास्ट और क्रू मौजूद रहेगी। इस फिल्म में संभाजी महाराज की भूमिका निभाने वाले विक्की कौशल भी रहने वाले हैं। पीएम मोदी द्वारा मुगल शासक औरंगजेब के खिलाफ संभाजी महाराज के साहस और संघर्ष को दर्शाने के लिए बनाई गई फिल्म की सराहना करने के एक महीने बाद यह फिल्म अब संसद भवन में प्रदर्शित की जा रही है। बीते 21 फरवरी को पीएम मोदी ने महाराष्ट्र में छावा की जमकर तारीफ की थी।

हरा टी-शर्ट देख गजबे बमके बिहार सीएम नीतिश कुमार

● राबड़ी देवी के सामने करने लगे 'इसके-उसको', लालू को भी नहीं छोड़ा

पटना (एजेंसी)। बिहार विधानपरिषद में मंगलवार को खूब हंगामा हुआ। आरजेडी के सदस्य आरक्षण के मुद्दे पर विरोध कर रहे थे। उन्होंने आरक्षण को नौवीं अनुसूची में डालने की मांग की। सदन की कार्यवाही शुरू होते ही आरजेडी सदस्य वेल में आकर हंगामा करने लगे। उस वक्त मुख्यमंत्री नीतिश कुमार सदन में ही मौजूद थे। आरजेडी के ज्यादातर सदस्य हरे रंग की टी-शर्ट पहनकर आए थे। यह देखकर मुख्यमंत्री गुस्सा हो गए और उन्होंने इसे 'बोगस' बताया। उन्होंने कहा कि इसका कोई

मतलब नहीं है और ऐसा कहीं नहीं देखा गया है। दरअसल, मुख्यमंत्री नीतिश कुमार आरजेडी सदस्यों के हंगामे को देखकर खड़े हो गए। उन्होंने कहा कि किसी भी पार्टी ने इस तरह का काम नहीं किया है। उन्होंने राबड़ी देवी पर गुस्सा करते हुए कहा कि इसके हसबैंड का है पार्टी, इसको क्या है।

पुलिस ने शातिर वाहन चोरों को दबोचा

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्वी दिल्ली के एंटी ऑटो थेफ्ट स्क्वायड (एएटीएस) ने दो वाहन चोरों को गिरफ्तार किया है। आरोपित संभल उप्र से दिल्ली आकर लग्जरी वाहन चोरी करते थे। पकड़े गए आरोपितों की पहचान दीपा सराय, मोहल्ला गैरतपुर, संभल, उप्र निवासी फरजान (32) और दीपा सराय, इमामबाड़ा के पास, संभल, उप्र निवासी अहतेशाम (29) के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपितों के पास से चोरी की दो लग्जरी गाड़ियां फॉरच्यूनर और महिंद्रा थार बरामद की हैं। इनकी 70 लाख रुपये कीमत बताई जा रही है। आरोपित नकली चाबी की मदद से चंद की मिनटों में गाड़ियां चोरी कर लेते थे। पुलिस को इनके बाकी साथियों की तलाश है। आरोपितों से पूछताछ कर पुलिस इनके बाकी साथियों का पता लगाने का प्रयास कर रही है। पूर्वी जिले के डीसीपी अभिषेक धानिया ने मंगलवार को बताया कि जिले की एएटीएस लगातार वाहन चोरों पर नजर रखता है। इस बीच टीम को सूचना मिली कि वाहन चोरी में शामिल दो बदमाश पेपर मार्केट गाजीपुर में चोरी की गाड़ी में सवार होकर आने वाले हैं। सूचना को पुख्ता कर टीम ने मौके पर जाल बिछा दिया। इस बीच काले रंगे की थार गाड़ी में दो बदमाश वहां पहुंचे। उनको जांच के लिए रोका गया। जांच के दौरान गाड़ी 19 मार्च को न्यू फ्रेंड्स कालोनी एरिया से चोरी पाई गई। उसके बाद दोनों गिरफ्तार किया गया।

दिल्ली पुलिस में कई अधिकारियों का हुआ ट्रांसफर

नई दिल्ली (एजेंसी)। गृह मंत्रालय ने दिल्ली में कानून व्यवस्थाष को दुरुस्त करने की दिशा में महत्व2पूर्ण कदम उठाया है। मंगलवार को दिल्ली सरकार के बजट वाले दिन ही ताबड़तोड़ 28 पुलिस अधिकारियों के तबादले कर दिए गए। तबादले में आईपीएस व दानिक्स अधिकारी भी हैं। कुछ अधिकारियों की पदोन्नति भी हुई है। गृह मंत्रालय के उप सचिव कुलविंदर सिंह ने स्थानांतरण सूची जारी की है। इस सूची के अनुसार यह आदेश तुरंत प्रभाव से लागू होगा। जिन अधिकारियों का तबादला हुआ है उसमें 2001 बैच के आईपीएस बी शंकर जायसवाल, आईपीएस परमादित्य, विक्रमजीत सिंह, पुष्पेंद्र कुमार, नुपूर प्रसाद के साथ ही 2008 बैच के आईएएस शरत कुमार सिन्हा भी हैं। जानकारी के अनुसार आईपीएस बी शंकर जायसवाल को सेंट्रल रेंज का जॉइंट सीपी बनाया गया है। आईपीएस परमादित्य सेंट्रल रेंज से स्पेशल ब्रांच में जॉइंट सीपी होंगे। सिक्योरिटी जॉइंट सीपी का पदभार संभाल रहे 2006 बैच के आईपीएस पुष्पेंद्र कुमार अब ईस्टर्न रेंज के जॉइंट सीपी होंगे। नुपूर प्रसाद को जनरल एडमिनिस्ट्रेशन से लाइसेंसिंग का जॉइंट सीपी बनाया गया है। इसी क्रम में आईपीएस विक्रमजीत सिंह को सिक्योरिटी में भेजा गया है। एडिशनल ज्वाइंट सीपी क्राइम 2010 बैच के आईपीएस संजय भाटिया अब एडिशनल सीपी हेडक्वार्टर होंगे। 2014 बैच की आईपीएस अकांक्षा यादव को डीसीपी सिक्योरिटी बनाया गया है।

ड्रग्स तस्करी के मामले में वांछित बदमाश गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच की एंटी-नारकोटिक्स टास्क फोर्स (एएनटीएफ) ने ड्रग्स तस्करी के मामले में वांछित शिव शंकर उर्फ गेला को गिरफ्तार किया है। क्राइम ब्रांच की डीसीपी अपूर्वा गुप्ता ने मंगलवार को बताया कि पकड़ा गया शिव शंकर काफी कुख्यात है। इसने हाल ही में एक नाबालिग को भी चाकू मारा था। जांच में पता चला है कि आरोपित दुष्कर्म, हत्या के प्रयास, ड्रग्स तस्करी समेत छह से ज्यादा मामलों में शामिल रहा है। डीसीपी के अनुसार क्राइम ब्रांच की टीम को एक गुप्त सूचना मिली थी कि ड्रग्स तस्करी के मामले में वांछित बदमाश बुराड़ी इलाके में आने वाला है। सूचना को पुख्ता कर पुलिस टीम ने बुराड़ी के कमल विहार इलाके में जाल बिछाकर आरोपित को धर दबोचा।

दो कुख्यात झपटमार गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट की स्पेशल स्टाफ टीम ने दो कुख्यात झपटमारों को गिरफ्तार किया है, जिनके पास से चोरी के छह महंगे मोबाइल फोन और वारदात में इस्तेमाल मोटरसाइकिल बरामद हुई है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान बवाना निवासी लाल बाबू के रूप में हुई है, जो झपटमारी, वाहन चोरी, डकैती, आर्म्स एक्ट और एक्साइज एक्ट के 37 से ज्यादा मामलों में शामिल रहा है और बवाना थाने का बीसी है। इसके अलावा दूसरे आरोपी की पहचान वजीराबाद निवासी अजहरुद्दीन उर्फ लेफ्टी के रूप में हुई है, जो पहले कश्मीरी गेट थाने में चोरी के एक मामले में शामिल रहा है। दोनों की गिरफ्तारी से पुलिस ने झपटमारी और चोरी के 19 मामले सुलझाने का दावा किया है। डिप्टी कमिश्नर एम हर्षवर्धन के अनुसार, 16 मार्च को अजमल खां रोड से मोबाइल फोन छीनने के संबंध में डीबीजी रोड थाने में शिकायत दर्ज कराई गई थी। इंस्पेक्टर रोहित कुमार के नेतृत्व में टीम ने कई सीसीटीवी कैमरों को बारीकी से खंगाला और करीब 40 किलोमीटर की दूरी तय करते हुए कई इलाकों में संदिग्धों की गतिविधियों का पता लगाया। 21 मार्च को टीम ने गाजियाबाद लोनी के कासिम विहार से लाल बाबू को गिरफ्तार किया और बाद में उसके साथी अजहरुद्दीन को वजीराबाद से पकड़ा। उनके कब्जे से छह महंगे छीने गए मोबाइल फोन, अपराध में इस्तेमाल की गई एक सफेद केटीएम ड्यूक मोटरसाइकिल बरामद की गई। उनकी सूचना पर अलाउद्दीन को पकड़ने के प्रयास जारी हैं।

गृह मंत्रालय का अफसर बताकर ठगी करने वाला गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। खुद को गृह मंत्रालय का अफसर बताकर ठगी करने वाले एक शख्स को द्वारका जिला साइबर थाना पुलिस ने 23 मार्च को गाजियाबाद से गिरफ्तार किया है। आरोपी राजेश कुमार लोगों से उनका खोया हुआ मोबाइल दिलाने या फिर सरकार और पुलिस से जुड़े काम कराने के बहाने ठगी करता था। पुलिस उपायुक्त अंकित सिंह ने बताया कि साइबर थाना पुलिस को एक शिकायत मिली थी। शिकायतकर्ता ने बताया कि उसका मोबाइल खो गया था। इसकी गुमशुदगी उसने जनकपुरी थाने में दर्ज कराई थी। उसने फेसबुक पर एक पोस्ट कर मोबाइल वापस पाने के संबंध में पूछताछ की थी। जिसके बाद उसके पास एक अंजान नंबर से फोन आया। फोन करने वाले ने खुद का नाम अनुराग मिश्रा बताया।

सीएम रेखा गुप्ता ने केजरीवाल द्वारा बनाए गए 'शीशमहल' पर टिप्पणी की -सीएम ने कहा कि आपने शीशमहल बनाया, हम गरीबों के लिए घर बनाएंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने मंगलवार को विधानसभा में वित्त वर्ष 2025-26 के लिए एक लाख करोड़ रुपये का बजट पेश किया। इस दौरान उन्होंने आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल पर कटाक्ष किया। उन्होंने केजरीवाल द्वारा बनाए गए %शीशमहल% पर टिप्पणी की। सीएम ने कहा कि यह बजट सिर्फ सड़क, पुल और लिफ्ट कॉरिडोर बनाने के लिए नहीं है बल्कि यह पूरी दिल्ली की हालत सुधारने का बजट है। सीएम ने आप संयोजक अरविंद केजरीवाल पर हमला बोलते हुए कहा कि आपने शीशमहल बनाया, हम गरीबों के लिए घर बनाएंगे। उन्होंने कहा कि पिछली सरकार और हमारे बजट में बहुत अंतर है, पिछली सरकार सिर्फ घोषणाएं करती थी और हम वादे पूरे करते हैं। हाथ की सफाई तो आप जानते ही हैं, हम कूड़ा साफ करवाएंगे। उन्होंने कहा कि आपने अपने लिए लाखों रुपये का शौचालय बनवाया, हम झुग्गी वालों के लिए शौचालय बनवाएंगे। उन्होंने विपक्षी सदस्यों की ओर इशारा करते हुए कहा कि आपने सिर्फ बातें कीं और हम दिल्ली बनाएंगे।

सीएम ने आगे कहा कि दिल्ली में उद्योगपति और व्यापारी परेशान थे, कोई भी अधिकारी जाकर उन्हें धमका देता था और वे परेशान हो जाते थे, दिल्ली का उद्योग पटरी से उतर चुका था, दिल्ली में व्यापार और निवेश ठप हो गया था, लेकिन अब प्रधानमंत्री की सोच के तहत दिल्ली में व्यापार और निवेश के दरवाजे खुलेंगे। उल्लेखनीय है कि दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने मंगलवार को विधानसभा में अपनी सरकार का पहला बजट पेश किया। इस बजट में सीएम ने दिल्ली के लोगों को कई तोहफे दिए। दिल्ली के किसानों को अब 6000 रुपये की जगह 9000 रुपये मिलेंगे। इसके लिए दिल्ली के बजट में पीएम किसान सम्मान निधि के लिए 5 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। आपको बता दें कि वर्तमान में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत पात्र किसानों को 2000 रुपये की तीन किस्तों में सालाना 6000 रुपये दिए जाते हैं। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि इस वित्तीय वर्ष के लिए दिल्ली सरकार का बजट 1 लाख करोड़ रुपये होगा, जो आम आदमी पार्टी सरकार के पिछले बजट से 31.5 प्रतिशत अधिक है।

महाकुम्भ से वसुधैव कुटुम्बकम् का संदेश

दिव्य-भव्य-डिजिटल एकता का महाकुम्भ

प्रयागराज की पुण्यभूमि पर आस्था की अमृत जलधारा में डुबकी लगाने को लेकर जो उत्साह देखा गया उसकी दूसरी कोई मिसाल मिलना दुर्लभ है। प्रयागराज की धरती पर जहां एक ओर अपनी आध्यात्मिक उन्नति के लिए श्रद्धालुओं का अथाह जनसैलाब दिखा वहीं दूसरी तरफ आर्थिक दृष्टिकोण से भी इस आयोजन से देश और विशेषकर उत्तर प्रदेश को काफी लाभ हुआ है। प्रयागराज महाकुम्भ का सफल प्रबंधन शोधार्थियों के लिए शोध और उत्सुकता का विषय बन गया है। इस आयोजन की चर्चा लाखों कर्मयोगियों के अहर्निश सेवा और समर्पण के बिना अधूरी रहेगी, जिन्होंने न केवल अपनी जिम्मेदारी को बखूबी निभाया बल्कि कर्तव्य परायणता और मानसिक दृढ़ता का अनुपम उदाहरण भी प्रस्तुत किया। विश्व के दिग्गजों ने महाकुम्भ के सफल आयोजन के लिए भारत की क्षमता की समवेत स्वर में सराहना की है। महाकुम्भ 2025 के सफल आयोजन ने एक सामर्थ्यवान राष्ट्र के रूप में भारत की प्रतिष्ठा, असीमित क्षमता को वैश्विक पटल पर पुनर्परिभाषित किया है।

विश्व कीर्तिमान

- एक साथ 19,000 कर्मचारियों ने 10 किलोमीटर की दूरी में की सफाई
- एक साथ 329 कर्मचारियों ने संगम और प्रयागराज के घाटों की सफाई की
- 10,102 लोगों द्वारा विश्व की सबसे लंबी हैंड (प्रिंटिंग) पेंटिंग

आस्था और आर्थिकी का समन्वय

- महाकुम्भ से 3.50 ट्रिलियन रुपये का अर्थव्यवस्था में योगदान
- 10 लाख स्थायी व अस्थायी रोजगार का सृजन
- प्रयागराज व आस-पास के जनपदों में ईंधन खपत में 13 प्रतिशत की वृद्धि
- वित्तीय वर्ष 2024-25 में उत्तर प्रदेश की कुल जीडीपी 27.51 लाख करोड़ रुपये का अनुमान
- महाकुम्भ से जीडीपी में एक प्रतिशत की अनुमानित वृद्धि
- यूपी की जीडीपी में वृद्धि 11.6 प्रतिशत व राष्ट्रीय औसत वृद्धि 9.6 प्रतिशत
- प्रयागराज की जीडीपी 68727.11 करोड़ रुपये, यूपी में 6वां स्थान

मुख्यमंत्री कोष के अंतर्गत **नाविकों का पंजीकरण,** नाव क्रय हेतु वित्तीय सहायता तथा नाव संचालन हेतु प्रशिक्षण

नाविकों, स्वच्छताकर्मियों एवं स्वास्थ्यकर्मियों को आयुष्मान भारत योजना से नाविकों को जोड़कर **5 लाख रुपये का बीमा कवर**

उत्तर प्रदेश परिवहन विभाग के **चालकों को 10,000 रुपये** का अतिरिक्त बोनस

स्वच्छताकर्मियों एवं स्वास्थ्यकर्मियों को **10,000 रुपये का अतिरिक्त बोनस,** अप्रैल माह से 16,000 रुपये का निश्चित मानदेय

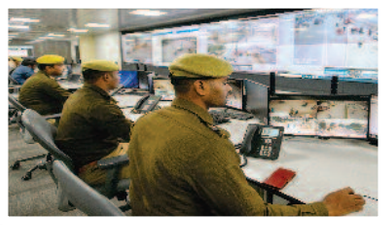

अराजपत्रित पुलिसकर्मियों को **10,000 रुपये का स्पेशल बोनस** और सभी को चरणों में (फेज वाइज) एक सप्ताह का अवकाश

विदेशी मीडिया ने की प्रशंसा

महाकुम्भ विदेशी मीडिया में भी खूब छाया रहा। विश्वभर के लगभग हर बड़े मीडिया की इस महापर्व पर लगातार नजर रही। इसी पर एक नजर-

- यह एक ऐसा आयोजन था, जहां अमेरिका की कुल आबादी से ज्यादा लोग जुटे। - **द वॉल स्ट्रीट जर्नल**
- यह पर्वों का पर्व था। लोगों की उमंग और उत्साह चरम पर रहा। - **द गार्डियन**
- आयोजन में भभूति लपेटे नागा साधुओं ने स्नान किया। उनके क्रियाकलाप आकर्षण का केंद्र रहे। **-सीएनएन**
- इस आयोजन में केवल श्रद्धालु और पर्यटक ही नहीं बल्कि नेता और हस्तियां भी पहुंचीं। - **द न्यूयॉर्क टाइम्स**
- यह डिजिटल कुम्भ था। इसमें व्यवस्था बनाने के लिए तकनीक का बेहतरीन इस्तेमाल किया। - **रॉयटर्स**
- यह विश्व का सबसे बड़ा धार्मिक समारोह था। - **एक्सप्रेस ट्रिब्यून**
- महाकुम्भ मानवता का सबसे बड़ा समागम था। - **बीबीसी**

आध्यात्मिक पर्यटन सर्किट

महाकुम्भ ने उत्तर प्रदेश के अंदर आध्यात्मिक टूरिज्म के कई सर्किट प्रस्तुत किए हैं। प्रयागराज से मां विंध्यवासिनी का धाम होते हुए काशी का सर्किट बना। जिस प्रकार प्रयागराज में करोड़ों की संख्या में लोग जुटे थे, उसी तरह मां विंध्यवासिनी धाम में इस दौरान प्रतिदिन 5 से लेकर 7 लाख तक लोग जुटे थे। इसी तरह, काशी में बाबा विश्वनाथ धाम में 10 से लेकर 15 लाख श्रद्धालु एक दिन में पहुंचते थे। एक और सर्किट बना अयोध्या धाम और गोरखपुर का, अयोध्या धाम में प्रतिदिन इस दौरान 7 लाख से लेकर 12 लाख श्रद्धालु प्रतिदिन आ रहे थे और गोरखपुर में 1 जनवरी से लेकर 26 फरवरी तक प्रतिदिन 2 लाख से 2.59 लाख श्रद्धालु जुटते थे। तीसरा सर्किट बना प्रयागराज से ऋंग्वेरपुर होते हुए लखनऊ और नैमिषारण्य का, जहां लाखों की संख्या में श्रद्धालुओं का जमावड़ा रहा। वहीं प्रयागराज से राजापुर और चित्रकूट का भी एक सर्किट बना तो पांचवा सर्किट प्रयागराज से बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे होते हुए मथुरा, वृंदावन और शुकतीर्थ का रहा, जहां बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे।

स्मार्ट सिटी प्रयागराज
मिले 14 फ्लाईओवर, 12 कॉरिडोर

महाकुम्भ के पूरे आयोजन में सभी निर्माण कार्यों के लिए डबल इंजन की सरकार ने मिलकर लगभग 7.30 हजार करोड़ रुपये खर्च किए, जिसमें 200 से अधिक सड़कों का निर्माण, 14 फ्लाईओवर, 9 अंडरपास, 12 कॉरिडोर बनाए गए। प्रयागराज में अक्षयवट कॉरिडोर, सरस्वती कूप, पातालपुरी, बड़े हनुमान, महर्षि भरद्वाज, नागवासुकि, श्रृंगवेरपुर, द्वादश माधव कॉरिडोर समेत 12 कॉरिडोर विकसित हुए हैं जो पर्यटन की दृष्टि से हर एक श्रद्धालु को अपनी ओर आकर्षित करते हैं।

प्रयागराज वासियों ने पूरे धैर्य के साथ, खुशी के साथ इसे अपना आयोजन बना दिया और जगह-जगह पर लंगर लगाए, अतिथियों का अभिवादन किया, अपनी परेशानी को भूल करके वह इस आयोजन का हिस्सा बने। प्रयागराज से प्रेरित होकर पूरे प्रदेश ने भी इसमें अपना योगदान किया। प्रदेशवासियों ने आतिथ्य का जो उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया है उसके लिए उनका हृदय से अभिनंदन करता हूं।

योगी आदित्यनाथ, मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश

सम्मान पाकर खिले चेहरे

जीवन में कभी सोचा नहीं था कि सेवा का इतना बड़ा सम्मान मिलेगा। सम्मान पाकर महाकुम्भ मेरे लिए और यादगार बन गया।

-रमा सिंह, हेड मैट्रन, केंद्रीय अस्पताल

मुख्यमंत्री से सम्मान पाकर बहुत खुशी हुई। मरीज के आते ही उसे स्ट्रेचर व व्हीलचेयर से तत्काल वार्ड तक पहुंचाना महत्वपूर्ण रहा।

-विकास गुप्ता, वार्ड ब्वॉय, केंद्रीय अस्पताल

महाकुम्भ में दो माह से साफ-सफाई कर रहा हूं। स्नान पर्व पर तो चौबीस घंटे सफाई करनी पड़ी। 2019 कुम्भ में मेरी भाभी प्रधानमंत्री जी से सम्मानित हुई थीं।

-पवन कुमार, बांदा

सम्मान के बारे में कभी सोचा नहीं था, लेकिन सीएम योगी से सम्मान मिला तो लगा कि मेहनत का फल मिल गया। मेरे साथी भी बेहतर कार्य के लिए प्रेरित होंगे।

-रज्जू, चित्रकूट

कभी सोचा नहीं था कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ संग भोज में शामिल होने का मौका मिलेगा। खुशी इतनी है कि बयान नहीं कर सकता।

-भगवानदीन, फतेहपुर

मुख्यमंत्री जी के साथ भोजन करने का अवसर मिला। इससे बड़ा सम्मान मेरे जीवन में कभी नहीं मिलेगा।

-प्रेम बाबू, बांदा

आईएमएस नोएडा में तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

फ्यूचर लाइन टाईम्स-नोएडा। इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज (आईएमएस) नोएडा तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन कर रहा है। यह सम्मेलन बृहस्पतिवार, शुक्रवार एवं शनिवार को हाइब्रिड मोड में संपन्न होगा। इस प्रतिष्ठित सम्मेलन का विषय विकसित भारत 2047 के अंतर्गत सशक्त परिवर्तन के माध्यम से भविष्य के लिए नवाचार निर्धारित किया गया है। सम्मेलन में विशिष्ट अतिथियों के रूप में एआईसीटीई के मेंबर सेक्रेटरी राजीव कुमार, श्रम एवं रोजगार मंत्रालय, भारत सरकार की सेक्रेटरी लता गौतम, एवं एनटीपीसी की कार्यकारी निदेशक संगीता कौशिक अपने विचार साझा करेंगे। वहीं कार्यक्रम के दौरान विभिन्न शैक्षणिक एवं नवाचार से जुड़े सत्रों का आयोजन किया जाएगा, जिसमें रिसर्च पेपर प्रेजेंटेशन, पोस्टर प्रेजेंटेशन, बुक एक्सचेंज एवं बिजनेस आइडिया प्रेजेंटेशन प्रमुख आकर्षण होंगे।इस अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में आईएमएस के प्रेसिडेंट राजीव कुमार गुप्ता, महानिदेशक प्रो. (डॉ.) विकास धवन, डीन डॉ. नीलम सक्सेना के नेतृत्व में देश-विदेश के शिक्षाविद, शोधकर्ता एवं छात्र भाग लेंगे। इसके अलावा, सम्मेलन में कार्थेज विश्वविद्यालय (ट्यूनीशिया), सीजीएम साउथ अफ्रीका एवं नोएडा मैनेजमेंट एसोसिएशन की भी सक्रिय भागीदारी होगी, जो इस आयोजन को वैश्विक दृष्टिकोण प्रदान करेगी।आईएमएस नोएडा का यह आठवां अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन शोध, नवाचार और विचारों के आदान-प्रदान का एक महत्वपूर्ण मंच प्रदान करेगा, जो विकसित भारत 2047 के दृष्टिकोण को साकार करने में सहायक सिद्ध होगा।

घरेलू सहायिका पर गहने चुराने का आरोप

फ्यूचर लाइन टाईम्स-नोएडा। शहर की एडब्ल्यूएचओ सोसाइटी के फ्लैट मालिक ने एक दिन के लिए आई घरेलू सहायिका पर सोने के गहने चुराने का आरोप लगाया है। उन्होंने आरोपी महिला के खिलाफ केस दर्ज करवाया है। पुलिस के मुताबिक एडब्ल्यूएचओ सोसाइटी में कैप्टन नवल किशोर सिंह परिवार के साथ रहते हैं। उन्होंने पुलिस को बताया कि उनके फ्लैट में काम करने वाली घरेलू सहायिका छुट्टी पर गई थी। इस कारण उन्होंने ममता नाम की महिला को एक दिन के लिए घर में काम करने के लिए बुलाया। आरोप है कि ममता घर में साफ-सफाई करने के दौरान बेड के कोने पर रखे सोने के गहने चोरी कर ले गई। कोतवाली प्रभारी का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है। घरेलू सहायिका को हिरासत में लेकर पूछताछ की जाएगी।

रात में निर्माण कार्य के शोर से परेशान निवासी

फ्यूचर लाइन टाईम्स-नोएडा। ग्रेटर नोएडा वेस्ट स्थित आम्रपाली ड्रीम वैली के अंदर चल रहे निर्माण कार्य से निवासी परेशान हैं। रात में मशीनों के शोर से उनकी नींद हराम हो गई है। आम्रपाली ड्रीम वैली में ऑरा प्रोजेक्ट का निर्माण एनबीसीसी की देखरेख में चल रहा है। निमार्णाधीन परियोजना में दिन और रात के समय में कार्य किया जा रहा है। निवासी शैलेन्द्र भदौरिया ने बताया कि रात-दिन खुदाई की मशीन का शोर होने पर लोग ठीक से सो नहीं पा रहे। कई बार 112 नंबर पर कॉल कर शिकायत की गई। इसके बाद निर्माण कंपनी के कर्मचारी 10-15 मिनट काम रोककर फिर काम शुरू दे रहे। प्राधिकरण, सुप्रीम कोर्ट ऑफिस, एनबीसीसी ऑफिस, एनजीटी ऑफिस में भी इसे लेकर शिकायत की गई, पर कुछ नहीं हुआ। उनका कहना है कि इसी तरह रात के समय निर्माण कार्य चलता रहा तो निवासियों को मजबूरन धरना प्रदर्शन करना होगा।

पैदल ही बाजार जा रहे युवक से मोबाइल फोन छीना

फ्यूचर लाइन टाईम्स-नोएडा। फेज-3 थाना क्षेत्र में पैदल ही बाजार जा रहे युवक से बाइक सवार दो बदमाशों ने मोबाइल फोन छीन लिया। घटना करीब दो माह पुरानी है। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। सेक्टर-71 निवासी सचिन चौहान ने पुलिस को बताया कि 25 जनवरी की रात करीब नौ बजे वह अपने घर से शनि बाजार की तरफ जा रहे थे। इसी दौरान उनके मोबाइल पर एक परिचित की कॉल आई। वह पैदल ही मोबाइल पर बात करते हुए जा रहे थे, तभी सामने से बाइक पर दो अज्ञात युवक आए। उन्होंने अचानक उनके हाथ से मोबाइल फोन छीन लिया। उन्होंने बदमाशों का काफी दूर तक पीछा किया और शोर मचाया। बदमाश सड़क पर कम लोगों के आवागमन का फायदा उठाकर भागने में कामयाब रहे। पीड़ित का कहना है कि वह बदमाशों के चेहरे नहीं देख पाए। थाना प्रभारी निरीक्षक का कहना है कि घटनास्थल और उसके आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। हालांकि, वारदात दो माह पुरानी है। खुलासा करने के लिए टीमों का गठन कर दिया है। जल्द ही बदमाशों को पकड़ लिया जाएगा।

एक्सप्रेसवे की सर्विस रोड पर कल से रास्ते बदलेंगे

फ्यूचर लाइन टाईम्स-नोएडा। ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेसवे की सर्विस रोड पर बुधवार की रात एक से साढ़े चार बजे तक वाहनों के लिए रास्तों में बदलाव रहेगा। इस दौरान 220 केवी लाइन की ओवरहेड लाइन बिछाने और तार बदलने का काम किया जाना है। यातायात पुलिस के अधिकारियों ने बताया कि 26 मार्च की रात यूपी पावर ट्रांसमिशन कॉरपोरेशन लिमिटेड विद्युत पारेषण खंड प्रथम सेक्टर-20 की ओर से बिजली का काम किया जाना है। सेक्टर-45 सबस्टेशन से सेक्टर-132 सिफी डाटा सेंटर तक 220 केवीलाइन की ओवरहेड लाइन डालने और तार बदले जाने का काम किया जाना है। इसको देखते हुए सेक्टर-98-100-104 तिराहा एवं एक्सप्रेसवे की डबल सर्विस रोड से सेक्टर-45 आम्रपाली चौकी की ओर जाने वाले वाहनों के रास्ते बदले रहेंगे। डीसीपी लखन यादव ने बताया कि सेक्टर-44 गोलचक्कर से एक्सप्रेसवे डबल लेन सर्विस रोड से सेक्टर-45, 98, 100 और 104 की ओर जाने वाले वाहन हाजीपुर चौक से गंतव्य की ओर जा सकेंगे। इसके अलावा सेक्टर-100-104 से सेक्टर-45 होकर 44 की ओर जाने वाले वाहन हाजीपुर चौक से डबल लेन सर्विस रोड होकर गंतव्य की ओर जा सकेंगे।

शराब पर भारी छूट! एक पर एक बोतल मुफ्त; ठेकों पर लंबी लाइनें

फ्यूचर लाइन टाईम्स-नोएडा। नोएडा में मंगलवार को शराब की दुकानों पर शराब प्रेमियों की भीड़ टूट पड़ी। देखते ही देखते कई दुकानों से शराब का स्टॉक खत्म हो गया। एक पेटी पर एक पेटी फ्री का ऑफर लेने के लिए दुकानों पर लोगों का जमावड़ा लगा हुआ है। शराब विक्रेताओं को 31 मार्च तक पुराना स्टॉक खत्म करना है, इसलिए शराब की कीमतों में 40 से 50 प्रतिशत तक की छूट दी जा रही है। नोएडा के सेक्टर 18 में शराब की दुकानों पर छूट की सूचना मिलते ही लोग की भीड़ उमड़ रही है। कुछ लोग लाइन में लगे हैं और कुछ लोग अपनी बारी न आने पर आपस में बहस करते नजर आ रहे हैं। तभी एक शख्स की मानो लाटरी लग गई है। वह पेटी के साथ दारू ले जाता दिखाई दिया। नोएडा में शराब की दुकानों पर भारी भीड़। इस भीड़ और मारामारी का कारण यह है कि पिछले दिनों ई-लाटरी से दुकानों का आवंटन किया गया है। जिसके चलते काफी पुराने शराब की दुकानें के संचालकों की ई-लाटरी में दुकानें नहीं मिल सकी। पुराने दुकानों पर 31 मार्च तक स्टॉक खत्म करना जरूरी है। जिसके चलते कई दुकानों ने शराब की कीमतों में 40 से 50 प्रतिशत तक की छूट दी है। नोएडा में शराब की दुकानों के बाहर कुछ वैसी ही भीड़ नजर आ रही है जिस तरह कुछ साल पहले दिल्ली में नई शराब नीति लागू होने के बाद एक पर एक बोतल मुफ्त वाली ऑफर के बाद दिखी थी।

नोएडा के शिल्प हॉट में प्रभारी मंत्री ने किया 3 दिवसीय मेले का शुभारंभ

फ्यूचर लाइन टाईम्स-नोएडा। नोएडा। उत्तर प्रदेश सरकार में सीएम योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी की सत्ता के 8 साल पूरे होने पर मंगलवार को जनपद गौतमबुद्ध नगर में कई कार्याक्रमों का आयोजन किया गया। इस दौरान योगी सरकार की उपलब्धियों की जानकारी जनता को दी गई। सेवा, सुरक्षा एवं सुशासन की दिशा में केंद्र सरकार के 10 वर्ष एवं प्रदेश सरकार के 8 वर्ष पूर्ण होने पर सेक्टर-33ए स्थित नोएडा शिल्प हॉट में प्रदेश सरकार की उपलब्धियों, योजनाओं एवं कार्यक्रमों की जानकारी देने के मकसद से आज से 27 मार्च तक तीन दिवसीय मेले का शुभारंभ जनपद के प्रभारी मंत्री बृजेश सिंह ने किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि इन 8 साल के दौरान उप्र. में व्यापक परिवर्तन हुए है। अन्नदाता किसानों से लेकर महिलाओं तक के लिए सरकार की तरफ से उल्लेख कार्य किए गए है।

उन्होंने उत्तर प्रदेश में कानून व्यवस्था से लेकर अपराधियों के खिलाफ अभियान तक का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि देश व प्रदेश में डबल इंजन की सरकार ने विकास कार्य किया है। कार्यक्रम के दौरान भाजपा के सांसद डा. महेश शर्मा, विधायक पंकज सिंह, विधायक तेजपाल नागर, विधायक धीरेन्द्र सिंह, क्षेत्रीय अध्यक्ष सतेन्द्र शिसोदिया, विधान परिषद सदस्य श्रीचन्द शर्मा, जिला पंचायत अध्यक्ष अमित चौधरी, भाजपा जिलाध्यक्ष अभिषेक शर्मा, महानगराध्यक्ष महेश चौहान, पूर्व मंत्री नवाब सिंह नागर, पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह, डीएम मनीष कुमार वर्मा सहित अन्य उपस्थित रहे। इस मौके पर स्थानीय कलाकारों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों की मनमोहक प्रस्तुति दी गई। डीएम मनीष कुमार वर्मा ने बताया कि तीन दिवसीय मेले में जनपदवासियों के पास केंद्र एवं प्रदेश सरकार की उपलब्धियों, लाभार्थीपरक योजनाओं, जनकल्याणकारी कार्यक्रमों, लोकार्पित एवं शिलान्यास की गई परियोजनाओं के संबंध में जानकारी प्राप्त करने एवं योजनाओं का लाभ उठाने का सुनहरा अवसर है। इस मेले में जनपद के समस्त विभागों द्वारा अपने-अपने विभागों में संचालित योजनाओं एवं कार्यक्रमों को लेकर स्टॉल लगाकर आम जनमानस को विस्तृत जानकारी उपलब्ध कराई जा रही है एवं पात्र व्यक्तियों को योजनाओं के लाभ से मौके पर ही आवेदन कराते हुए लाभान्वित भी कराया जा रहा है।

उन्होंने बताया कि तीन दिवसीय मेले में प्रत्येक दिन यूपी भारत का ग्रोथ इंजन थीम पर आधारित विचार गोष्ठी व संवाद सम्मेलनों का आयोजन होगा। अन्नदाता किसान की समृद्धि, महिला सशक्तिकरण, अवसंरचना विकास, युवा एवं रोजगार, हस्तशिल्प एवं ओडीओपी, सुरक्षित उद्यमी-समृद्ध व्यापार तथा अंत्योदय से सर्वोदय (समाज कल्याण, पेंशन, राशन आदि) थीम पर होने वाले इन विचार सत्रों में संबंधित क्षेत्र के ख्यातिलब्ध जनों को वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया है। साथ ही विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले नागरिकों को सम्मानित भी किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि प्रत्येक दिन दो सत्र आयोजित होंगे एवं सत्रों के अंतराल में सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया जाएगा। डीएम ने बताया कि इस तीन दिवसीय मेले में बेरोजगार युवक-युवतियों के लिए रोजगार प्राप्त करने एवं अपना रोजगार स्थापित करने का भी सुनहरा अवसर है, क्योंकि जनपदीय बैंकर्स कमेटी के साथ समन्वय स्थापित कर ऋण मेलों का आयोजन, रोजगार एवं सेवायोजन निदेशालय के सहयोग से रोजगार मेलों का आयोजन किया गया है।

प्रज्ञान में यज्ञ के साथ नवीन सत्र का शुभारंभ,छात्रों में नए जोश और उमंग का संचार

फ्यूचर लाइन टाईम्स-जेवर। प्रज्ञान पब्लिक स्कूल, जेवर में नवीन शैक्षणिक सत्र 2025-26 का शुभारंभ पारंपरिक विधि-विधान के साथ किया गया।इस अवसर पर विद्यालय में एक भव्य यज्ञ का आयोजन किया गया, जिसमें विद्यालय के प्रबंधक डा.हरीश कुमार शर्मा, प्रधानाचार्या डॉ.दीप्ति शर्मा, कोषाध्यक्ष अमोल कुमार शर्मा, संकाय प्रभारीगण, शिक्षकगण एवं छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।यज्ञ की पावन अग्नि में आहुतियाँ डालते हुए सभी ने नवीन सत्र की सफलता, छात्रों के उज्ज्वल भविष्य और विद्यालय की निरंतर प्रगति की कामना की।विद्यालय परिसर में हवन कुंड की पवित्र अग्नि के सामने वैदिक मंत्रोच्चार गूंज उठा, जिससे वातावरण भक्तिमय और सकारात्मक ऊर्जा से परिपूर्ण हो गया।छात्रों ने भी श्रद्धा और उल्लास के साथ यज्ञ में भाग लिया और अपने नए शैक्षणिक सफर की शुरूआत की।विद्यालय के प्रबंधक डा.हरीश कुमार शर्मा ने अपने प्रेरणादायक संबोधन में छात्रों को परिश्रम और अनुशासन का महत्व बताया तथा उन्हें शिक्षा के नए आयाम छूने के लिए प्रोत्साहित किया।उन्होंने कहा कि शिक्षा केवल पुस्तकों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह जीवन को संवारने और समाज के प्रति उत्तरदायित्व को समझने का माध्यम भी है।प्रधानाचार्या डॉ.दीप्ति शर्मा ने सभी छात्र-छात्राओं को नवीन सत्र की शुभकामनाएँ देते हुए उन्हें आत्मनिर्भरता, नैतिक मूल्यों और ज्ञानार्जन के प्रति प्रतिबद्ध रहने की प्रेरणा दी।उन्होंने शिक्षकों से आग्रह किया कि वे छात्रों के सर्वांगीण विकास में अपनी अहम भूमिका निभाते रहें।कार्यक्रम के समापन पर सभी शिक्षक- शिक्षिकाओ और छात्र- छात्राओं को प्रसाद वितरण किया गया। इस नवीन सत्र शुभारंभ समारोह ने न केवल नवीन सत्र की शुरूआत को पावन बनाया, बल्कि छात्रों में नए जोश और उमंग का संचार भी किया।

बादलपुर में दिव्यांगजनों को सहायक उपकरण वितरित किए

फ्यूचर लाइन टाईम्स-नोएडा। बादलपुर गांव में भाजपा बादलपुर मंडल के अध्यक्ष प्रधान महेंद्र नागर के आवास पर केंद्रीय सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय के सहयोग से एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया।जिसमें 100 दिव्यांगजनों, बड़े बुजुर्गों और वृद्ध महिलाओं को सहायक उपकरण वितरित किए गए। जिन लोगों के लिए विभाग तक पहुंचना संभव नहीं था, उन्हें इलेक्ट्रिक साइकिल, व्हील साइकिल, कान की मशीनें, बैसाखी, घुटनों और कमर की गर्म पट्टियाँ प्रदान की गईं।इस मौके पर उम्मीद संस्था के संस्थापक डॉ. देवेंद्र कुमार नागर ने कहा कि जरूरतमंद, दिव्यांग, बड़े बुजुर्गों और वृद्ध महिलाओं की सेवाभाव, सहयोग और सम्मान करना हम सभी का कर्तव्य है, क्योंकि राष्ट्र की आत्मा इन बुजुर्गों में बसती है।वही भाजपा के मंडल अध्यक्ष प्रधान महेंद्र नागर ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के "सबका साथ, सबका विकास" के मंत्र का उल्लेख करते हुए कहा कि उनका सपना देश को एक श्रेष्ठ राष्ट्र बनाना है। इस मौके पर ग्राम प्रधान ज्ञान नागर, राधे नागर ,अजब सिंह नागर राजकुमार, जयपाल सिंह प्रधान, सुमित कसाना, आनंद भगत जी, मास्टर भगत सिंह नागर, शुभम नागर, अभिषेक नागर ,लटूर सिंह नागर ,गजराज नागर, जयप्रकाश नययर देशराज सिंह, मास्टर ब्रह्म सिंह, महाराज सिंह, डॉ सोनू अवाना, प्रवीण नागर समेत कई सम्मानित व्यक्ति उपस्थित रहे।

उद्योगपति सुनील गुप्ता का आकस्मिक निधन,नोएडा में शोक की लहर

फ्यूचर लाइन टाईम्स-नोएडा। नोएडा में उस वक्त शोक की लहर छा गयी जब दिल्ली एनसीआर के प्रमुख उद्योगपति सुनील गुप्ता का आज आकस्मिक निधन हो गया।लगभग दो वर्ष से वो अस्वस्थ चल रहे थे।उनका अंतिम संस्कार नोएडा के सेक्टर 94 स्थित अंतिम निवास में किया गया। इस अवसर पर शहर के बड़े-बड़े उद्योगपतियों/व्यवसायियों और समाज सेवी संस्थाओं से आए लोगों ने अंतिम दर्शन कर अश्रुपूरित नेत्रों से अंतिम विदाई दी।बता दे कि चश्मा के लेंस बनाने के उद्योग से जुड़े देश एवं विदेश में परचम फहराने वाले नोएडा के प्रमुख उद्योगपति कुशल व्यवसायी,वरिष्ठ समाज सेवी सुनील गुप्ता जगदंबा ऑप्टिक्स प्राइवेट लिमिटेड के मालिक थे।इसके अलावा उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल के प्रदेश उपाध्यक्ष के पद पर आसीन थे। सुनील गुप्ता व्यापार मंडल के प्रथम जिला अध्यक्ष 1996 में बने और व्यापारियों से जुड़कर उद्योगपतियों/व्यवसायियों एवं छोटे व्यापारियों की समस्याओं का हल करवाने के लिए उनकी हर मुसीबत के समय उनके कंधे से कंधा मिलाकर हमेशा साथ खड़े रहे और आने वाली समस्याओं का डट कर सामना किया।उद्योग जगत सुनील गुप्ता को कभी नहीं भुला पाएगा और उनकी कमी को हमेशा महसूस करेगा।अंतिम दर्शन के लिए आने वालों का तांता लगा रहा उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल के जिला अध्यक्ष सुधीर पोरवाल, वरिष्ठ महासचिव अमित अग्रवाल, महासचिव अमित पोरवाल, कोषाध्यक्ष नरेश बंसल, वरिष्ठ उपाध्यक्ष मनोज गुप्ता, रात से ही उनके घर उपस्थित रहे शहर के प्रमुख लोगों में पहुंचने वाले सांसद डॉक्टर महेश शर्मा, विधायक पंकज सिंह, भाजपा महानगर अध्यक्ष महेश चौहान, सांसद प्रतिनिधि संजय बाली, वीर सिंह यादव ,राधा कृष्ण गर्ग ,डीपी गोयल, मनोज गुप्ता एडवोकेट, सत्य नारायण गोयल, मुकेश गुप्ता, संजय गोयल,डॉक्टर एसपी जैन रोहतास गोयल ,फूल सिंह यादव ,विक्रम सेठी, तनवीर , शैलेंद्र पोरवाल ,राजकुमार गर्ग, गोविंद अग्रवाल, धर्मवीर बंसल, मनोज गोयल आदि लोगों ने भारी संख्या में पहुंचकर लोगों ने उनको भावभीनी श्रद्धांजलि दी।सभी ने प्रार्थना कि भगवान उनको अपने श्री चरणों में स्थान दें एवं उनके परिवार को असीम दुख सहने की शक्ति प्रदान करें।

हापुड़ का गर्भवती युवती डोली हत्याकांड : मुख्य आरोपी अरुण त्यागी को गाजियाबाद कोर्ट ने सुनाई आजीवन कारावास की सजा, 33000 का जुमार्ना भी लगाया

फ्यूचर लाइन टाईम्स
गाजियाबाद : जिले के हापुड़ देहात थाना क्षेत्र में 16 साल पहले हुई गर्भवती युवती डोली (19) की निर्मम हत्या के मामले में अदालत ने मुख्य अभियुक्त अरुण त्यागी को दोषी करार देते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। अपर सत्र न्यायाधीश कोर्ट संख्या 6, इंदु द्विवेदी ने फैसला सुनाते हुए अभियुक्त पर ₹33,000 का जुमार्ना भी लगाया है। घटनाक्रम के अनुसार 27 फरवरी 2009 को वादी राजेश कुमार त्यागी ने हापुड़ देहात थाने में अपनी बेटी डोली की गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रिपोर्ट के अनुसार डोली अपने इलाज के लिए 30,000 रुपये लेकर डॉक्टर के पास गई थी, लेकिन वह वापस नहीं लौटी। अगले दिन उसका शव अजय त्यागी के सरसों के खेत में मिला। शव पर धारदार हथियार से किए गए गहरे जख्म थे, जिससे उसकी बेरहमी से हत्या की गई थी।

पुलिस जांच में हुआ था बड़ा खुलासा, जांच के दौरान चौंकाने वाला खुलासा हुआ कि मृतका डोली सात माह की गर्भवती थी। पुलिस ने इस हत्याकांड में डोली के तहेरे भाई अरुण त्यागी को मुख्य आरोपी पाया। जांच में सामने आया कि अरुण के अपनी चाची की लड़की के साथ अवैध संबंध थे और डोली इस पर दबाव बना रही थी। इसी कारण उसने अपने दोस्तों कुलदीप और पिंटू उर्फ पंकज के साथ मिलकर डोली की हत्या की और शव को खेत में छिपा दिया।

इस जघन्य अपराध में अभियोजन पक्ष की सशक्त दलीलों और सबूतों के आधार पर अदालत ने मुख्य आरोपी अरुण त्यागी को दोषी मानते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई और 33000 का जुमार्ना लगाया।

जिला शासकीय अधिवक्ता फौजदारी राजेश चंद शर्मा ने बताया कि यह मामला बहुत ही संवेदनशील था। हमारी टीम ने प्रभावी पैरवी कर अदालत के सामने ठोस सबूत पेश किए, जिसके परिणामस्वरूप आरोपी को सजा दिलाने में सफलता मिली। यह फैसला समाज में एक कड़ा संदेश देगा कि महिलाओं पर अत्याचार करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। इस फैसले के बाद पीड़ित परिवार ने संतोष व्यक्त किया। डोली के पिता राजेश कुमार त्यागी ने कहा कि 16 साल से हम न्याय की आस में थे। आज अदालत ने हमें न्याय दिया है। मेरी बेटी को इंसाफ मिला।

अदालत के इस फैसले ने कानून और न्याय व्यवस्था की सख्ती का प्रमाण दिया है। यह निर्णय समाज के लिए एक मिसाल बनेगा कि जघन्य अपराध करने वालों को कड़ी सजा मिलेगी और पीड़ितों को न्याय मिलकर रहेगा।

उत्तर प्रदेश सरकार के "आठ साल बेमिसाल" कार्यक्रम का आयोजन

फ्यूचर लाइन टाईम्स-जेवर। उत्तर प्रदेश सरकार की 'सेवा, सुरक्षा और सुशासन' नीति के सफल आठ वर्षों के उपलक्ष्य में प्रज्ञान पब्लिक स्कूल, जेवर में एक भव्य समारोह का आयोजन किया गया। माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश की उल्लेखनीय प्रगति को जनमानस तक पहुँचाने के उद्देश्य से यह कार्यक्रम संपन्न हुआ।इस अवसर पर मुख्य अतिथि माननीय विधायक धीरेंद्र सिंह, अपर जिलाधिकारी राजेश सिंह, उपजिलाधिकारी अभय प्रताप सिंह, तहसीलदार तनुजा निगम, विद्यालय प्रबंधक डॉ. हरीश कुमार शर्मा और प्रधानाचार्या डॉ. दीप्ति शर्मा की गरिमामयी उपस्थिति रही। सभी अतिथियों का पुष्पगुच्छ एवं पादप भेंट कर भव्य स्वागत किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती वंदना के साथ हुआ।इस विशेष अवसर पर सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं को प्रदर्शित करने के लिए 14 विशेष प्रदर्शनी स्टॉल लगाए गए।इनमें आयुष्मान भारत योजना, स्कूल चलो अभियान, स्वच्छ भारत मिशन, विद्युत विभाग की योजनाएँ, पुलिस कमिश्नरेट, यातायात विभाग, कृषि एवं समाज कल्याण विभाग जैसी योजनाओं को प्रमुखता दी गई। इसके अतिरिक्त, जेवर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा, फिल्म सिटी, अपैरल पार्क, टॉय सिटी और मेडिकल डिवाइस पार्क जैसी महत्वपूर्ण विकास परियोजनाओं की झलक भी प्रस्तुत की गई,जिससे विद्यार्थियों और आगंतुकों को प्रदेश में हो रहे व्यापक विकास की जानकारी मिली।विद्यालय के प्रतिभाशाली छात्रों ने 'मिशन शक्ति', 'स्वच्छ भारत अभियान' और 'डिजिटल इंडिया' जैसी योजनाओं पर अपने विचार व्यक्त किए। साथ ही विभिन्न नाट्य मंचनों, भाषणों और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से 'सेवा, सुरक्षा और सुशासन' की महत्ता को प्रभावी रूप से दर्शाया। 'बम बोले' और 'प्रयागराज' पर प्रस्तुत नृत्य ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया, जबकि 'राधा-कृष्ण' एवं 'श्री राम-सीता' पर आधारित नृत्य प्रस्तुतियों ने उत्तर प्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर को जीवंत कर दिया।इस अवसर पर विद्यालय प्रबंधक डॉ. हरीश कुमार शर्मा ने अपने उद्बोधन में कहा कि सरकार द्वारा चलाई जा रही नीतियाँ प्रदेश के विकास को नई दिशा प्रदान कर रही हैं। हमें सुशासन एवं समाज सेवा के प्रति जागरुक रहकर राष्ट्र निर्माण में योगदान देना चाहिए।कार्यक्रम के अंत में विद्यालय परिवार ने इस भव्य आयोजन की सफलता के लिए सभी प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया।समारोह का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ।

संपादकीय

केंद्र का सही निर्णय

केंद्र सरकार ने एक महत्त्वपूर्ण फैसला के तहत एल्युमीनियम फॉयल सहित पांच चीनी वस्तुओं पर एंटी डंपिंग ड्यूटी लगाया है। बताया जा रहा है कि यह निर्णय घरेलू उद्योगों को चीन से सस्ते आयात के निगेटिव असर से बचाने के लिए की गई है। वाणिज्य मंत्रालय की जांच शाखा डीजीटीआर (व्यापार उपचार महानिदेशालय) की सिफारिश के आधार पर व्यापार कार्रवाई की गई है। डीजीटीआर डंपिंग और सब्सिडी जैसे मामलों की जांच करती है। दरअसल, एंटी-डंपिंग ड्यूटी आयातित वस्तुओं पर लगाए जाने वाले टैक्स हैं, जो उनके निर्यात मूल्य और उनके सामान्य मूल्य के बीच के अंतर की भरपाई के लिए लगाए जाते हैं, अगर डंपिंग के कारण आयात करने वाले देश में प्रतिस्पर्धी उत्पादों के उत्पादकों को नुकसान होता है। केंद्र सरकार के संज्ञान में यह बात लंबे अरसे से थी कि चीन भारत के घरेलू उद्योग को बर्बाद करने की साजिश में लगा हुआ है। आखिरकार सरकार को यह कदम उठाना पड़ा। स्वाभाविक तौर पर सरकार के इस फैसले से भारतीय उद्योगों को राहत मिलने की उम्मीद है। सरकार को भी यह भरोसा है कि ऐसी सख्ती से भारतीय उद्योगों को मदद मिलेगी। इससे वे चीन से आने वाले सस्ते आयात से मुकाबला कर पाएंगे। भारत ने पहले ही चीन सहित विभिन्न देशों से सस्ते आयात से निपटने के लिए कई उत्पादों पर डंपिंग रोधी शुल्क लगाया है। इन सब तथ्यों से इतना तो साफ होता है कि चीन की नीयत में खोट है। वह भारत से मिलने वाली तमाम रियायतों और सुविधाओं को दरकिनार कर उसी का नुकसान पहुंचाने की जुगत में लगी रहती है। हो सकता है इस कदम के बाद चीन इस बात की संवेदनशीलता को समझेगा। ऐसे भी भारत के बाजार पर चीन के सामानों की बहुतायत है। कोई भी त्योहार मसलन दीपावली हो या होली; चीन किफायती कीमत के उत्पाद भारत में भेजता है। उसके इस कदम से भारत में काम कर रहीं कंपनियों की सेहत पर काफी बुरा प्रभाव पड़ता है। निश्चित तौर पर केंद्र की नरेन्द्र मोदी सरकार के फैसले की सराहना की जानी चाहिए। घरेलू उद्योगों को जीवनदान देने के लिए यह एहतियाती कदम उठाना लाजिमी था। इस बात में कोई शक नहीं कि चीन सिर्फ अपना फायदा देखता है। उसके शब्दकोष में न तो संवेदना की जगह है और न नैतिकता की। इस नाते मोदी सरकार की यह पहल ऐतिहासिक मानी जाएगी।

चिंतन-मनन

प्रकाशस्रोत परमात्मा

परमात्मा या भगवान ही सूर्य, चन्द्र तथा नक्षत्रों जैसी प्रकाशमान वस्तुओं के प्रकाशस्रोत हैं। वैदिक साहित्य बताता है कि वैकुंठ राज्य में सूर्य या चन्द्रमा की आवश्यकता नहीं पड़ती, क्योंकि वहां परमेश्वर का तेज विद्यमान है।भौतिक जगत में ब्रम्हज्योति या भगवान का आध्यात्मिक तेज भौतिक तत्वों से ढका रहता है। अतः हमें सूर्य, चन्द्र, बिजली आदि के प्रकाश की आवश्यकता पड़ती है। वैदिक साहित्य में स्पष्ट है कि भगवान आध्यात्मिक जगत (वैकुंठ लोक) में स्थित हैं।श्वेतातर उपनिषद में कहा गया है- आदित्यवर्ण तमसः परस्तात अर्थात वे सूर्य की भांति अत्यन्त तेजोमय हैं, लेकिन भौतिक जगत के अन्धकार से बहुत दूर हैं। उनका ज्ञान दिव्य है। वैदिक साहित्य पुष्टि करता है कि ब्रम्ह घनीभूत दिव्य ज्ञान है। जो वैकुंठ जाने का इच्छुक है, उसे परमेश्वर द्वारा ज्ञान प्रदान किया जाता है। एक वैदिक मंत्र है तं ह देवम आत्मबुद्धिप्रकाशं मुमुक्षुवै शरणामहं प्रपद्ये। अर्थात मुक्ति के इच्छुक मनुष्य को चाहिए कि वह भगवान की शरण में जाए। जहां तक चरम ज्ञान के लक्ष्य का सम्बन्ध है, वैदिक साहित्य से भी पुष्टि होती है-तमेव विदित्वाति मृत्युमेति यानी उन्हें जान लेने के बाद ही जन्म तथा मृत्यु की परिधि को लांघा जा सकता है। वे प्रत्येक हृदय में परम नियन्ता के रूप में स्थित हैं। परमेश्वर के हाथ-पैर सर्वत्र फैले हैं लेकिन जीवात्मा के विषय में ऐसा नहीं कहा जा सकता। अतः मानना ही पड़ेगा कि कार्यक्षेत्र जानने वाले दो ज्ञाता हैं- एक जीवात्मा तथा दूसरा परमात्मा। पहले के हाथ-पैर किसी एक स्थान तक सीमित हैं जबकि कृष्ण के हाथ-पैर सर्वत्र फैले हैं। इसकी पुष्टि श्वेतातर उपनिषद में इस प्रकार हुई है। सर्वस्थ प्रभुमीशानं सर्वस्य शरणं बृहत यानी वह परमेश्वर या परमात्मा समस्त जीवों का स्वामी या प्रभु है। वह उन सबका चरम आश्रय है। अतः इस बात से मना नहीं किया जा सकता कि परमात्मा तथा जीवात्मा भिन्न हैं।

भाषा विवाद राष्ट्रीयता के लिए खतरा, हिन्दी भाषा को नुकसान

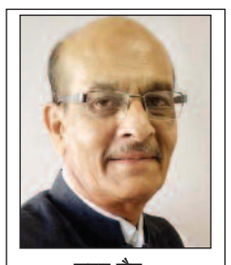

सनत जैन

तमिलनाडु में एक बार फिर भाषा विवाद का मुद्दा गर्मा गया है। कई दशकों से भाषा के मुद्दे पर जो भी विवाद सामने आए हैं। उसके कारण भारत की राष्ट्रीयता एकता और अखंडता में दरार डालने और हिन्दी भाषा को कमजोर करने का काम भाषा विवाद ने किया है। जैसे ही भाषा का विवाद शांत होता है। राजनीति के चलते उसे फिर से गरमा दिया जाता है। जिसके कारण भाषा का विवाद हर बार एक नए रूप में सामने आता है। केंद्र सरकार द्वारा शिक्षा नीति के तहत त्रिस्तरीय भाषा फामूर्ला में हिंदी को अनिवार्य किए जाने से एक बार फिर हिन्दी भाषा का मामला तूल पकड़ गया है। तमिलनाडु इसे सांस्कृतिक हमला बता रहा है। तमिलनाडु पर जबरिया हिंदी थोपने की बात की जा रही है। प्रशासकीय व्यवस्था एवं सामाजिक व्यवस्था में जबरिया हिंदी थोपने की बात कही जा रही है। तमिलनाडु इसे राज्यों की स्वतंत्रता पर केंद्र का हमला बता रहा है। भारतीय संविधान राज्यों को अपनी भाषा के आधार पर नीतियां बनाने की अनुमति देता है। तमिलनाडु में हिंदी का प्रचलन पिछले दशकों में बढ़ता चला जा रहा है। स्कूलों में भी हिंदी पढ़ने वाले छात्रों की संख्या बढ़ रही है। जिस तरह से हिंदी भाषा को केन्द्र सरकार द्वारा अनिवार्य किया जा रहा है। उसके कारण एक बार फिर हिंदी के विरोध में दक्षिण के राज्य खड़े हो रहे हैं। तमिलनाडु में अभी 2 स्तरीय भाषा फामूर्ला है। जिसमें तमिल और अंग्रेजी की अनिवार्यता है। तमिलनाडु सरकार का मानना है, यहां की शिक्षा व्यवस्था के लिए यही दो भाषा पर्याप्त हैं. केंद्र सरकार को यदि तीन भाषाओं का फामूर्ला लागू करना था। तो इसमें हिंदी संस्कृत एवं अन्य भाषाओं को ऐच्छिक रखा जाना चाहिए था। भारत सरकार की नई शिक्षा नीति को लेकर एक बार फिर भाषा को लेकर केंद्र एवं राज्यों के बीच में तकरार शुरू हो गई है। पहली बार 1937 में हिंदी को अनिवार्य किए जाने की कवायत शुरू हुई थी। मद्रास प्रेसीडेंसी की कांग्रेस सरकार ने स्कूलों में हिंदी को अनिवार्य किया था। इसके खिलाफ बड़े पैमाने पर विरोध शुरू हो गया था। तत्कालीन जस्टिस पार्टी और पेरियार ने इसके विरोध में आंदोलन शुरू कर दिए थे। 1940 में यह नीति वापस ले ली गई थी। उसके बाद 1965 में भारत सरकार ने राजभाषा अधिनियम के प्रावधान के तहत हिंदी को अनिवार्य करने का निर्णय लिया। उस समय भी दक्षिण के राज्यों में इसका भारी विरोध हुआ। भाषा का विवाद राज्यों के पुनर्गठन के समय भी बड़े पैमाने पर देखने को मिला था। भाषा के आधार पर ही कई राज्यों का गठन हुआ। जब-जब भाषा विवाद हुए है, उसमें हिंसा भी हुई है। भाषा एक ऐसा विषय है, जिसको लेकर नागरिक भावात्मक रूप से भाषा के पक्ष में खड़े होते हैं। जब-जब भाषा को राजनीति का हिस्सा बनाया जाता है। इसका व्यापक असर जन सामान्य के बीच देखने को मिलता है। वर्तमान केंद्र सरकार द्वारा त्रिस्तरीय भाषा फामूर्ला को लेकर जो शिक्षा नीति बनाई गई है। उसने एक बार फिर राज्यों को भाषा के आधार पर उद्देलित कर दिया है। तमिलनाडु सहित अन्य राज्यों में इसकी तीव्र प्रतिक्रिया देखने को मिल रही है। आगे चलकर अन्य गैर हिंदी भाषा के राज्यों में भी इस तरह के विवाद उग्र हो सकते हैं। सूचना प्रौद्योगिकी के इस युग में भाषा को लेकर इस तरह का विवाद कहीं से भी उचित नहीं माना जा सकता है। एआई के इस दौर में जब किसी भी भाषा में पूछे गए प्रश्न का उत्तर किसी भी भाषा से प्राप्त हो सकता है। किसी भी भाषा में लिखे गए शब्दों का किसी भी भाषा में ट्रांसलेशन हो सकता है, वह भी पलक झपकाए बिना। ऐसी हालत में भाषा को लेकर जो विवाद देखने को मिल रहे हैं। वह देश का नुकसान करने वाले हैं। भाषा का विषय बहुत संवेदनशील मसला होता है। इस संवेदनशील मुद्दे पर राजनीति करना कहीं से भी उचित नहीं माना जा सकता है। मातृभाषा से शिक्षा एवं ज्ञान बेहतर तरीके से अर्जित किया जा सकता है। अंग्रेजी एक अंतरराष्ट्रीय भाषा के रूप में स्थापित है। अंग्रेजी का ज्ञान होना भी आवश्यक है। तीसरी भाषा के रूप में इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों और संचार माध्यमों के ज्ञान की शिक्षा महत्वपूर्ण हो गई है। केंद्र सरकार को तीन शिक्षा का फामूर्ला लाना ही है। तो पहली मातृभाषा दूसरी अंग्रेजी भाषा और तीसरी भाषा के रूप में हिंदी या अन्य जो भी भाषा छात्र पढ़ना चाहता है। उसकी स्वतंत्रता होनी चाहिए हमारे विचार से तो तीसरी भाषा के रूप में सूचना प्रौद्योगिकी के इस युग में कंप्यूटर और डिजिटल शिक्षा को अनिवार्य करना था। केंद्र सरकार को बजाय विवाद को बढ़ाने के स्थान पर छात्रों की शिक्षा रोजगार मुखी हो। इस ओर ध्यान देने की जरूरत है। कम्प्यूटर एवं डिजिटल शिक्षा को अनिवार्य बनाने की जरूरत है।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के बढ़ते कदम

प्रहलाद सबनानी

दिनांक 21 से 23 मार्च तक बंगलूरू में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा की बैठक सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना वर्ष 1925 में दशहरा के पावन पर्व पर हुई थी, और इस प्रकार संघ अपनी स्थापना के 100वें वर्ष में प्रवेश कर चुका है एवं इस वर्ष दशहरा के शुभ अवसर पर ही अपनी स्थापना के 100 वर्ष पूर्ण कर लेगा। संघ की स्थापना विशेष रूप से भारतीय हिंदू समाज में राष्ट्रीयत्व का भाव जागृत करने एवं हिंदू समाज के बीच समरसता स्थापित करने के लक्ष्य को लेकर हुई थी। इन 100 वर्षों के अपने कार्यकाल में संघ ने हिंदू समाज को एकजुट करने में सफलता तो हासिल कर ही ली है साथ ही विशेष रूप से समाज की सज्जन शक्ति में राष्ट्रीयत्व का भाव पैदा करने में सफलता अर्जित की है। सज्जन शक्ति समाज की वह शक्ति है कि जिनकी बात समाज में गम्भीरता से सुनी जाती है एवं उस पर अमल करने का प्रयास भी होता है। संघ ने अपने उद्देश्यों को प्राप्त करने हेतु शाखाओं की स्थापना की थी। इन शाखाओं में देश की युवा पीढ़ी में राष्ट्रीयत्व का भाव जगाकर ऐसे स्वयंसेवक तैयार किए जाते हैं जो समाज के बीच जाकर देश के आम नागरिकों में राष्ट्र भावना का संचार करते हैं एवं समाज के बीच समरसता का भाव पैदा करने का प्रयास करते हैं।

संघ द्वारा स्थापित की गई शाखाओं की कार्यपद्धति पर आज विश्व के अन्य कई देशों में शोध कार्य किए जाने के बारे में सोचा जा रहा है कि किस प्रकार संघ द्वारा स्थापित इन शाखाओं से निकला हुआ स्वयंसेवक समाज परिवर्तन में अपनी महती भूमिका निभाने में सफल हो रहा है और पिछले लगातार 100 वर्षों से इस पावन कार्य में संलग्न है। हाल ही में, दिनांक 14 जनवरी 2025 से 26 फरवरी 2025 तक (44 दिन) प्रयागराज में लगातार चले एवं सफलतापूर्वक सम्पन्न हुए महाकुम्भ के मेले में पूरे विश्व से 66 करोड़ से अधिक हिंदू धर्मावलम्बियों ने पवित्र त्रिवेणी में आस्था की डुबकी लगाई। इतनी भारी संख्या में हिंदू समाज कभी भी किसी महान धार्मिक आयोजन में शामिल नहीं हुआ होगा और संभवतः पूरे विश्व में कभी भी इस तरह का आयोजन सम्पन्न नहीं हुआ होगा। इस महाकुम्भ में समस्त हिंदू समाज एकजुट दिखाई दिया, न किसी की जाति, न किसी का मत, न किसी के पंथ का पता चला। बस केवल सनातनी हिंदू हैं, यही भावना समस्त श्रद्धालुओं में दिखाई दी। इसी का प्रयास राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पिछले 100 वर्षों से करता आ रहा है।

संघ द्वारा आज न केवल भारतीय हिंदू समाज को एकता के सूत्र में पिरोए जाने का कार्य किया जा रहा है बल्कि पूरे विश्व में अन्य देशों में निवासरत भारतीय मूल के हिंदू समाज के नागरिकों को भी एक सूत्र में पिरोए जाने का प्रयास किया जा रहा है। यह कार्य संघ के स्वयंसेवकों द्वारा संघ की शाखा में प्राप्त प्रशिक्षण के बाद सम्पन्न किया जाता है। संघ द्वारा संचालित शाखाओं की संख्या 14 प्रतिशत की वृद्धि दर के साथ वर्ष 2024 के 73,117 से बढ़कर वर्ष 2025 में 83,129 हो गई है। इन शाखाओं के लगने वाले स्थानों की संख्या भी वर्ष 2024 में 45,600 से बढ़कर 51,710 हो गई है। विद्यार्थियों में राष्ट्रीयता की भावना जगाने के उद्देश्य से विशेष रूप से विद्यार्थियों के लिए विद्यार्थी संयुक्त शाखाएं भी देश के विभिन्न भागों में लगाई जाती हैं। विद्यार्थी संयुक्त शाखाओं की संख्या 17 प्रतिशत की वृद्धि दर के साथ वर्ष 20224 में 28,409 से बढ़कर वर्ष 2025 में 33,129 हो गई हैं। इसी प्रकार महाविद्यालयीन छात्रों के लिए भी विशेष शाखाएं लगाई जाती हैं। महाविद्यालयीन (केवल तरुणों के लिए) शाखाओं की संख्या 10 प्रतिशत की वृद्धि दर के साथ वर्ष 2024 में 5,465 से बढ़कर वर्ष 2025 में 5,991 हो गई है। तरुण व्यवसायी शाखाओं की संख्या भी 14 प्रतिशत की वृद्धि दर के साथ वर्ष 2024 में 21,718 से बढ़कर वर्ष 2025 में 24,748 हो गई है, इस शाखाओं में विशेष रूप से तरुणों को शामिल किया जाता है। प्रौढ़ व्यवसायी शाखाओं की संख्या 14 प्रतिशत की वृद्धि दर के साथ वर्ष 2024 में 8,241 से बढ़कर वर्ष 2025 में 9,397 हो गई है एवं बाल शाखाओं की संख्या भी वर्ष 2024 में 9,284 से बढ़कर वर्ष 2025 में 9,864 हो गई है। बाल शाखाओं में छोटी उम्र के बालकों को शामिल किया जाता है।

उक्त वर्णित शाखाओं के माध्यम से आज संघ का देश के कोने कोने में विस्तार सम्भव हुआ है। संघ की दृष्टि से देश भर में कुल खंडों की संख्या 6,618 है। इनमें से शाखायुक्त खंडों की संख्या वर्ष 2024 में 5,868 थी जो वर्ष 2025 में बढ़कर 6,112 हो गई है। साथ ही, कुल 58,939 मंडलों में से 30,770 मंडलों में संघ की शाखा लगाई जा रही है। देश भर में महानगरों के अतिरिक्त कुल 2,556 नगर हैं। इन नगरों में से 2,476 नगरों में संघ की शाखा पहुंच गई है।

संघ द्वारा विभिन्न श्रेणियों यथा चिकित्सक, अधिवक्ता, शिक्षक, सेवा निवृत अधिकारी एवं कर्मचारी, पत्रकार, प्रोफेसर, युवा उद्यमी जैसी श्रेणीयों के लिए साप्ताहिक मिलन कार्यक्रम भी आयोजित किए जाते हैं। आज देश भर में 32,147 साप्ताहिक मिलन लगाए जा रहे हैं। साथ ही, संघ मंडलियों का गठन भी किया गया है और आज देश भर में 12,091 संघ मंडलियां भी नियमित रूप से लगाई जा रही हैं। भारत में संघ द्वारा चलाए जा रहे विभिन्न सेवा कार्यों को सम्पन्न करने की दृष्टि से 37,309 सेवा बस्तियां हैं। इनमें से 9,754 सेवा बस्तियां संघ की शाखा से युक्त हैं।

संघ के स्वयसेवकों को प्रशिक्षित करने के उद्देश्य से देश भर में प्राथमिक शिक्षा वर्ग भी लगाए जाते हैं। वर्ष 2023-24 में कुल 1,364 प्राथमिक शिक्षा वर्ग लगाए गए एवं इन प्राथमिक शिक्षा वर्गों में 31,070 शाखाओं के 106,883 स्वयंसेवकों ने भाग लिया।

वैश्विक पटल पर भी संघ का कार्य द्रुत गति पकड़ता दिखाई दे रहा है। विश्व के अन्य देशों में हिंदू

स्वयंसेवक संघ कार्य कर रहा है। आज विश्व के 53 देशों में 1,604 शाखाएं एवं 60 साप्ताहिक मिलन कार्यरत हैं। पिछले वर्ष 19 देशों में 64 संघ शिक्षा वर्ग लगाए गए। विश्व के 62 विभिन्न स्थानों पर संस्कार केंद्र भी कार्यरत हैं। जर्मनी से इस वर्ष 13 विस्तारक भी निकले हैं। हिंदू स्वयंसेवक संघ के माध्यम से भारत से नई उड़ान भर रहे युवाओं को जोड़ा जाता है ताकि एक तो विदेशों में इनकी कठिनाईयों को दूर किया जा सके तथा दूसरे इनमें सनातन संस्कृति के भाव को जागृत किया जा सके। साथ ही, इन युवाओं के भारत में रह रहे बुजुर्ग माता पिता से भी सम्पर्क बनाया जाता है। संघ के स्वयंसेवक भारत में इनकी समस्याओं को हल करने का प्रयास भी करते हैं। भारत में धार्मिक पर्यटन पर आने वाले भारतीय मूल के नागरिकों की सहायता भी संघ के स्वयंसेवकों द्वारा किए जाने का प्रयास किया जाता है तथा भारतीय मूल के नागरिक यदि भारत में वापिस आकर बसने के बारे में विचार करते हैं तो उन्हें भी इस सम्बंध में उचित सहायता उपलब्ध कराए जाने का प्रयास किया जाता है।

बांग्लादेश के बदलते सुरों को गंभीरता से लेना होगा

ललित गर्ग

भारत प्रारंभ से बांग्लादेश का सहयोगी एवं हितैषी रहा है, इसी कारण उसने पिछले डेढ़ दशकों में जो आर्थिक तरक्की हासिल की, छह फीसदी से अधिक दर से जीडीपी को बढ़ाया और 2026 तक विकासशील देशों के समूह में शामिल होने का सपना देखा, उन सब पर मोहम्मद यूनुस की अगुवाई वाली अंतरिम सरकार के संकीर्णतावादी एवं दुराग्रही सोच के कारण काली छाया मंडराने लगी है। बांग्लादेश में भारत विरोधी वातावरण तैयार किया जा गया, वहां हिंदुओं एवं अन्य अल्पसंख्यकों पर हमले की घटनाओं पर भारत की तमाम चिंताओं के बावजूद गंभीरता नहीं दिखाई गयी और अल्पसंख्यक हिन्दुओं के दमन को रोकने के लिए वांछित कदम उठाने से इनकार किया गया है।

बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रमुख मोहम्मद यूनुस ने भारत और बांग्लादेश के संबंधों पर कहा कि हमारे रिश्ते बेहद मजबूत हैं। बस कुछ गलतफहमियां हैं, जिन्हें दूर करने की कोशिश की जा रही है। सौ चूहे खाकर बिल्ली हज को चली वाली स्थिति में यूनुस किन रिश्तों के मजबूत होने की बात कर रहे हैं, कैसी गलतफहमियां और किनके द्वारा उत्पन्न गलतफहमियों की बात वे कर रहे हैं? यूनुस के नेतृत्व में बनी अंतरिम सरकार ने भारत से दूरियां बढ़ाने की कोई कसर नहीं छोड़ी, वहां हिन्दुओं एवं हिन्दू मन्दिरों पर कहर बरपाया गया, पाकिस्तान के साथ दोस्ती बढ़ाने की कवायद करते हुए भारत को डराने की कोशिशें हुई, कट्टरपंथी एवं जिहादी ताकतों को सहयोग, समर्थन और संरक्षण दिया गया है, इन सब स्थितियों को उग्र से उग्रतर बनाकर अब यूनुस किन रिश्तों की बात कर रहे हैं, वे क्यों बैंकॉक में आयोजित होने वाले बिम्सटेक शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात करना चाहते हैं? बांग्लादेश का भारत-विरोधी रवैया दुर्भाग्यपूर्ण ही नहीं, बल्कि विडम्बनापूर्ण बना है। भारत से पंगा बांग्लादेश को कितना महंगा पड़ रहा है, इसका अनुमान बांग्लादेश की बिगड़ती अर्थ-व्यवस्था, शांति-व्यवस्था एवं अराजकता को देखते हुए सहज ही लगाया जा सकता है। इन ज्वलंत होती स्थितियों का सबसे बड़ा कारण भारत से दुश्मनी ही है। बांग्लादेश में अराजकता, हिंसा एवं जर्जर होते हालात को मोहम्मद यूनुस सरकार नियंत्रित नहीं कर पा रही हैं। मुल्क अभी भी भीड़ की हिंसा की उन घटनाओं से उबर नहीं रहा है, जो पिछले अगस्त में शेख हसीना को सत्ता से हटाने वाले आंदोलन के बाद शुरू हुई थी। यूनुस से क्षेत्र में शांति व सद्भाव की जो उम्मीदें थी, उसमें उन्होंने मुस्लिम कट्टरपंथ को आगे करके निराश ही किया है। उनकी सरकार लगातार विघटनकारी, अड़ियल व बदमिजाजी का रुख अपनाए हुए है। यदि भारतीय प्रधानमंत्री बैंकाक में यूनुस से वार्तालाप करते हैं तो उन्हें उनके इरादों को लेकर सतर्क एवं सावधान रहना चाहिए।

भारत प्रारंभ से बांग्लादेश का सहयोगी एवं हितैषी रहा है, इसी कारण उसने पिछले डेढ़ दशकों में जो आर्थिक तरक्की हासिल की, छह फीसदी से अधिक दर से जीडीपी को बढ़ाया और 2026 तक विकासशील देशों के समूह में शामिल होने का सपना देखा, उन सब पर मोहम्मद यूनुस की अगुवाई वाली अंतरिम सरकार के संकीर्णतावादी एवं दुराग्रही सोच के कारण काली छाया मंडराने लगी है। बांग्लादेश में भारत विरोधी वातावरण तैयार किया जा गया, वहां हिंदुओं एवं अन्य अल्पसंख्यकों पर हमले की घटनाओं पर भारत की तमाम चिंताओं के बावजूद गंभीरता नहीं दिखाई गयी और अल्पसंख्यक हिन्दुओं के दमन को रोकने के लिए वांछित कदम उठाने से इनकार किया गया है। इन सब स्थितियों के कारण आज वहां कानून-व्यवस्था के सामने समस्या पैदा हो गई है, बांग्ला राष्ट्रवाद की वकालत करने वालों पर खतरा मंडराने लगा है, प्रगतिशील मुस्लिमों एवं अल्पसंख्यकों पर हमले हो रहे हैं और बंगबंधु व मुक्ति संग्राम के इतिहास को मिटाने का प्रयास हो रहा है। बांग्लादेश की यह गति इसलिए हुई है, क्योंकि मोहम्मद यूनुस सरकार आम जन की अपेक्षाओं के अनुरूप चुनौतियों से लड़ पाने में नाकाम रहे हैं और भारत से टकराव मोल लेकर उन्होंने अपने पांवों पर खुद कुल्हाडी चलाई है। बांग्लादेश के हुक्मरानों और विशेषतः यूनुस सरकार ने विवाद के नये-नये मुद्दे तलाश कर दोनों देशों के आपसी संबंधों को नेस्तनाबूद किया हैं। आज वहां सांविधानिक, राजनीतिक वैधता का संकट तो गहराया ही है लेकिन लोकतांत्रिक मूल्य भी धुंधला रहे हैं।

बांग्लादेश में शेख हसीना के तख्तापलट के बाद वहां की अंतरिम सरकार का नेतृत्व कर रहे मोहम्मद यूनुस भले ही नोबेल पुरस्कार से सम्मानित हो, लेकिन उनकी सोच एवं कार्य-पद्धति में कट्टरवाद एवं भारत-विरोधी मानसिकता है। भले ही वे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से वार्ता करके भारत से दोस्ती का नाटक करें। लेकिन उनके इरादों पर भरोसा नहीं किया जा सकता, क्योंकि हाथी के दांत खाने के और दिखाने के और है। चीन के खासे प्रभाव में आकर बांग्लादेश उसका सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है। उसने वहां महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचा परियोजनाओं को वित्त पोषित किया है और वह बांग्लादेशी सेना के हथियारों का प्रमुख आपूर्तिकर्ता है। चीन ने ऐतिहासिक रूप से दक्षिण एशिया में भारतीय प्रभाव का मुकाबला करने के लिए पाकिस्तान को एक रणनीतिक साझेदार के रूप में इस्तेमाल किया है और वह इस्लामाबाद की मदद से बांग्लादेश में भी अपना प्रभाव बढ़ाने का अवसर नहीं छोड़ रहा है। पाकिस्तान को अतिश्योक्तिपूर्ण ढंग से अपने आतंरिक मामलों में जगह दे देकर बांग्लादेश ने खुद खतरा मौल लिया है। पाकिस्तान भारत के उत्तर-पूर्वी भाग में अलगाववाद को बढ़ावा देने के लिए बांग्लादेश का उपयोग करता है। वह आतंकवादियों की घुसपैठ के लिए भी बांग्लादेश का उपयोग करता है। इसी के चलते अंतरिम सरकार के प्रमुख के रूप में यूनुस ने कई कट्टरपंथी संगठनों से प्रतिबंध हटाया है और आतंकी गतिविधियों के लिए आरोपित नेताओं को जेल से रिहा भी किया है। भारत को इसकी भी अनदेखी नहीं करना चाहिए कि बांग्लादेश में पाकिस्तान के दखल का मुख्य ध्येय भारत को कमजोर एवं अशांत करना ही है। यूनुस का कार्य व्यवहार चिंतित करने वाला है। वह यथाशीघ्र चुनाव कराने में रुचि दिखाने के बजाय ऐसे एजेंडे अपने हाथ में ले रहे हैं, जिससे लंबे समय तक सत्ता में बना रहा जाए।

अब तो बांग्लादेश की सेना भी यूनुस के रवैये को लेकर सशंकित दिख रही है। पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के विरुद्ध जिन छात्रों के विद्रोह के चलते यूनुस बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रमुख बने, उन छात्रों ने पिछले दिनों नेशनल सिटिजंस पार्टी नाम से अपना अलग दल गठित कर लिया और यह आरोप भी लगाया कि सेना शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग को फिर से सत्ता में लाने की साजिश रच रही है। यह चकित करने वाला घटनाक्रम है। इसलिए और भी, क्योंकि बांग्लादेश की सेना ने इस पार्टी के आरोपों को हास्यास्पद और निराधार करार दिया। भारत को बांग्लादेश के घटनाक्रम पर इसलिए निगाह रखनी होगी, क्योंकि माना जा रहा है कि छात्रों की इस नई पार्टी के गठन के पीछे यूनुस का ही हाथ है। बांग्लादेश में आंतरिक स्थिति जटिल से जटिलतर होती जा रहा है, स्थितियां विकराल हो रही है, आम जनता पर दुःखों, परेशानियों एवं समस्याओं के पहाड़ टूटने लगे हैं। वहां जैसी आंतरिक गुटबाजी, प्रशासनिक शिथिलताएं, अराजकताएं और अव्यवस्थाएं बढ़ रही हैं, उसे देखते हुए सेना प्रमुख जनरल वकार उज-जमां ने सेना की भूमिका बढ़ाने की बात कही है। उनका संकेत साफ है, यदि अंतरिम सरकार हालात को संभाल पाने में नाकाम रहती है, तो सेना मोर्चा संभालने को तैयार है।

भारत के सहयोग से हसीना के नेतृत्व में बांग्लादेश की अर्थव्यवस्था तेजी से आगे बढ़ रही थी और वह जीडीपी वृद्धि कर रहा था। लेकिन उनके तख्तापलट के बाद से विकास में तेजी से गिरावट आई है और देश मंदी की ओर बढ़ रहा है। विश्व बैंक और आईएमएफ का कहना है कि हसीना के सत्ता से हटने के बाद से बांग्लादेश की विकास-दर आधी हो गई है और उसका कपड़ा उद्योग-जो उसके विकास का आधार था-बेरोजगारी से बुरी तरह प्रभावित हुआ है। लेकिन अंतरिम सरकार मौजूदा स्थिति के लिए हसीना सरकार को दोषी ठहराती है, यह बांग्लादेश की आंतरिक राजनीति है। लेकिन यह तय है कि बांग्लादेश और पाकिस्तान की बढती नजदीकियां, बांग्लादेश का भारत विरोध और पाकिस्तान प्रेम इस मुल्क पर भारी पड़ रहा है। भले ही 54 सालों में पहली बार बांग्लादेश और पाकिस्तान सीधा कारोबार शुरू हुआ है। देखने वाली बात यह भी है कि पाकिस्तान और भारत के बीच संबंध सामान्य नहीं हैं और व्यापार ठप्प है। ऐसे में इसका असर भारत पर नहीं पाकिस्तान पर जरूर पड़ा है और वहां की जनता त्राहि-त्राहि कर रही है। बांग्लादेश के लिए भारत जो मायने रखता है, उसकी भरपाई पाकिस्तान तो कतई नहीं कर सकता है। जिस बांग्लादेश को पाकिस्तानी क्रूरता से मुक्त कराकर एक स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में भारत ने तमाम कुर्बानियों के बाद जन्म दिया, वही बांग्लादेश क्या सोचकर भारत से दूरियां बढ़ाई? अब अपनी गलती का अहसास करते हुए वह भारत से दोस्ती चाहता है तो भारत को सतर्कता, सावधानी, दूरगामी सोच, कूटनीतिक सोच से कदम उठाने चाहिए।

पंजाब के 191 पुलिस थानों में मुंशियों के तबादले, मान सरकार का एक्शन

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पंजाब में भगवत मान सरकार इनदिनों प्रशासनिक फेरबदल में लगी हुई है। इसी बीच पंजाब सरकार ने भ्रष्टाचार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए पंजाब के 191 पुलिस थानों में मुंशियों के तबादले कर दिए हैं। जानकारी के मुताबिक तबादले हुए सभी मुंशी 2 साल से अधिक समय से एक स्थान पर तैनात थे। पंजाब के थानों के मुंशियों की तबादले की जानकारी खुद वित्त मंत्री हरपाल चीमा ने दी है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री मान ने फैसला लिया हैं कि कोई मुंशी 2 साल से अधिक समय तक एक ही थाने में तैनात नहीं रहेगा। इसके तहत कार्रवाई करते हुए थानों के मुंशियों की तबादले किए गए हैं। वित्त मंत्री चीमा ने बताया कि काफी समय से शिकायतें मिल रही थी कि पंजाब के पुलिस थानों में मुंशी को छोड़कर एसएचओ, एसएसपी व डीएसपी के तबादले किए जाते हैं। इसके बाद मुंशी कई सालों से एक ही थाने में तैनात रहते हैं, जिनके 8-10 साल का समय हो गया था। इसके बाद भ्रष्टाचार का भी आंदेश रहता है। इसकारण पंजाब सरकार ने बड़ा फेरबदल कर राज्य के 191 थानों के मुंशी बदल दिए हैं।

दिल्ली में बुखार से मचा हाहाकार, 14 दिन लगते हैं ठीक होने में

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली-एनसीआर में इन दिनों एक अजीब तरह का बुखार तेजी से फैल रहा है, जिसे डॉक्टर वायरल फीवर मान रहे हैं। लेकिन इस बार यह बुखार तीन-चार दिन में ठीक होने के बजाय 14 से 15 दिनों तक बना रहता है और मरीजों को पूरी तरह रिकवर होने में करीब 20 दिन का समय लग रहा है। इसके लक्षण भी सामान्य वायरल से ज्यादा गंभीर हैं—सिरदर्द, जोड़ों में दर्द, कमजोरी, शरीर में कंपन, कमर दर्द, जुकाम और खांसी। इस लंबे चलने वाले बुखार से लोग बेहद परेशान हैं।जानकारों के मुताबिक इस बार वायरल फीवर का एक नया रूप देखने को मिल रहा है। यह वायरल फीवर ही है लेकिन इसके लक्षण इस बार बेहद गंभीर हैं। जैसे यह बुखार लंबा चल रहा है। लोगों को कमजोर कर दे रहा है। उनकी ओपीडी में कई ऐसे मरीज आ रहे हैं जो 14 दिन तक भी इस बुखार से पूरी तरह से रिकवर नहीं हो पाए हैं।

मायावती का दलित और पिछड़ा वर्ग गठजोड़, बीजेपी, सपा और कांग्रेस को पहुंचाएगा नुकसान

लखनऊ (एजेंसी)। कभी उत्तर प्रदेश की राजनीति की मजबूत धुरी रही बहुजन समाज पार्टी इनदिनों हाशिये पर है। इस कारण बसपा सुप्रीमो और पूर्व सीएम मायावती 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले पार्टी के छिटक चुके जनाधार को फिर से हासिल करने के लिए हर मुमकिन कोशिश कर रही हैं। इसी क्रम में मायावती दलितों के साथ पिछड़ों को जोड़कर नए समीकरण तैयार करने में लगी है। दरअसल, 2027 में दलित-ब्राह्मण गठजोड़ कर बहुमत से सरकार बनाने वाली मायावती अब दलित और पिछड़ा वर्ग को पार्टी से जोड़कर नई सोशल इंजीनियरिंग की पटकथा लिखाने की तैयारी में है। अगर उनका यह फार्मूला काम करता है तब इससे बीजेपी और समाजवादी पार्टी के वोट बैंक में सेंध लग सकती हैं, इतना ही नहीं कांग्रेस की परेशानी भी बढ़ जाएगी। लोकसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी और कांग्रेस को पीडीए फॉर्मूले का फायदा हुआ था, जबकि बीजेपी को बड़ा झटका लगा था। वहीं बसपा का सूपड़ा साफ हो गया था। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि समाजवादी पार्टी और कांग्रेस पीडीए फॉर्मूले के सहारे ही 2027 की वैतरणी पार करना चाहती है। लेकिन अब मायावती दलित-ओबीसी गठजोड़ की नई पटकथा तैयार कर रही हैं जिसका सीधा असर बीजेपी, सपा और कांग्रेस पर हो सकता है। हालांकि, अभी 2027 के चुनाव में दो साल का समय है, लेकिन यूपी पंचायत चुनाव में मायावती के इस दांव की अग्नि परीक्षा होगी।

उड़ान भरने से पहले विमान से टकराया पक्षी, ब्रेक लगाते ही यात्री घबराए

-तिरुवनंतपुरम एयरपोर्ट ने रद्द की उड़ान, विमान को वापस बे में भेजा

बेंगलुरू (एजेंसी)। तिरुवनंतपुरम से बेंगलुरू जा रहा इंडिगो विमान 6ई 6629 रनवे पर एक पक्षी उसके बाएं इंजन से टकराया। विमान में सवार एक यात्री ने कहा कि पायलट और सह-पायलट ने अचानक ब्रेक लगा दिए, जिससे सभी यात्रियों का झटका लगा। सोमवार सुबह तिरुवनंतपुरम अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर विमान के उड़ान भरने से ठीक पहले पक्षी से टकराने के बाद बेंगलुरू जाने वाली इंडिगो उड़ान रद्द कर दी गई। एयरपोर्ट अधिकारियों के मुताबिक यह घटना उस समय हुई जब इंडिगो की फ्लाइट 6E 6629 179 यात्रियों को लेकर उड़ान भरने वाली थी। घटना के बाद विमान को तुरंत निरीक्षण के लिए वापस बे में ले जाया गया। यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करते हुए एयरलाइन ने उड़ान रद्द करने और प्रभावित यात्रियों के लिए वैकल्पिक व्यवस्था करने का फैसला लिया। बता दें ऐसी ही घटना पिछले साल दिसंबर में दिल्ली से शिलांग जा रही फ्लाइट से पक्षी के टकराने के बाद पटना के जय प्रकाश नारायण अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर इमरजेंसी लैंडिंग करनी पड़ी थी।

हाईकोर्ट के आदेश पर सुप्रीम कोर्ट ने दिया स्टे, 12 साल पुरानी बसों को बैन करने का मामला

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंदौर हाईकोर्ट ने पिछले दिनों मध्य प्रदेश में चलने वाली 12 साल से ज्यादा पुरनी बसों को पूरी तरह से प्रतिबंधित कर दिया था। वहीं अब इस मामले में सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट के फैसले पर स्टे लगा दिया है। इस मामले में हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ इंदौर के एक प्रतिष्ठित समाजसेवी ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। बता दें कि पिछले दिनों इंदौर हाईकोर्ट द्वारा पहले स्कूल बसों और फिर सभी तरह की बसों को लेकर ये बैन लगाया गया था। हाईकोर्ट ने आदेश दिया था कि मध्य प्रदेश में जो बसों 12 साल से ज्यादा पुरानी हो गई है उनका संचालन पूरी तरह से रोक दिया जाए। ऐसा फैसला यात्रियों की सुरक्षा के लिए दिया गया था।

ट्रंप के टैरिफ दबाव के चलते चीन के साथ व्यापारिक संबंधों को मजबूत करेगा भारत

-चीनी तकनीशियनों और श्रमिकों को काम करने वीजा में राहत देने पर भी चर्चा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और चीन के बीच व्यापारिक संबंधों को मजबूत करने पर केंद्र सरकार विचार कर रही है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत पर टैरिफ कम करने के दबाव को देखते हुए नीति-निर्माता भारत-चीन के बीच आर्थिक संबंधों को मजबूत करने के लिए इसी समय को सही मान रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक उनका मानना है कि चीन के साथ व्यापारिक संबंधों को सामान्य करने से अमेरिका को यह स?पष?ट संदेश मिल जाएगा और ट्रंप के दबाव से निपटने में यह काम आएगा।

सूत्रों के मुताबिक भारत सरकार के कई विभागों के बीच चर्चा चल रही है कि चीन के साथ व्यापार और निवेश पर लगाए गए कुछ प्रतिबंधों में ढील दी जाए। ये प्रतिबंध 2020 में गलवान घाटी में भारतीय और चीनी सैनिकों के बीच झड़प के बाद लागू किए गए थे। औद्योगिक क्षेत्र से मिल रही मांगों के कुछ प्रस्तावों पर विचार किया जा रहा है। इनमें चीनी नागरिकों के लिए वीजा नियमों में ढील, चीनी उत्पादों पर टैरिफ और गैर-टैरिफ बाधाओं को कम करना और कुछ प्रतिबंधित चीनी ऐप्स को दोबारा अनुमति देना शामिल है।

इसके अलावा चीनी स्कॉलर्स के लिए वीजा जारी करने और दोनों देशों के बीच हवाई सेवाओं को फिर शुरू करने की योजना बनाई जा रही है। निवेश के मामले में भी भारत सरकार अब बीजिंग से पूंजी प्रवाह की अनुमति देने पर विचार कर रही है, जिससे दोनों देशों के बीच बढ़ते व्यापार घाटे को संतुलित किया जा सके। वर्तमान में भारत की नीति के मुताबिक उन देशों से निवेश को सरकार की मंजूरी लेनी होती है जो भारत के साथ अपनी सीमा साझा करते हैं।

रिपोर्ट में सूत्रों के मुताबिक वित्त मंत्रालय ने इस वित्तीय वर्ष की शुरुआत में व्यापार प्रतिबंधों में कुछ ढील देने के पक्ष में एक प्रस्तुति भी दी थी। वाणिज्य मंत्रालय के अधिकारियों का कहना है कि चीन से आने वाले उत्पादों पर अनिवार्य बीआईएस प्रमाणन और गुणवत्ता नियंत्रण आदेशों को लेकर भी विचार किया जा रहा है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि व्यापार संबंधों को बहाल करना जरुरी हो गया है, खासकर ट्रंप के राष्ट्रपति कार्यकाल के बाद के दौर में। व्यापार और गैर-व्यापार बाधाओं को हटाने की मांग पहले से ही छोटे और मध्यम उद्योगों द्वारा की जा रही थी। इसके अलावा बुनियादी ढांचा परियोजनाओं में शामिल चीनी तकनीशियनों और श्रमिकों को भारत में काम करने के लिए वीजा नियमों में कुछ राहत देने पर भी चर्चा हो रही है।

सूत्रों का कहना है कि चीन भी भारत के साथ व्यापार बहाल करने के लिए इच्छुक है। भारत सरकार के एक वरिष्ठ अधिकारी के मुताबिक धीरे-धीरे चीन के साथ व्यापारिक प्रतिबंधों में छूट दी जा सकती है, जिससे चीनी कंपनियों को भारत में निवेश की अनुमति दी जा सके। हालांकि, सरकार यह तय करेगी कि चीनी कंपनियों की भागीदारी भारतीय कंपनियों के साथ साझेदारी में हो और उनमें चीन की हिस्सेदारी अल्पसंख्यक हो।

कुणाल कामरा पर सीएम योगी का तंज, कुछ लोग ने देश का चीर हरण करने की कसम खाई

लखनऊ। स्टैंड अप कॉमेडियन कुणाल कामरा द्वारा महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे पर की गई विवादित टिप्पणी को लेकर विवाद जारी है। इस बीच उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस मामले में प्रतिक्रिया दी है। एक इंटरव्यू में मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि कुछ लोग ने देश का चीर हरण करना, विभाजन की खाई को और चौड़ी करने के लिए अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को अपना जन्मसिद्ध अधिकार मान लिया है। बता दें कि कुणाल कामरा ने उप मुख्यमंत्री शिंदे पर नाम लिए बगैर विवादित टिप्पणी की थी। इसका वीडियो सामने आने के बाद कामरा की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। मुंबई की खार पुलिस ने मामले में कुणाल कामरा को समन भेजा है। कामरा के खिलाफ मुंबई में शिवसेना नेताओं ने केस भी दर्ज कराया है। शिवसेना (शिंदे) ने कामरा से माफी मांगने की मांग की थी। साथ ही यह चेतावनी भी दी थी कि कामरा यदि माफी नहीं मांगते हैं, तब शिवसेना कामरा को अपने ढंग से जवाब देगी। इस बीच सीएम योगी से जब बताया गया कि महाराष्ट्र में कॉमेडियन ने संविधान को दिखाकर कहा है कि इससे (संविधान से) मुझे अभिव्यक्ति की आजादी मिलती है। इस पर सीएम योगी ने कहा कि आपकी अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता दूसरे पर व्यक्तिगत प्रहार करने के लिए नहीं हो सकती है। दुर्भाग्य है कि कुछ लोगों ने देश का चीर हरण करना, विभाजन की खाई को और चौड़ी करने के लिए इस अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को अपना जन्मसिद्ध अधिकार मान लिया है।

कृष्णानगर के बीडीओ को हटाओ, हिंदू और हिंदी भाषी मतदाताओं के नाम काटे जा रहे

-वरिष्ठ नेता शुभेंदु अधिकारी ने की निर्वाचन आयोग से शिकायत

कोलकाता (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता शुभेंदु अधिकारी ने पश्चिम बंगाल में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि टीएमसी मतदाता सूची से फर्जी मतदाताओं के नाम हटाने की आड़ में हिंदू और हिंदी भाषी मतदाताओं के नाम कटवा रही है। बीजेपी नेता श्री अधिकारी ने दावा किया कि 27 फरवरी के बाद से कई मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटाए गए हैं। बंगाल विधानसभा में विपक्षी नेता अधिकारी ने कहा, हिंदू मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटाए जा रहे हैं। मैं निर्वाचन आयोग से कृष्णानगर के बीडीओ को हटने का आग्रह करता हूं। भाजपा नेता ने दावा किया, हिंदू मतदाताओं को ऑफिस बुलाकर यह साबित करने के लिए कहा जा रहा है कि वे बांग्लादेशी नहीं हैं। फॉर्म 7 जमा करने वालों को सबूत देने के लिए मजबूर कर रहे है। उन्होंने कहा कि भाजपा बागदा और कृष्णनगर में शांतिपूर्ण विरोध-प्रदर्शन करेगी, जहां पार्टी को सबसे अधिक शिकायतें मिली हैं। हालांकि, तृणमूल कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयप्रकाश मजूमदार ने बीजेपी नेता अधिकारी के आरोपों को बेबुनियाद बताकर खारिज किया। आरोपों पर मजूमदार ने कहा, तथ्य यह है कि भाजपा हरियाणा और अन्य राज्यों के मतदाताओं को पश्चिम बंगाल की मतदाता सूची में शामिल कर रही है। अब जब मतदाता सूची घोटाला उजागर हुआ है, तब वे ध्यान भटकाने के लिए हम पर आरोप लगा रहे हैं। पश्चिम बंगाल में 2026 में होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले हिंदुओं के बीच एकता का आह्वान किया गया। शुभेंदु अधिकारी ने पूर्वी मेदिनीपुर जिले के हल्दिया में 'सनातनी एकजुटता' रैली में हिस्सा लिया था। सैकड़ों भाजपा कार्यकर्ताओं ने रैली में हिस्सा लिया, जो औद्योगिक शहर के 2 किलोमीटर से अधिक क्षेत्र से होकर गुजरी और शहर के मध्य में समाप्त हुई।

बीजेपी का सोनिया और राहुल पर हमला, नकली गांधी परिवार देश के साथ गद्दारी करता

गांधी परिवार ने कमीशन के कारण राफेल सौदा नहीं होने दिया

नई दिल्ली (एजेंसी)। बोफोर्स मुद्दे पर प्रेसवार्ता के दौरान भाजपा प्रवक्ता गौरव भाटिया ने मांग की कि सोनिया और राहुल गांधी को क्वात्रोची परिवार के साथ अपने संबंधों का पूरा खुलासा करने तक अपने पद से इस्तीफा देना चाहिए। उन्होंने कहा कि सोनिया और राहुल गांधी को देश के नागरिकों के लिए वे कम से कम इतना कर ही सकते हैं।

भाजपा नेता ने दावा किया कि 1984-1988 के बीच इटली में भारत के राजदूत ने बयान दिया है कि (पूर्व प्रधानमंत्री) राजीव गांधी मुख्य सूत्रधार थे, और उनके (व्यापारी) ओटाविया क्वात्रोची के साथ बहुत गहरे संबंध थे। तत्कालीन कैग ने कहा कि प्रतिस्पर्धी तोपों के मूल्यांकन में गंभीर खामियां थीं। उन्होंने कहा कि आज की ये प्रेसवार्ता कांग्रेस में भ्रष्टाचार, दलाली और गांधी परिवार केवल कमीशनखोरी करता है, ये बात जगजाहिर है। लेकिन अब ये कहना गलत नहीं होगा कि नकली गांधी परिवार देश के साथ गद्दारी भी करता है, ये नागरिकों के साथ गद्दारी करता है।

बीजेपी नेता भाटिया ने कहा कि एक लेखक हैं चित्रा सुब्रमण्यम, उनकी एक किताब आई है और किताब में जो तथ्य सामने आए हैं वे बेहद ही चिंताजनक हैं। ये तथ्य बताते हैं कि चाहे स्व. राजीव गांधी हों या सोनिया, ये दलाली भी करते हैं और देश के साथ गद्दारी भी करते हैं। उन्होंने कहा कि बोफोर्स दलाली, राजीव और सोनिया गांधी के दामन पर एक ऐसा दाग है, जो कभी नहीं मिटेगा। लेकिन जो तथ्य अब सामने आए हैं, उससे राष्ट्र सुरक्षा को लेकर कुछ अहम सवाल हम उठाना चाहते हैं।

उन्होंने कहा कि बोफोर्स घोटाले में इतालवी कारोबारी क्वात्रोची की मुख्य भूमिका थी। उन्होंने तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव और सोनिया गांधी के साथ घनिष्ठ संबंध बनाए रखे और खुलेआम दावा किया कि वे कंपनियों के लिए सरकारी अनुबंध हासिल कर सकते हैं। इतना ही नहीं क्वात्रोची के पास भारतीय पीएम से पहले ही प्रमुख रक्षा सौदों से जुड़ी गोपनीय सरकारी फाइलों तक पहुंच थी। राजीव गांधी के कार्यकाल के दौरान, क्वात्रोची ने विशिष्ट कंपनियों के पक्ष में बदलाव किए और अनुबंध हासिल किए, इसमें राजीव गांधी ने इन बदलावों में मदद की।

भाटिया ने कहा कि भारत की सेना और वायुसेना राफेल मांगती रही, लेकिन 10 साल तक डील नहीं हुई। लेकिन अब ऐसा लगाता हैं कि तब गांधी परिवार अपने कमीशन का इंतजार करता रहा। कोई भी रक्षा सौदा हो, गांधी परिवार का केवल एक ही मकसद है कि उनकी तिजोरी में कितनी काली कमाई आएगी।

तेलंगाना टनल में फंसे 7 लोगों में से एक मजदूर का शव मिला

- हादसे के 32 दिन बाद भी 6 लोगों का नहीं लग पा रहा पता

नागरकुर्नूल (एजेंसी)। तेलंगाना के नागरकुर्नूल में स्थित श्रीशैलम लेफ्ट बैंक कैनाल (एसएलबीसी) टनल का एक हिस्सा गिर गया था। इसमें 8 मजदूर फंस गए थे। हादसे के 32 दिन बाद मंगलवार को रेस्क्यू टीम को एक और शव मिला है। इसे बाहर निकालने के प्रयास जारी हैं। इससे पहले 9 मार्च को गुरप्रीत सिंह का शव मिला था। बचाव दल के अधिकारियों का कहना है कि शव की पहचान नहीं हो पाई है। वह किस वर्कर का है।

एडवांस मशीनों की मदद से शव को जल्द ही निकाल लिया जाएगा। अभी भी टनल में फंसे 6 वर्कर्स का पता नहीं चल रहा है, बचाव दल उन्हें तलाश रहे हैं। उनके जिंदा होने की संभावनाएं न के बराबर हैं। इससे पहले 15 मार्च को मजदूरों की तलाश के लिए ऑटोमैटिक हाइड्रोलिक-एबल रोबोट को तैनात किया था। यह रोबोट एक विशेष तकनीकी से लैस है, जो सर्च ऑपरेशन की रफ्तार बढ़ाने में मदद करता है। अधिकारियों के मुताबिक इस रोबोट के साथ 30 एचपी क्षमता वाला लिक्विड रिंग वैक्यूम पंप और वैक्यूम टैंक मशीन तैनात की गई है, जिससे मिट्टी हटाने का काम किया जाएगा। मैन्युअल खुदाई की बजाय, यह रोबोट ऑटोमैटिक तरीके से मलबा हटाने में सक्षम है। एक घंटे में करीब 620 क्यूबिक मीटर मिट्टी सुरंग से बाहर निकाली जा सकती है। राज्य के विशेष मुख्य सचिव (आपदा प्रबंधन) इस सर्च ऑपरेशन की निगरानी कर रहे हैं। ऑपरेशन में भारतीय सेना, एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, मानव अवशेष खोजी कुत्ते, सिंगरेनी कोलियरीज, हैदराबाद स्थित रोबोटिक्स कंपनी और अन्य यां शामिल हैं।

रिपोर्ट्स के मुताबिक हादसे के बाद टनल में काम कर रहे मजदूर डर के कारण काम छोड़कर चले गए हैं। सीनियर सरकारी अधिकारी ने बताया कि श्रीशैलम लेफ्ट बैंक कैनाल प्रोजेक्ट में 800 लोग काम कर रहे हैं। इनमें से 300 लोकल और बाकी झारखंड, ओडिशा और यूपी के हैं। अधिकारी ने यह भी कहा कि शुरुआत में मजदूरों में डर जरूर है। हालांकि कंपनी ने उनके लिए आवासीय कैंप बनाए हैं। कुछ लोग वापस जाना चाहते हैं, लेकिन हमारे पास इस बात की कोई रिपोर्ट नहीं है कि सभी मजदूर एक साथ छोड़कर जा रहे हैं।

मार्च में ही अप्रैल जैसी गर्मी का एहसास, लोगों को आने लगी कूलर और एसी की याद

नई दिल्ली (एजेंसी)। मार्च का महीना अभी खत्म नहीं हुआ है, लेकिन गर्मी ने अपना प्रकोप दिखाना शुरू कर दिया है। तेज धूप और बढ़ते तापमान ने लोगों को कूलर और एसी की याद दिला दी है। दिन में चिलचिलाती धूप ने लोगों की परेशानी बढ़ा दी है। मार्च में ही अप्रैल जैसी गर्मी का एहसास होने लगा है। लोगों ने अभी से ही घरों में एसी और पंखे चलाने शुरू कर दिए हैं। इस बदलते मौसम का असर लोगों की सेहत पर भी पड़ रहा है। अधिक गर्मी के कारण सर्दी, खांसी और बुखार जैसी समस्याएं तेजी से फैल रही हैं।

मौसम विभाग के अनुसार, आने वाले दिनों में तापमान में और बढ़ोतरी होगी। 26 मार्च को न्यूनतम तापमान 18 डिग्री और अधिकतम तापमान 38 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है। 27 मार्च को तेज सतही हवाओं के साथ अधिकतम तापमान 37 डिग्री तक पहुंच सकता है। 28, 29 और 30 मार्च को भी दिन में गर्मी तेज रहने की संभावना है। 30 और 31 मार्च को आंशिक रूप से बादल छाए रहने के आसार हैं, लेकिन गर्मी से राहत मिलने की उम्मीद कम है। गर्मी के बढ़ते प्रकोप को देखकर प्रशासन ने सतर्कता बरतनी शुरू कर दी है। अत्यधिक भीड़-भाड़ वाले क्षेत्रों में तापमान डिस्प्ले बोर्ड लगाए जाएंगे, ताकि लोग तापमान की जानकारी प्राप्त कर सकें और गर्मी से बचने के लिए आवश्यक सावधानियां बरत सकें। विशेषज्ञों के अनुसार, अत्यधिक गर्मी से बचने के लिए लोगों को कुछ महत्वपूर्ण सावधानियां बरतनी चाहिए। जिनमें धूप में निकलने से पहले छाता, टोपी या गमछे का इस्तेमाल करें। हल्के रंग के सूती कपड़े पहनें, ताकि गर्मी कम महसूस हो। भरपूर मात्रा में पानी और तरल पदार्थों का सेवन करें। कैफीन और शराब के सेवन से बचें, क्योंकि यह शरीर में पानी की कमी कर सकते हैं। बाहर जाने से पहले अपने शरीर को हाइड्रेट रखें और धूप से बचने के उपाय करें।

बिहार के सीएम नीतीश कुमार की अजीब हरकतों ने किए सवाल खड़े, बीजेपी चुप

- विपक्ष कर चुका है इस्तीफे की मांग, बेटे को सीएम बनाने का भी दिया सुझाव

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिहार के सीएम नीतीश कुमार की अजीब हरकतों ने सवाल खड़े कर दिए हैं। 20 मार्च को पटना के एक कार्यक्रम में राष्ट्रगान बजने के दौरान ही वह हंसी-ठिठोली करते नजर आए थे। वहीं प्रधान सचिव दीपक कुमार ने सीएम को हाथ देकर सावधान मुद्रा में रहने का इशारा किया तो नीतीश पत्रकारों को प्रणाम करने लगे। पूर्व सीएम रबड़ी देवी ने कहा था कि अगर नीतीश कुमार का दिमाग खराब है, तो उन्हें गद्दी छोड़कर अपने बेटे को सीएम बना देना चाहिए।

बता दें नीतीश कुमार ने पाटलिपुत्र खेल परिसर में राष्ट्रगान को शुरू होने से पहले रुकवा दिया। नीतीश ने मंच से इशारों में कहा कि पहले स्टेडियम का चक्कर लगाकर आते हैं, फिर शुरू कीजिएगा। सीएम का संकेत मिलते ही मंत्री विजय चौधरी ने राष्ट्रगान बंद करवा दिया। फिर से राष्ट्रगान शुरू हुआ, लेकिन नीतीश अजीब हरकतें करते नजर आए। वहीं 15 मार्च 2025 को पटना में होली मिलन समारोह में नीतीश कुमार बीजेपी सांसद रविशंकर प्रसाद के पैर छूने के लिए झुके। हालांकि रविशंकर ने उन्हें रोक दिया। पास खड़े जेडीयू के कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा ने भी सीएम नीतीश का हाथ पकड़ लिया। इसके बाद नीतीश ने रविशंकर को गले लगा लिया। नीतीश, रविशंकर से 4 साल बड़े हैं।

नीतीश कुमार ने 2 बार पीएम मोदी के पैर छूने की कोशिश भी कर चुके हैं। पहली बार 7 जून 2024 को, जब दिल्ली में लोकसभा चुनाव के नतीजों के बाद एनडीए की बैठक हुई थी। दूसरी बार 13 नवंबर 2024 को जब पीएम मोदी दरभंगा एम्स के शिलान्यास कार्यक्रम में आए थे। इस दौरान अपना भाषण खत्म कर सीएम नीतीश अपनी कुर्सी की ओर जा रहे थे। बीच में रुके और पीएम मोदी के पैर छू लिए।

30 जनवरी 2025 को पटना में भी राष्ट्रपति महात्मा गांधी की श्रद्धांजलि सभा का आयोजन हुआ। यहां सीएम नीतीश महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि देने के बाद ताली बजाने लगे थे। विधानसभा स्पीकर नंदकिशोर यादव ने उन्हें रोका था। 30 नवंबर 2024 को विधानसभा के शीतकालीन सत्र के आखिरी दिन नीतीश कुमार सदन में भवन निर्माण मंत्री अशोक चौधरी के ब्रेसलेट से खेलने लगे। सीएम का ये अंदाज देखकर मंत्री अशोक चौधरी भी अपनी हंसी नहीं रोक पाए थे।

15 अक्टूबर 2024 को गांधी मैदान में दशहरा पर रावण वध समारोह का आयोजन हुआ। इसमें नीतीश ने रावण पर चलाने के लिए दिए गए तीर-धनुष को फेंक दिया। 21 सितंबर 2024 को नीतीश कुमार मंत्री अशोक चौधरी के कंधे पर सिर रखकर उनसे लिपट गए थे। सीएम नीतीश ने कहा था- हम इनसे बहुत प्रेम करते हैं। नीतीश कुमार के इस तरह के व्यवहार को विपक्ष ने मानसिक बीमारी बताया और इस्तीफे की मांग की।

लालू यादव ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा था कि राष्ट्रगान का अपमान नहीं सहेगा हिंदुस्तान। बिहारवासियों, अब भी कुछ बचा है? वहीं राबड़ी देवी ने विधानसभा में कहा था कि अगर सीएम नीतीश कुमार का दिमाग खराब है, तो उनको गद्दी छोड़नी चाहिए और अपने बेटे को सीएम बना देना चाहिए। बेटा नहीं बनता तो किसी दूसरे अपने को कुर्सी सौंप दें।

वहीं नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने कहा था कि बिहार के लिए कल काला दिवस था। पीएम मोदी के लाडले सीएम ने राष्ट्रगान का अपमान किया है। लाडले सीएम पर पीएम मोदी क्या कहेंगे? भारत माता की जय करने वाले बीजेपी के दोनों डिप्टी सीएम गायब हैं। सीएम नीतीश कुमार को रिटायरमेंट ले लेना चाहिए। राष्ट्रगान को अपमान करने वाले को तीन साल की सजा होती है। जनसुराज के प्रशांत किशोर ने कहा कि नीतीश कुमार का मानसिक स्वास्थ्य ठीक नहीं है। यह बात पीएम मोदी और गृहमंत्री अमित शाह भी जानते हैं, लेकिन वोट के लालच में कुछ नहीं कर रहे हैं। नवंबर 2023 में बीजेपी नेता सुशील कुमार मोदी ने विधानसभा में कहा था कि नीतीश किसी गंभीर मानसिक बीमारी के शिकार हैं। ऐसे शख्स के भरोसे पूरा बिहार छोड़ा हुआ है।

बढ़ रही है इमेज कंसल्टैंट सेवाओं की मांग

भारत में लगातार बढ़ती जा रही प्रतिस्पर्धा की वजह से अपनी इमेज मैनेज करना भी एक अहम जरूरत बन चुकी है। अधिक से अधिक लोग अब इस जरूरत को महसूस कर रहे हैं जिस वजह से देश में इमेज कंसल्टैंट की सेवाओं की मांग में काफी इजाफा देखने को मिल रहा है।

इमेज कंसल्टिंग के तहत लोगों को अपने भीतर छुपी क्षमताओं को निखारने और साथ ही साथ उन क्षमताओं को सभी के समक्ष प्रदर्शित करने के लिए अपनी अपीयरैंस (दिखावट) के प्रबंधन हेतु मार्गदर्शन किया जाता है। इमेज कंसल्टिंग के तहत लोगों को परिधान पहनने व तैयार होने के ढंग, बॉडी लैंग्वेज, शिष्टाचार एवं सॉफ्ट स्किल्स के बारे में शिक्षित किया जाता है। इमेज कंसल्टैंट व्यक्तिगत रूप से तथा समूह में कोचिंग प्रदान करते हैं। वे किसी एक व्यक्ति अथवा कम्पनियों को अपनी सेवाएं देते हैं। वे लोगों के लिए मुक्त कार्यशाला भी आयोजित करते हैं। इस क्षेत्र से जुड़े कार्यों में पर्सनल शॉपिंग, यूनिफॉर्म डिजाइन, इमेज मैनेजमैंट, पॉलिसी डिजाइन, स्टाइलिंग आदि भी शामिल हैं। भारत में लगातार बढ़ती जा रही प्रतिस्पर्धा की वजह से अपनी इमेज मैनेज करना भी एक अहम जरूरत बन चुकी है। अधिक से अधिक लोग अब इस जरूरत को महसूस कर रहे हैं जिस वजह से देश में इमेज कंसल्टैंट की सेवाओं की मांग में काफी इजाफा देखने को मिल रहा है।

यह ऐसा करियर है, जिसमें व्यक्ति अन्य लोगों के विकास का मुख्य सहयोगी बनता है तथा अन्य लोगों को और अधिक सफल बनाने से उसे सफलता मिलती है। यह क्षेत्र उन महिलाओं को करियर बनाने का दूसरा मौका देता है जिन्होंने कुछ समय के लिए अपने पहले करियर को छोड़ रखा हो। इमेज कंसल्टिंग बिजनैस इंस्टीच्यूट भारत में इमेज कंसल्टैंसी की शिक्षा तथा प्रशिक्षण देने वाला अग्रणी संस्थान होने के साथ-साथ वैश्विक स्तर पर भी एक प्रतिष्ठित संस्थान है। यह संस्थान इमेज कंसल्टिंग एवं बिजनैस प्रोग्राम संबंधी अनोखे पेशेवर कोर्स करवाता है। इस संस्थान की डायरैक्टर सुमन अग्रवाल भारतीय उपमहाद्वीप की वरिष्ठतम इमेज कंसल्टैंट मानी जाती हैं। उनकी कहानी भी एक उत्तम प्रेरणा स्रोत है। उन्हें कॉलेज की पढ़ाई बीच में ही छोड़ देनी पड़ी थी परंतु आज वह एक सफल उद्यमी तथा इस संस्थान की डायरैक्टर हैं। यूनाइटेड किंगडम स्थित फैडरेशन ऑफ इमेज प्रोफैशनल इंटरनैशनल द्वारा उन्हें इमेज मास्टर अवार्ड से नवाजा गया जिससे वह भारतीय उपमहाद्वीप में सर्वाधिक वरिष्ठ इमेज कंसल्टैंट बन गईं। इमेज कंसल्टिंग में पहनावे के महत्व पर वह कहती हैं, ''80 प्रतिशत से अधिक संवाद दृश्य होता है और पहनावा इसका सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा है। जब भी आप किसी से मिलते हैं तो व्यक्ति का सबसे अधिक ध्यान सामने वाले के पहनावे पर ही जाता है। हालांकि यह बताना जरूरी है कि पहनावे के संबंध में कौशल एक इमेज कंसल्टैंट के पास होता है, वह सर्वश्रेष्ठ फैशन डिजाइनर समेत किसी अन्य पेशेवर के पास नहीं हो सकता है। महत्व बढिय़ा परिधानों का नहीं होता, बल्कि उस संदेश का होता है जो आप अपने पहनावे से सामने वाले को देना चाहते हैं। सही पहनावे को सुनिश्चित बनाने के लिए व्यक्ति को अपने काम, लक्ष्यों एवं मौके का ध्यान रखने के अलावा आकर्षक दिखने के लिए अपने शारीरिक ढांचे, रंग-रूप, चेहरे के आकार आदि पर भी गौर करना पड़ता है।'' उनके अनुसार इस क्षेत्र में रुचि रखने वाले युवाओं के लिए यह एक उत्तम एवं बेहद लाभदायक करियर साबित हो सकता है।

कॉस्मेटिक समस्याओं का निदान करते हैं डर्मेटोलॉजिस्ट

मेडिसिन में स्पेशलाइजेशन के लिए उपलब्ध विकल्पों में 'डर्मेटोलॉजी' काफी लोकप्रिय हो गया है। मौजूदा वक्त में 'फर्स्ट इम्प्रेशन इज द लास्ट इम्प्रेशन' कहावत को इतनी गंभीरता से लिया जा रहा है कि व्यक्ति के रूप को व्यक्तित्व का महत्वपूर्ण अंग माना जाने लगा है। इस कारण लोगों में अपने रूप और व्यक्तित्व को लेकर चिंता का स्तर भी तेजी से बढ़ रहा है। यहां तक कि कॉलेज जाने वाले छात्र भी खुद को आकर्षक दिखाने की गरज से काफी रुपये खर्च कर रहे हैं। अपने रूप को लेकर लोगों में गंभीरता का स्तर इस कदर बढ़ गया है कि वह चेहरे पर छोटा-सा मुंहासा हो जाने भर से परेशान हो उठते हैं। कई बार वह ऐसी परेशानियों को इस कदर अपने ऊपर हावी कर लेते हैं कि घर से बाहर निकलना भी छोड़ देते हैं। ऐसे माहौल में रूप निखारने का दावा करने वाली फेयरनेस क्रीमों की मांग भी तेजी से बढ़ रही है। खुजली और घमौरियों (रैशेज) जैसे त्वचा संबंधी रोग आम हो चुके हैं। गर्मी और बरसात के मौसम में इनकी अधिकता काफी बढ़ जाती है। इनके सही उपचार के लिए डॉक्टर का परामर्श जरूरी होता है। कई बार उपचार के लिए डॉक्टर के पास कुछ दिनों या हफ्तों के अंतराल पर बार-बार जाने की जरूरत होती है। ऐसे में लोग अपनी त्वचा के लिए ज्यादा खर्च करने में जरा भी नहीं हिचकते। त्वचा और रूप के प्रति लोगों के बढ़ती सजगता के कारण डर्मेटोलॉजिस्ट की मांग में इजाफा हो रहा है। डर्मेटोलॉजी मेडिसिन की एक शाखा है, जिसमें त्वचा और उससे संबंधित रोगों के निदान का अध्ययन किया जाता है। यह एक स्पेशलाइज्ड विषय है, जिसकी पढ़ाई एमबीबीएस के बाद होती है। डर्मेटोलॉजिस्ट रोगों के उपचार के अलावा त्वचा, बाल और नाखूनों से संबंधित कॉस्मेटिक समस्याओं का भी निदान करते हैं।

डर्मेटोलॉजिस्ट का काम

इनका मुख्य कार्य लोगों की उन बीमारियों का उपचार करना होता है, जो त्वचा, बाल, नाखूनों और मुंह पर दुष्प्रभाव डालती हैं। एलर्जी से प्रभावित त्वचा, त्वचा संबंधी दागों, सूर्य की रोशनी में झुलसे या अन्य तरह के विकारों से ग्रसित त्वचा को पूर्व अवस्था में लाने में ये रोगियों की मदद करते हैं। इसके लिए वह दवाओं या सर्जरी का इस्तेमाल करते हैं। त्वचा कैंसर और उसी तरह की बीमारियों से जूझ रहे रोगियों के उपचार में भी वह सहयोग करते हैं। क्लिनिक या अस्पताल में वह सबसे पहले मरीजों के रोग प्रभावित अंग का निरीक्षण करते हैं। जरूरी होने पर वह रोग की गंभीरता जांचने के लिए संबंधित अंग से रक्त, त्वचा या टिश्यू का नमूना भी लेते हैं। इन नमूनों के रासायनिक और जैविक परीक्षणों से वह पता लगाते हैं कि रोग की वजह क्या है। रोग का पता लगने के बाद उपचार शुरू कर देते हैं। इस कार्य में वह दवाओं, सर्जरी, सुपरफिशियल रेडियोथेरेपी या अन्य उपलब्ध उपचार विधियों का उपयोग करते हैं।

करते हैं कॉस्मेटिक सर्जरी

चेहरे और अन्य अंगों को आकर्षक बनाने के लिए डर्मेटोलॉजिस्ट कॉस्टमेटिक सर्जरी भी करते हैं। त्वचा की झुर्रियों और दाग-धब्बों को खत्म करने के लिए वह डर्माब्रेशन जैसी तकनीक और बोटोक्स इंजेक्शन का इस्तेमाल करते हैं। इन तकनीकों के अलावा वह लेजर थेरेपी का भी उपचार में उपयोग करते हैं। इस तकनीक की मदद से वह झुर्रियों और त्वचा पर होने वाले सफेद दाग का ईलाज करते हैं।

योग्यता - फिजिक्स, केमिस्ट्री और बायोलॉजी के साथ बारहवीं पास करके एमबीबीएस डिग्री प्राप्त करना डर्मेटोलॉजिस्ट बनने की पहली शर्त है। इसके बाद डर्मेटोलॉजी, वेनेरियोलॉजी और लेप्रोलॉजी में तीन वर्षीय एमडी या दो वर्षीय डिप्लोमा की पढ़ाई की जा सकती है।

लोगों में प्रतिभा तो होती है परंतु उसे समझने और निखारने की आवश्यकता होती है. उन्हें प्रशिक्षण मुहैया कराने के लिए कई संस्थानों में संबंधित कोर्स संचालित किए जा रहे हैं.

करियर को दिशा देती है सॉफ्ट स्किल ट्रेनिंग

सॉफ्ट स्किल की क्षमता आपके करियर को नई दिशा देती है. अक्सर देखा जाता है कि कुछ लोग तकनीकी रूप से बड़े प्रतिभावान होते हैं. साथ ही, वे अपने क्षेत्र में निपुण भी होते हैं किंतु एक निश्चित बिंदु पर उनके करियर में ठहराव-सा आ जाता है. ऐसा इसलिए होता है क्योंकि उनमें नेतृत्व क्षमता, समूह में काम करना, सामाजिक सम्प्रेषण और संबंध निर्माण आदि कौशल का अभाव होता है. सॉफ्ट स्किल व्यापक क्षेत्र है, जिसमें सम्प्रेषण कौशल, श्रवण कौशल, टीम कौशल, नेतृत्व के गुण, सृजनात्मकता और तर्कसंगत, समस्या निवारण, कौशल और परिवर्तनशीलता आदि सम्मिलित हैं. सॉफ्ट स्किल के गुण किताबों से नहीं सीखे जाते, बल्कि इसके लिए प्रशिक्षण कारगर होते हैं. यदि आप सही अर्थों में अपने व्यक्तित्व में सॉफ्ट स्किल्स जोड़ना चाहते हैं तो आपको एक अच्छा, मेहनती और सीखने वाला बनकर उन सब बातों को, जो कुछ भी आपने व्यावहारिक रूप से ग्रहण किया है, व्यवहार में लाना होगा. कुछ ऐसे सॉफ्ट स्किल्स भी हैं जो आपकी रोजगार की संभावनाओं और व्यक्तित्व में सुधार कर स्थायी और अच्छी सैलरी पर नौकरी प्राप्त करने में सहयोग करता है.

प्रभावी सम्प्रेषण

कौशल प्रभावी सम्प्रेषण कौशल में सार्वजनिक भाषणों, प्रस्तुतीकरण, बातचीत, संघर्ष समाधान ज्ञानिवतरण आदि के लिए मौखिक कौशल, अनुदेश मैनुअल तैयार करना, ज्ञापन, सूचनाएं लिखना, कार्यालयीन पत्र व्यवहार आदि के लिए लेखन कौशल शामिल है. इनमें मौखिक और गैर-मौखिक, दोनों ही शामिल है. चूंकि हमारा सम्प्रेषण का आधिकारिक माध्यम अंग्रेजी है, इसलिए इसमें कुछ हद तक अंग्रेजी में दक्षता होनी जरूरी है.

सामूहिक कार्य

कौशल अंतर्वैयक्तिक और सामूहिक कार्य कौशल उच्चतर उत्पादकता तथा बेहतर वातावरण के लिए योगदान करते हैं क्योंकि इनसे व्यक्ति संयुक्त लक्ष्य हासिल करने हेतु मिलकर कार्य करते हैं. यह सम्प्रेषण टीम सदस्यों के बीच एक गतिशील पारस्परिक क्रिया की स्थापना, फीडबैक का आमंत्रण, उसे प्रदान करना तथा संघर्ष की स्थिति को हल करना अपेक्षित होता है.

ज्ञानात्मक कौशल

अपने रोजमर्रा के जीवन में अक्सर आपको ऐसी स्थितियों का सामना करना पड़ता है जब आप सही फैसले करने में असमर्थ होते हैं. आपके सामने ऐसी स्थितियां उत्पन्न होने की ज्यादा संभावनाएं उस वक्त होती हैं जब आप किसी संगठन में कार्य करते हैं. ऐसी दबावपूर्ण स्थितियों का मुकाबला करने के लिए आपको कुछेक ऐसे कौशल विकसित करने की आवश्यकता है जो आपको निर्णय लेने, सृजनात्मक एवं अन्वेषणात्मक समाधान विकसित करने, व्यावहारिक हल ढूंढने, समस्याओं का स्वतंत्र रूप से पता लगाने, उनको हल करने और विभिन्न क्षेत्रों में समस्याओं के निदान में कार्य नीतियां लागू करने में मददगार हो सकते हैं.

नौकरियां

आजकल ज्यादातर संगठन अपने कर्मचारियों में उनके सकारात्मक, सम्प्रेषण, अंतर्वैयक्तिक और टीम कौशल, समस्या निदान, अनुकूलनशीलता और कार्य पद्धति में सुधार हेतु प्रशिक्षण प्रदान करते हैं. इससे एक तरफ जहां उनके व्यवसाय और व्यक्तिगत जीवन पर बहुत सकारात्मक प्रभाव पड़ता है, वहीं दूसरी तरफ संगठन की उत्पादकता में भी वृद्धि होती है. अत- सॉफ्ट स्किल में पाठ्यक्रम पूरा करने के उपरांत कोई व्यक्ति किसी निजी या सार्वजनिक संगठन में सॉफ्ट स्किल प्रशिक्षक के रूप में रोजगार प्राप्त कर सकता है. इसके अलावा, आप अपना स्वयं का ट्रेनिंग सेंटर भी खोल सकते हैं.

व्यक्तित्व संबंधी गुण

समय के साथ-साथ अब फोकस एक सामान्य व्यक्ति से सुशिक्षित और परिष्कृत व्यक्तित्व की ओर हो गया है. विभिन्न संगठनों, खासकर कंपनियों को ऐसे व्यक्तियों की तलाश रहती है जो कुशाग्र और सुशिक्षित होते हैं. उनमें ऐसे सम्प्रेषण कौशल होने चाहिए कि वे सबसे आगे रहें. इसके लिए वे अपने कर्मचारियों को भर्ती के उपरांत प्रशिक्षण प्रदान करते हैं लेकिन वे उन व्यक्तियों को वरीयता देते हैं जो पहले से अपने क्षेत्र में बेहतर होते हैं. चूंकि ज्यादातर लोग प्रतिभाओं के साथ जन्म लेते हैं, परंतु उन्हें परिष्कृत और शिक्षित करने की आवश्यकता होती है. उन्हें प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए बाजार में बहुत से संस्थान संचालित किए जा रहे हैं. ये संस्थान काफी धन अर्जन कर रहे हैं और इस तरह सॉफ्ट स्किल प्रशिक्षकों को आकर्षक रोजगार का विकल्प प्रदान कर रहे हैं.

वेतन

इस सेक्टर में काफी अच्छा वेतन है. चूंकि यह कल्चर प्राइवेट कंपनियों और वैश्वीकरण के कारण तेजी फला-फूला है, इसलिए इसकी ग्रोथ भी ज्यादा है.

योग्यताएं

पहले इस फील्ड में पाठ्यक्रम नहीं चलाए जाते थे लेकिन अब सॉफ्ट स्किल प्रशिक्षकों के लिए शिक्षण कार्य भी एक अच्छे विकल्प के रूप में उभरकर सामने आया है क्योंकि सभी इंजीनियरिंग और प्रबंध संस्थानों में तकनीकी कौशल एक अनिवार्य विषय के रूप में शामिल होता है. वहां पर छात्रों को साक्षात्कार और समूह चर्चा में बेहतर प्रदर्शन के लिए अपेक्षित अन्य वैयक्तिक कौशलों के साथ-साथ प्लेसमेंट और सम्प्रेषण कौशलों के लिए प्रशिक्षित और तैयार किया जाता है.

करियर उन्मुखी होते हैं पत्राचार पाठ्यक्रम

आज सभी विषयों में ग्रैजुएशन तथा मास्टर डिग्री कोर्स के अलावा अनेक सर्टीफिकेट कोर्स एवं डिप्लोमा भी पत्राचार माध्यम से दूरस्थ शिक्षा के रूप में उपलब्ध हैं। इन पाठ्यक्रमों का उद्देश्य छात्रों को सभी संबंधित विषयों का बुनियादी ज्ञान प्रदान करना होता है।

कुछ प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों में प्रवेश एक चयन परीक्षा के माध्यम से दिया जाता है। पत्राचार शिक्षा ने हमारे देश की शिक्षा प्रणाली में एक आश्चर्यजनक परिवर्तन ला दिया है। पत्राचार माध्यम से अध्ययन करने वाले छात्रों को शिक्षा प्रदान करने के लिए विभिन्न आधुनिक तकनीकों का सहारा भी दिया जा रहा है। उपग्रह संचार, लो पावर ट्रांसमीटर्स की सहायता एवं सूचना सुपर-हाइवेज के माध्यम से देश भर में शिक्षा का प्रसार हो रहा है। देश में अनेक मुक्त विश्वविद्यालय तथा उससे भी अधिक नियमित विश्वविद्यालय तथा कई अन्य संस्थाएं दूरस्थ अध्ययन कार्यक्रम चलाते हैं। दूरस्थ शिक्षा पद्धति कई श्रेणियों के शिक्षार्थियों, विशेष रूप से देरी से पढ़ाई शुरू करने वालों, जिन व्यक्तियों के घर के पास उच्चतम शिक्षा साधन नहीं है, सेवारत व्यक्तियों और अपनी शैक्षिक योग्यताएं बढ़ाने के इच्छुक व्यक्तियों को लाभ प्रदान कर रही है। मुक्त विश्वविद्यालय ऐसे लचीले पाठ्यक्रम विकल्प देते हैं जिन्हें वे छात्र ले सकते हैं जिनके पास कोई औपचारिक योग्यता नहीं है किन्तु अपेक्षित आयु (प्रथम डिग्री पाठ्यक्रमों के लिए 18 वर्ष) के हो चुके हैं और लिखित प्रवेश परीक्षा भी उत्तीर्ण कर चुके हैं। ये पाठ्यक्रम छात्र अपनी सुविधानुसार भी ले सकते हैं। विश्वविद्यालयों के दूरस्थ शिक्षा केंद्र न्यूनतम पात्रता रखने वाले उम्मीदवारों को प्रवेश देते हैं। यह पात्रता नियमित पाठ्यक्रमों के समान ही होती है। पत्राचार शैक्षिक संस्थाएं छात्रों को पाठ्यक्रम सामग्री के साथ-साथ संपर्क कक्षाएं भी उपलब्ध कराती हैं और परीक्षाएं संचालित करती हैं। अधिकांश विश्वविद्यालय मुद्रित अध्ययन सामग्री के अलावा अपने स्थानीय केंद्रों पर मल्टीमीडिया साधनों से भी छात्रों को शिक्षित करते हैं। ये विश्वविद्यालय ग्रैजुएशन पाठ्यक्रम, मास्टर डिग्री पाठ्यक्रम, एम.फिल पीएच.डी. तथा डिप्लोमा एवं सर्टीफिकेट पाठ्यक्रम भी चलाते हैं जिनमें से अधिकांश पाठ्यक्रम करियर उन्मुखी होते हैं।

पहली बार में क्रैक करना है आईआईटी जेईई तो अपनाएं ये आसान टिप्स

अगर आप आईआईटी एग्जाम की तैयारी कर रहे हैं, तो कुछ जरूरी टिप्स को अपनाना बिल्कुल न भूलें। इनकी मदद से आप पहली बार में एग्जाम क्लियर कर पाएंगे

जेईई मेन्स जेईई मेन्स की परीक्षा में अच्छे पर्सेंटाइल लाने वाले कैंडिडेट्स जेईई एडवांस्ड की तैयारी में जुट चुके हैं। साल भर की मेहनत तो बेहतर रिजल्ट का कारण है ही साथ ही परीक्षा से पहले अंतिम दिनों की मेहनत भी अत्यधिक मायने रखती है। आज हम आपको यहां बता रहे हैं जेईई मेन्स परीक्षा को क्रैक करने और एडमिशन पाने की संभावनाओं को बेहतर बनाने के लिए जरूरी टिप्स।

ऐसे करें एग्जाम की तैयारी

- अपनी सिली मिस्टेक्स पर काम करने का प्रयास करें क्योंकि इससे आपके ओवरऑल स्कोर में सुधार होगा।
- मॉक टेस्ट लेने और पिछले वर्ष के प्रश्नों को ऑनलाइन हल करने से आपको विभिन्न प्वाइंटस को एनलाइज करने में मदद मिलेगी।
- सब्जेक्ट वाइज फॉर्मूला शीटतैयार करें, ऐसा करके आप फॉर्मूले को रिवाइज करने करने के लिए हर समय अपने साथ रख सकते हैं।
- एक डेली टाइम टेबल तैयार करें और मुख्य रूप से रिवीजन और ऑनलाइन टेस्ट पर ध्यान केंद्रित करें क्योंकि ये टेस्ट आपके स्कोर को 40-50% तक सुधारने में मदद करते हैं।
- स्टडी के दौरान छोटे ब्रेक लें या संगीत सुनें क्योंकि यह कंसंट्रेशन पावर को बढ़ाता है।
- सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि परीक्षा नजदीक आने पर खुद को स्वस्थ और फिट रखें।

जेईई एडवांस्ड फिजिक्स को क्रैक करने के टिप्स

- **फॉर्मूले अच्छी तरह से सीखें :** जैसे ही आप फिजिक्स का रिवीजन करते हैं, सभी फॉर्मूले को नोट कर लें और उन्हें अच्छी तरह से याद रखें।
- **स्कोरिंग टॉपिक पर कंसंट्रेट करें :** एक बार आपके बेसिक चैपर को रिविजन करने के बाद, मॉर्डन फिजिक्स, वेव ऑप्टिक्स, अल्टरनेटिंग करंट, साउंड वेव्स जैसे स्कोरिंग टॉपिक्स पर ध्यान केंद्रित करें। थर्मोडायनामिक्स पर अतिरिक्त ध्यान दें क्योंकि यह फिजिक्स और केमेस्ट्री के लिए सामान्य है।
- **डेलिगेट प्रैक्टिस :** जेईई एडवांस पिछले वर्ष के क्वेश्चन पेपर को सॉल्व करना आवश्यक है। इन्हें सॉल्व समय फोकस्ड और कॉन्फिडेंट रहें।

जेईई एडवांस्ड केमिस्ट्री क्रैक करने के टिप्स

- **अपनी प्रिपरेशन को सिस्टमेटिक रूप से तैयार करें :** फिजिक्स और इनऑर्गेनिक केमेस्ट्री से फंडामेंटल कॉन्सेप्ट को रिवाइज करना शुरू करें। अपने समय का एक बड़ा हिस्सा ऑर्गेनिक केमेस्ट्री की तैयारी में दे। लास्ट 5 दिनों के लिए क्वालिटेटिव एनालिसिस छोड़ दें क्योंकि इसमें मुख्य रूप से याद रखने की आवश्यकता होती है।
- ऑर्गेनिक केमिस्ट्री में शामिल मैकनिज्म पहली बार में जटिल लग सकता है। कठिन टॉपिक के लिए ज्यादा गहराई में न जाएं क्योंकि अंतिम दिनों में समय की कमी होती है। ऑर्गेनिक केमिस्ट्री के लिए छोटे नोट्स बनाने की जरूरत होती है।
- **रिएक्शन की प्रैक्टिस करें :** सबसे महत्वपूर्ण टॉपिक्स, इक्वेशन, मैकनिज्म और रिलेटेड प्रॉब्लमस का रेगुलर प्रैक्टिस करें।
- **रेगुलर रिवीजन :** केमिस्ट्री कई छात्रों को कंफ्यूज करने वाली लगती है। बेहतर रिटेंशन के लिए केमिस्ट्री का रेगुलर रिवीजन जरूरी है।

जेईई एडवांस मैथ्स को क्रैक करने के टिप्स

- **कॉन्सेप्चुअल क्लियरिटी :** पहले सभी चैप्टर्स के बेसिक कॉन्सेप्ट को रिवाइज करें। मैथ्स फॉर्मूला से भरा है। उन्हें अच्छी तरह से करने के लिए, फार्मूला के विभिन्न एप्लीकेशन की प्रैक्टिस करें।
- **मॉक टेस्ट दें :** फुल लेंथ वाले जेईई एडवांस मॉक टेस्ट देने से आपकी स्पीड और एक्यूरेसी में सुधार करने में मदद मिलती है।
- **प्रैक्टिस क्वेश्चन को सॉल्व करें :** प्रत्येक चैप्टर को रिवाइज करने के बाद जेईई एडवांस लेवल के प्रैक्टिस क्वेश्चन को सॉल्व करना आवश्यक है।
- **पिछले वर्षों के प्रश्न पत्रों को सॉल्व करें :** जब आप जेईई एडवांस मैथ्स की तैयारी कर रहे हों तो जेईई एडवांस्ड पिछले साल के टेस्ट से प्रैक्टिस करना जरूरी है।

आईपीएल में आज होगा केकेआर और रॉयल्स में मुकाबला

गुवाहाटी (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग में बुधवार को कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) का मुकाबला राजस्थान रॉयल्स से होगा। इस मैच में दोनो ही टीमें जीत के इरादे से उतरेंगे कयोंकि पहले मैच में इन्हें हार का सामना करना पड़ा था। केकेआर को जहां शुरुआत मैच में रॉयल चैलेंजर बेंगलुरु (आरसीबी) वहीं राजस्थान रॉयल्स को सनराइजर्स हैदराबाद ने हराया था। पहले मैच में दोनो ही टीम उम्मीद के अनुसार प्रदर्शन नहीं कर पायीं थीं। दोनो के ही बल्लेबाज और गेंदबाज विफल रहे थे। सुनील नरेन के अलावा केकेआर का कोई भी गेंदबाज आरसीबी के बल्लेबाजों को रोक नहीं पाया। यहां तक कि स्पिनर वरुण चक्रवर्ती भी विफल रहे थे।

ऐसे में अब वरुण का लक्ष्य इस मैच में बेहतर प्रदर्शन करना रहेगा। केकेआर की नजरें एनरिक नोर्किया की फिटनेस पर भी आधारित रहेंगी। नोर्किया अगर फिट होते हैं तो उन्हें स्पेंसर जॉनसन की जगह शामिल किया जा सकता है। पहले मैच में कप्तान अजिंक्य रहाणे और नारायण के आउट होने के बाद केकेआर की बल्लेबाजी ढ़ह गयी थी। ऐसे में इस बार का मध्यक्रम बिखर गया था। वेंकटेश अय्यर और आंद्रे रसेल जैसे बल्लेबाज मध्यक्रम में बेहतर प्रदर्शन करना चाहेंगे। इसके अलावा रिंकू सिंह से भी टीम को रनों की उम्मीद रहेगी। पिछले कुछ समय से उनका बल्ला खामोश है। आईपीएल के पहले मैच में भी वह केवल 12 रन बना पाए थे। वहीं दूसरी ओर रॉयल्स की हालत भी ठीक नहीं है। उसको अगर ये मैच जीतना है तो सभी खिलाड़ियों को अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। सनराइजर्स के खिलाफ पिछले मैच में उसके मुख्य तेज

गेंदबाज जोफ्रा आर्चर ने चार ओवर में 76 रन दिये थे जबकि फजल हक फारूकी और महेश थीक्षाना जैसे गेंदबाज भी प्रभावी नहीं रहे थे। टीम की कप्तान कर रहे युवा रियान पराग को भी आत्मविश्वास से फैसल देने होंगे। टीम की बल्लेबाजी रियान के अलावा संजू सैमसन, वैभव सूर्यावंशी और शिमोन हिटमायर जैसे खिलाड़ियों पर आधारित रहेगी।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

कोलकाता नाइट राइडर्स: अजिंक्य रहाणे (कप्तान), रिंकू सिंह, क्विंटन डी कॉक, रहमानुल्लाह गुरबाज, अंगकृष रघुवंशी, रोवमैन पॉवेल, मनीष पांडे, लवनिटी सिसौदिया, वेंकटेश अय्यर, अनुकूल रॉय, मोइन अली, रमनदीप सिंह, आंद्रे रसेल, एनरिक नोर्किया, वैभव अरोड़ा, मयंक मारखंडे, स्पेंसर जॉनसन, हर्षित राणा, सुनील नारायण, वरुण चक्रवर्ती, चेतन सकारिया।

राजस्थान रॉयल्स : रियान पराग (कप्तान), संजू सैमसन, शुभम दुबे, वैभव सूर्यवंशी, कुणाल राठौड़, शिम्रोन हेटमायर, यशस्वी जयसवाल, ध्रुव जुरेल, नितीश राणा, युद्धवीर सिंह, जोफ्रा आर्चर, महेश थीक्षाना, वानिंदु हसरंगा, आकाश मधवाल, कुमार कार्तिकेय सिंह, तुषार देशपांडे, फजलहक फारूकी, क्वेना मफाका, अशोक शर्मा, संदीप शर्मा।

आईपीएल ऑरेंज कैप की दौड़ में ईशान सबसे आगे

मुम्बई (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 18 वें सत्र के लिए सबसे अधिक रन बनाने वाले (ऑरेंज कैप) की दौड़ में सनराइजर्स हैदराबाद के विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन शीर्ष पर हैं। ईशान ने राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ पहले ही मैच में शानदार शतक लगाया था। इसमें शीर्ष-10 खिलाड़ियों में 5 भारतीय और 5 विदेशी खिलाड़ी शामिल हैं।

दूसरे नंबर पर लखनऊ सुपर जायंट्स के निकोलस पूरन हैं, जिन्होंने दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ 75 रन की पारी खेली थी। तीसरे नंबर पर लखनऊ सुपर जायंट्स के मिचेल मार्श हैं, जिन्होंने दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ 72 रनों की पारी खेली थी। चौथे नंबर पर राजस्थान रॉयल्स के ध्रुव जुरेल हैं, जिन्होंने अपने पहले मैच में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ 70 रनों की पारी खेली थी। पांचवें नंबर पर सनराइजर्स हैदराबाद के सलामी बल्लेबाज ट्रेविस हेड हैं, जिन्होंने राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ 67 रनों की पारी खेली थी। छठे नंबर पर दिल्ली कैपिटल्स के आशुतोष शर्मा हैं, जिन्होंने लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ 66 रनों की पारी खेली थी। सातवें नंबर पर संजू सैमसन हैं, जिन्होंने टूर्नामेंट के पहले मैच में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ 66 रनों की पारी खेली थी। आठवें नंबर पर चेन्नई सुपर किंग्स के सलामी बल्लेबाज रचिन रवींद्र हैं, जिन्होंने मुंबई इंडियंस के खिलाफ 65 रनों की पारी खेली थी। 9वें नंबर पर आरसीबी के विराट कोहली हैं, जिन्होंने कोलकाता के खिलाफ पहले मैच में 59 रनों की पारी खेली थी। 10वें नंबर पर आरसीबी के सलामी बल्लेबाज फिल साल्ट हैं, जिन्होंने कोलकाता के खिलाफ 56 रनों की पारी खेली थी।

स्मृति मंधाना और दीप्ति शर्मा ने आईसीसी रैंकिंग में कायम रखा अपना स्थान

दुबई (एजेंसी)। भारत की उप-कप्तान स्मृति मंधाना और ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा ने मंगलवार को यहां जारी ताजा आईसीसी महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय बल्लेबाजों और गेंदबाजों की रैंकिंग में क्रमशः अपना तीसरा स्थान बरकरार रखा। मंधाना के अलावा कोई अन्य भारतीय शीर्ष-10 में मौजूद नहीं है। सूची में कप्तान हरमनप्रीत कौर 11वें स्थान पर, जेमिमा रोड्रिग्स 15वें स्थान पर और शेफाली वर्मा उनसे एक पायदान नीचे हैं।

बल्लेबाजों की सूची में ऑस्ट्रेलिया की बेथ मूनी शीर्ष पर हैं, उनके बाद टीम की साथी तहलिया मैकग्रा मौजूद हैं। मूनी ने न्यूजीलैंड के खिलाफ नाबाद 75 और 70 रन बनाकर शीर्ष पर अपनी बढ़त में इजाफा किया। न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे मैच में 32 रन की पारी खेलने वाली फोबे लिचफील्ड तीन स्थान ऊपर चढ़कर 22वें स्थान पर पहुंच गईं। स्टार ऑलराउंडर मेली केर ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ श्रृंखला के दूसरे मैच में 40 रन की पारी के बाद टी20 अंतरराष्ट्रीय बल्लेबाजों की सूची में दो स्थान की बढ़त हासिल की जबकि न्यूजीलैंड की जॉर्जिया प्लिमर पिछले महीने शीर्ष क्रम में कुछ लगातार पारियों की बदौलत 20 स्थान का सुधार करते हुए 50वें स्थान पर पहुंच गई हैं। दीप्ति ने इंग्लैंड की सोफी एक्लेस्टोन और पाकिस्तान की सादिया इकबाल के बाद गेंदबाजों में अपना तीसरा स्थान बरकरार रखा। ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर एनाबेल सदरलैंड ने आईसीसी महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय गेंदबाजी रैंकिंग में अपने करियर की सर्वोच्च रेटिंग हासिल की है। सदरलैंड टी20 अंतरराष्ट्रीय गेंदबाजों के लिए व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ रेटिंग पर पहुंच गई। वह न्यूजीलैंड के खिलाफ चार विकेट लेने के बाद दो स्थान की छलांग लगाकर चौथे स्थान पर पहुंच गई। डार्सी ब्राउन 12 पायदान की छलांग लगाकर 18वें स्थान पर पहुंची। केर टी20 अंतरराष्ट्रीय ऑलराउंडरों की रैंकिंग में वेस्टइंडीज की हेली मैथ्यूज के बाद दूसरे स्थान पर बनी हुई हैं जबकि मैकग्रा (तीन पायदान ऊपर 18वें स्थान पर) और सदरलैंड (एक पायदान ऊपर 21वें स्थान पर) ऊपर की ओर बढ़ने वाली खिलाड़ियों में शामिल हैं।

लखनऊ सुपर जायंट्स का तेज गेंदबाज चोट से उभरा, सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ हो सकती है वापसी

नई दिल्ली (एजेंसी)। लखनऊ सुपर जायंट्स को भले ही इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के अपने पहले मैच में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ एक विकेट से करारी हार का सामना करना पड़ रहा हो, लेकिन मंगलवार को उन्हें कुछ सकारात्मक खबरें मिलीं। प्रमुख तेज गेंदबाज आवेश खान को बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के मेडिकल स्टाफ ने आईपीएल 2025 के लिए LSG टीम से फिर से जुड़ने की मंजूरी दे दी है।

रिपोर्ट के अनुसार उन्हें अपने दाहिने घुटने में तकलीफ हो रही थी, जो घरेलू सत्र के दौरान उनके कार्यभार से संबंधित थी। मध्य प्रदेश के इस तेज गेंदबाज को शुरू में आईपीएल 2025 के पहले कुछ मैचों से बाहर रखा गया था। आवेश अपने दाहिने घुटने की चोट के कारण इस साल जनवरी से अनुपलब्ध हैं। वह बेंगलुरु में बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में रिहैबिलिटेशन से गुजर रहे थे, जहां माना जाता है कि उन्होंने सोमवार को अपना आखिरी फिटनेस मूल्यांकन पूरा किया। आधिकारिक तौर पर यह पुष्टि नहीं हुई है कि आवेश एलएसजी टीम से कब जुड़ेंगे।

एलएसजी कैंप अपने तेज गेंदबाजों की चोटों से त्रस्त है और शार्दुल के शामिल होने से उन्हें बहुत जरूरी राहत मिलेगी, जो मोहसिन खान की जगह आए हैं। मोहसिन के अलावा मयंक यादव और आकाश दीप की तेज गेंदबाजी जोड़ी चोटों के कारण उपलब्ध नहीं है और वर्तमान में बेंगलुरु में बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में ठीक हो रही है।

अभी तक तेज गेंदबाजों की वापसी की तारीख पर कोई आधिकारिक अपडेट नहीं है। सनराइजर्स हैदराबाद और लखनऊ सुपर जायंट्स के बीच बहुप्रतीक्षित आईपीएल 2025 मुकाबला 27 मार्च को हैदराबाद के राजीव गांधी अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में होगा।

आईपीएल 2025 के लिए टीम

ऋषभ पंत (कप्तान), डेविड मिलर, एडेन मार्कराम, निकोलस पूरन, मिशेल मार्श, अवेश खान, मयंक यादव, मोहसिन खान, रवि बिस्नोई, अब्दुल समद, आर्यन जुयाल, आकाश दीप, हिम्मत सिंह, एम सिद्धार्थ, दिग्वेश सिंह, शाहबाज अहमद, आकाश सिंह, शमर जोसेफ, प्रिंस यादव, युवराज चौधरी, राजवर्धन हैंगरगेकर, अर्शिन कुलकर्णी, मैथ्यू ब्रीट्जके।

अश्विन युवा स्पिनरों को देते हैं टिप्स : रचिन

चेन्नई। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की ओर से खेल रहे न्यूजीलैंड के बल्लेबाज रचिन रविंद्र ने टीम के अनुभवी स्पिन आर अश्विन की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा कि टीम की अच्छी शुरुआत का श्रेय इस अनुभवी खिलाड़ी को दिया है। अश्विन ने मुम्बई इंडियंस के खिलाफ मैच में हालांकि एक ही विकेट लिया था। रविंद्र ने कहा, ' अश्विन एक विश्व स्तरीय खिलाड़ी है। मैंने उनके खिलाफ कुछ मैच खेले हैं। उनके अनुभव और क्रिकेट ज्ञान का लाभ टीम को मिलता है। वह खेल की बहुत अच्छी समझ रखते हैं और युवा स्पिनरों को टिप्स देते हैं । मैं उनको खेलते हुए देखकर बड़ा हुआ हूं और उनके साथ एक टीम में खेलना मेरे लिए सम्मान की बात है। इस क्रिकेटर ने कहा, 'हमारे पास बहुत अच्छे स्पिन गेंदबाज हैं और हमारी टीम का संतुलन बहुत अच्छा है। अगर किसी दिन कोई गेंदबाज नहीं चल पाता है तो हमारे पास उसके लिए भी विकल्प हैं। वहीं मुंबई इंडियंस के गेंदबाजी कोच पारस म्हाम्ब्रे ने कहा कि तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह अच्छी प्रगति कर रहे हैं और वह जल्द ही टीम से जुड़ सकते हैं। उन्होंने कहा, 'हम उनकी वापसी की समय सीमा को नहीं जानते हैं। हम यह जानते थे कि बुमराह पहले मैच में नहीं खेल पाएंगे। इसलिए हमने उसी के अनुरूप रणनीति तैयार की और अन्य विकल्पों पर विचार किया था।

धोनी की विकेटकीपिंग अब भी काफी अच्छी : हेडन

चेन्नई (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व क्रिकेटर मैथ्यू हेडन ने 43 साल की उम्र में भी आईपीएल खेल रहे चेन्नई सुपर किंग्स के पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी की जमकर प्रशंआ की है। हेडन ने कहा कि धोनी की विकेटकीपिंग अब भी काफी अच्छी है। साथ ही कहा कि मुंबई इंडियंस (एमआई) के खिलाफ मैच में जिस तरह से उन्होंने नूर अहमद की गेंद पर सूर्यकुमार यादव की स्टंपिंग की थी उससे उनकी फिटनेस का अंदाजा होता है। इस गेंद पर सूर्यकुमार 29 रनों पर आउट हुए थे और 51 रनों की साझेदारी टूटी थी इसी के साथ सीएसके मैच में वापसी कर ली थी। हेडन ने कहा कि धोनी आज बेहतरीन थे। ऐसी गेंदों को पकड़ना थोड़ा कठिन होता है क्योंकि गेंद के एंगल में बल्लेबाज भी आ जाता है। लेकिन उन्होंने स्टंपिंग में फुर्ती की तेजी दिखाई। इससे पता चलता है कि वह अब भी बेहतरीन हैं।

वहीं सीएसके कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ ने कहा कि धोनी लगातार कीपिंग का अभ्यास करते हैं। एक पूर्व क्रिकेटर पीयूष चावला ने कहा कि इस सत्र के पहले उन्होंने शायद नूर के खिलाफ कीपिंग का अभ्यास किया होगा। उन्होंने कहा कि अगर आपने किसी गेंदबाज के खिलाफ पहले कीपिंग का अभ्यास नहीं किया हो तो इस प्रकार की स्टंपिंग कठिन होती है। मुझे लगता है कि उन्होंने सत्र के पहले नूर के खिलाफ कीपिंग का अभ्यास किया होगा। वह नए गेंदबाजों के खिलाफ अक्सर ऐसा करते हैं।

टीम में वापसी मेरे हाथ में नहीं : सिराज

कोलकाता । तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज अभी गुजरात टाइटन्स की ओर से इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में खेल रहे हैं। वह चैम्पियंस ट्रॉफी से ही भारतीय टीम से बाहर हैं। इसी को लेकर सिराज ने कहा कि टीम में वापसी मेरे हाथ में नहीं है। इस गेंदबाज ने कहा कि उनका ध्यान अच्छा प्रदर्शन करने और अपनी टीम के लिए विकेट लेने पर है। उन्होंने यह भी याद किया कि जब उन्होंने पहली बार आईपीएल के बाद टी20 विश्व कप 2022 में चयन के बारे में सोचना शुरू किया, तो वह अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाए और तब से उन्होंने उन चीजों पर ध्यान केंद्रित करने का फैसला किया, जिन्हें वह नियंत्रित कर सकते हैं। सिराज ने कहा, चयन मेरे हाथ में नहीं है। मेरे हाथ में विकेट लेना और अपनी टीम के लिए प्रदर्शन करना है। मैं अपना 100 फीसदी दूंगा। अगर मैं चयन के बारे में सोचना शुरू कर देता हूं, तो यह मेरे प्रदर्शन को प्रभावित कर सकता है। ऑस्ट्रेलिया में 2022 टी20 विश्व कप में, आईपीएल के ठीक बाद, मैं केवल चयन के बारे में सोच रहा था और मुझे अच्छी गेंदबाजी करने की जरूरत थी पर प्रदर्शन नहीं आया। बाद में, मुझे एहसास हुआ कि मेरे नियंत्रण में केवल मेरी गेंदबाजी और 100 फीसदी देना है। सबसे महत्वपूर्ण बात प्रदर्शन है और क्या मैं अपनी योजनाओं को ठीक से क्रियान्वित कर रहा हूं। मैंने पिछले कुछ वर्षों में यह सीखा है, और यह बहुत मददगार रहा है। अपने शरीर के बारे में सिराज ने कहा कि वह अच्छा महसूस कर रहे हैं और उन्होंने अपनी मानसिकता पर भी काम किया है। उन्होंने कहा, मेरे लिए, सब कुछ लय पर निर्भर करता है, मेरी लय जितनी बेहतर होगी, मैं उतनी ही बेहतर गेंदबाजी करूंगा।

न्यूजीलैंड ने पाकिस्तान के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज के लिए लेथम को बनाया कप्तान

-केली और अब्बास पहली बार शामिल

वेलिंगटन (एजेंसी)। न्यूजीलैंड ने पाकिस्तान के खिलाफ होने वाली तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज के लिए टॉम लेथम को कप्तान बनाया है। टीम में कई नए खिलाड़ियों को भी पहली बार जगह मिली है। वेलिंगटन फायरबर्ड्स के लिए खेलने वाले दो अनकैप्ड खिलाड़ियों बल्लेबाज निक केली और बाएं हाथ के तेज गेंदबाज मुहम्मद अब्बास को पहली बार शामिल किया गया है। वहीं राचिन रवींद्र, डेवोन कॉनवे, ग्लेन फिलिप्स और मिशेल सेंटनर टीम से बाहर है ,ये सभी अभी आईपीएल खेल रहे है। पाकिस्तान के खिलाफ चैंपियंस ट्रॉफी के शुरुआती मैच में शतक बनाने वाले विल यंग, केली के साथ शीर्ष क्रम में शामिल होंगे। जबकि डेरिल मिशेल, माइकल ब्रेसवेल और नाथन स्मिथ मध्य क्रम में खेलेंगे।

गेंदबाजी की कमान विल ओ'रुर्क, जैकब डफी, नाथन स्मिथ और बेन सियर्स जैसे खिलाड़ियों के पास रहेगी। तेज गेंदबजा जैमीसन को आराम दिया गया है। स्पिन में ऑलराउंडर ब्रेसवेल के साथ 22 वर्षीय ऑकलैंड एसेस के लेग स्पिनर आदि अशोक शामिल रहेंगे। दूसरा एकदिवसीय मैकलीन पार्क, नेपियर में मैच दो अप्रैल, तीसरा एकदिवसीय मैच पांच अप्रैल को बे ओवल, माउंट माउंगानुई में होगा।

न्यूजीलैंड की टीम : टॉम लैथम (कप्तान), मुहम्मद अब्बास, आदि अशोक, माइकल ब्रेसवेल, मार्क चैपमैन, जैकब डफी, मिच हे, निक केली, डेरिल मिशेल, विल ओ'रूर्क, बेन सियर्स, नाथन स्मिथ और विल यंग।

श्रीलंका की अदालत ने मैच फिक्सिंग मामले में भारतीय को सुनाई 4 साल की सजा

कोलंबो । श्रीलंका की एक अदालत ने एक भारतीय नागरिक को क्रिकेट मैच फिक्सिंग के 2024 के एक मामले में मंगलवार को चार साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई। योगी पटेल पर कैंडी में खेले गए लीजेंड्स लीग टी 20 टूर्नामेंट में मैच फिक्स करने की पेशकश के आरोप लगे थे। उस पर श्रीलंका की चयन समिति के अध्यक्ष उपुल थरंगा की शिकायत के आधार पर आरोप लगाए गए थे। पटेल पर अदालत द्वारा यात्रा प्रतिबंध के बावजूद देश से भाग जाने के कारण उसकी अनुपस्थिति में मुकदमा चलाया गया था। उसे पिछले साल मार्च में गिरफ्तार किया गया था और बाद में कड़ी शर्तों के तहत मई में जमानत पर रिहा कर दिया गया था। श्रीलंका ने 2019 में खेल संबंधी भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम को अपनाया, जिसमें 10 साल तक की जेल की सजा और 5,50,000 अमेरिकी डॉलर से अधिक का जुर्माना लगाए जाने का प्रावधान है।

मेनन आईसीसी एलीट पैनल के अंपायर बने रहेंगे, जयरामन मदनगोपाल का हुआ प्रमोशन

दुबई (एजेंसी)। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने मंगलवार को दक्षिण अफ्रीका के अलाउद्दीन पालेकर और इंग्लैंड के एलेक्स व्हार्फ को आईसीसी अंपायरों के एलीट पैनल में शामिल किया जिसमें नितिन मेनन एकमात्र भारतीय हैं। भारत के जयरामन मदनगोपाल को इमर्जिंग पैनल में पदोन्नत किया गया है। मेनन अंपायरों के एलीट पैनल में रिचर्ड इलिंगवर्थ के बाद दूसरे स्थान पर हैं। पालेकर और व्हार्फ एलीट पैनल में माइकल गॉफ और जोएल विल्सन की जगह लेंगे। बीसीसीआई सूत्रों के अनुसार 50 वर्षीय मदनगोपाल को इमर्जिंग पैनल में पदोन्नत किया गया है। यह उन्हें विदेशी टेस्ट और वनडे मैचों में अंपायरिंग करने के योग्य बनाता है। तमिलनाडु के पूर्व खिलाड़ी मदनगोपाल ने अब तक एक टेस्ट, 22 वनडे और 42 टी20 अंतरराष्ट्रीय में अंपायरिंग की है। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व प्रथम श्रेणी क्रिकेटर पालेकर ने पुरुषों के अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में चार टेस्ट, 23 वनडे और 67 टी20 अंतरराष्ट्रीय के साथ 17 महिला अंतरराष्ट्रीय मैचों में मैदान पर अंपायरिंग की है। उन्होंने पुरुषों के टी20 विश्व कप 2024 और अंडर-19 पुरुष क्रिकेट विश्व कप 2024 जैसे प्रमुख आईसीसी टूर्नामेंटों में भी अंपायरिंग की है। व्हार्फ के पास प्रथम श्रेणी स्तर पर 16 साल क्रिकेट खेलने का अनुभव है। उन्होंने इंग्लैंड के लिए 13 एकदिवसीय मैचों भी खेले हैं। व्हार्फ ने पुरुषों के अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सात टेस्ट, 33 एकदिवसीय और 45 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में मैदान पर अंपायरिंग की है। वह हाल ही में हुए आईसीसी पुरुष और महिला विश्व कप, 2024 में क्रमशः पुरुष और महिला टी20 विश्व कप और 2025 में पुरुष चैंपियंस ट्रॉफी में अंपायरिंग कर चुके हैं। आईसीसी के चेयरमैन जय शाह ने दोनों नए सदस्यों पालेकर और व्हार्फ को शुभकामनाएं देने के साथ ही निवर्तमान अंपायरों गॉफ और विल्सन को भी धन्यवाद दिया। शाह ने एक बयान में कहा, 'एलीट पैनल में शामिल होने के कारण काफी दबाव होता है, सब की नजरें आप पर होती है लेकिन हमें विश्वास है कि अलाउद्दीन और एलेक्स दोनों के पास शीर्ष स्तर पर लगातार अच्छा प्रदर्शन करने के लिए अनुभव और कौशल है। मैं आईसीसी की ओर से उन्हें आगामी सत्र के साथ-साथ भविष्य के लिए भी शुभकामनाएं देता हूं। हम जोएल और माइकल दोनों को कई वर्षों से विश्व स्तर पर उनकी सेवाओं के लिए अपना हार्दिक धन्यवाद देना चाहते हैं।'

आईपीएल के सबसे महंगे खिलाड़ी ऋषभ पहले ही मैच में फ्लाप रहे

-शून्य पर आउट होने के बाद कप्तानी में भी की कई गलतियां

विशाखापट्टनम । इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) इतिहास में देखा गया है कि महंगे खिलाड़ी असफल रहे हैं। ये एक बार फिर साबित हुआ है। लखनऊ सुपरजायंट्स ने ऋषभ पंत को आईपीएल नीलामी में सबसे बड़ी रकम देखकर खरीदा था पर वह अपनी पुरानी टीम दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मुकाबले में एक भी रन नहीं बना पाये। सुपरजायंट्स ने ऋषभ को कप्तान बनाया था पर वह एक रन भी नहीं बना पाये। वह एक के बाद एक वह पूरे मैच में गलती करते रहे। उनकी कप्तानी भी खराब रही जिससे हाथ में आया मैच टीम हार गयी। उनसे चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए टीम को अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद थी। प्रशंसक उनकी आक्रामक बल्लेबाजी देखने मैदान पर पहुंचे थे। मगर 27 करोड़ का खिलाड़ी सात गेंद भी नहीं खेल सका और छह गेंद में खाता खोल बिना ही आउट हो गया। वहीं मैच में ऋषभ ने ट्रिस्टन स्टब्स को रन आउट करने का अवसर भी खोया। स्टब्स तब 12 रन पर खेल रहे थे। इसके बाद इस बल्लेबाज ने 22 गेंद में 34 रन बनाये। दिल्ली को जीत के लिए अंतिम छह गेंदों में छह रन चाहिए थे और उसके पास केवल एक ही विकेट शेष था। 19.1 ओवर में शाहबाज अहमद की गेंद पर बल्लेबाज मोहित शर्मा को भी वह स्टंप आउट करने में असफल रहे। उन्होंने अंतिम ओवर स्पिनरों को देकर भी गलती की। इससे विरोधी टीम दिल्ली को आसानी से रन बनाने का अवसर मिल गया।

इंग्लैंड लायंस के खिलाफ 'ए' टीम में शामिल हो सकते हैं भारत के कुछ मुख्य खिलाड़ी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के कुछ मुख्य खिलाड़ी इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैच की टेस्ट श्रृंखला की तैयारी के लिए मई-जून की विंडो में इंग्लैंड लायंस के खिलाफ होने वाले चार दिवसीय दो मुकाबलों में खेलने के लिए 'ए' टीम का हिस्सा बन सकते हैं। इंग्लैंड की 45 दिवसीय यात्रा की शुरुआत भारत 20 जून से हेडिंग्ले में शुरू होने वाले पहले टेस्ट के साथ करेगा। भारत 2007 के बाद से 'ओल्ड ब्लाइटी' में पहली श्रृंखला जीतने का प्रयास करेगा।

इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने एक बयान में कहा, 'पहला चार दिवसीय मैच 30 मई से कैंटरबरी के सेंट लॉरेंस के स्पिटफायर मैदान में आयोजित किया जाएगा। दूसरा मैच एक सप्ताह बाद छह जून से नॉर्थम्प्टन के काउंटी मैदान में शुरू होगा।'

भारत के सभी मुख्य क्रिकेटर इस समय अपनी-अपनी इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) फ्रेंचाइजी के साथ अनुबंधित हैं क्योंकि लीग के नॉकआउट मैच 20, 21 और 23 मई को खेले जाएंगे जिसके बाद 25 मई को फाइनल होगा। भारतीय चयनकर्ताओं को इंग्लैंड दौरे से पहले भारत 'ए' टीम की घोषणा करने के लिए पर्याप्त समय मिल गया है और मौजूदा स्थिति के अनुसार करुण नायर इस दौरे में शामिल हो सकते हैं।

करुण ने 2024-25 के घरेलू सत्र में काफी प्रभावशाली प्रदर्शन किया है, वह सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी रहे और रणजी ट्रॉफी में नौ मैचों में 54 के औसत से चार शतक और दो अर्धशतक से 863 रन बनाकर चौथे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी रहे। उनकी शानदार फॉर्म की बदौलत विदर्भ ने फाइनल में केरल को हराकर अपना तीसरा रणजी खिताब जीता। एक सूत्र ने नाम नहीं बताने की शर्त पर बताया, 'टीम की घोषणा करने के लिए काफी समय है, नॉकआउट से पहले या इन मैचों के ठीक बाद। तब आपको स्पष्ट तस्वीर मिल जाएगी कि तब तक कौन से खिलाड़ी उपलब्ध हैं।'

रोहित शर्मा के इंग्लैंड में भारत की सीनियर टीम की अगुआई करने की उम्मीद है, भले ही न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दो टेस्ट श्रृंखला में मिली हार के दौरान उनका प्रदर्शन मामूली रहा हो। भारत स्टार तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की फिटनेस पर भी नजर रखेगा जो अब भी ऑस्ट्रेलिया दौरे के दौरान लगी पीठ की चोट से उबर रहे हैं। बुमराह आईपीएल 2025 के पहले कुछ मैचों के लिए मुंबई इंडियंस के लिए उपलब्ध नहीं हैं।

सिंगापुर और भारत ने ग्रीन डिजिटल शिपिंग कॉरिडोर के लिए की साझेदारी

सिंगापुर।

सिंगापुर और भारत ने मंगलवार को ग्रीन डिजिटल शिपिंग कॉरिडोर (जीडीएससी) के लिए साझेदारी में हस्ताक्षर किए। इस आशय पत्र (एलओआई) में यह दोनों देशों के बीच डिजिटलीकरण और कार्बन मुक्त परियोजनाओं पर ध्यान केंद्रित किया गया है। सिंगापुर के समुद्री एवं बंदरगाह प्राधिकरण और भारतीय बंदरगाह, पोत परिवहन मंत्रालय द्वारा जारी संयुक्त विज्ञप्ति के अनुसार, इस साझेदारी से सिंगापुर-भारत जीडीएससी में बेहतर सहयोग और उत्सर्जन प्रौद्योगिकियों के विकास और डिजिटल समाधानों की अवधारणा को बढ़ावा मिलेगा। बंदरगाह, पोत परिवहन एवं जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने कहा कि इस साझेदारी से दोनों देशों के बीच सहयोग को मजबूती मिलेगी और अधिक गहरा होगा। आशय पत्र के माध्यम से, दोनों देश समुद्री डिजिटलीकरण और कार्बन मुक्त परियोजनाओं में सहयोग करने का संकल्प लेंगे और इसमें उन प्रासंगिक हितधारकों की पहचान करने का प्रस्ताव शामिल होगा। यह साझेदारी समझौते के

जरिए साझेदारी को औपचारिक रूप देने की दिशा में काम करेगी। इस समुद्री डिजिटल शिपिंग कॉरिडोर के माध्यम से भारत को सूचना प्रौद्योगिकी में अग्रणीता प्राप्त करने का अवसर मिलेगा, जो हरित समुद्री ईंधन के निर्यात में मदद करेगा। इसके साथ ही सिंगापुर की गतिशील अनुसंधान और नवाचार परिवेश भी समर्थन करेगा।

सेबी ने कीमतों पर रोक लगाने डेरिवेटिव कारोबार पर लगाई रोक

गेहूं समेत 7 फसल के वायदा कारोबार पर प्रतिबंध बढ़ा

नई दिल्ली।

सुरक्षा और एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया (सेबी) ने गेहूं और मूंग समेत सात वस्तुओं पर डेरिवेटिव कारोबार पर निलंबन लगाने के निर्देशों में सुधार करते हुए मार्च, 2026 तक इस प्रतिबंध को बढ़ा दिया है। सेबी ने गेहूं और मूंग के अलावा अन्य कृषि उत्पादों पर निलंबित कारोबार करने की दिशा में स्पष्टता दी है। इस पहल में, सेबी ने कृषि उत्पादों की कीमतों पर अत्यधिक सट्टा और अस्थिरता को कम करने के लिए उत्तरदायित्वपूर्ण कदम उठाया है। डेरिवेटिव कारोबार में निवेशकों को बड़े जोखिम से बचाने के लिए इस प्रतिबंध में वृद्धि की गई है। यह निर्देश मौजूदा सौदों को पूरा करने की अनुमति देता है, लेकिन नए उतार-चढ़ाव में निवेश करने की मनाही करता है। सेबी ने अब निलंबन को 31 मार्च, 2026 तक बढ़ाने का निर्णय लिया है, जिसका उद्देश्य जिंस बाजारों में स्थायिता और सट्टेबाजी को रोकना है। गेहूं, मूंग, धान, चना, कच्चा पाम तेल, सरसों और सोयाबीन इस निलंबन के परिधि में शामिल हैं। सेबी के इस कदम से किसानों के उत्पादों की कीमतों और खाद्य अभिशासकों को भविष्य में स्थिरता मिलने की उम्मीद है। यह निर्देश स्वीकार करने के बाद बाजार सुरक्षितरता बढ़ाने के लिए सकारात्मक कदम माना जा रहा है, जो खासकर अत्यधिक सट्टेबाजी से निपटने में मदद करेगा। सेबी के इस प्रकार के निर्णय सुरक्षित वित्तीय माहौल को बनाए रखने के लिए महत्वपूर्ण हो सकते हैं, जो भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए गुणकारी साबित हो सकते हैं।

अनलिस्टेड शेयरों के सौदों का निपटान महीनों नहीं, कुछ दिन में होगा

एनएसई ने इलेक्ट्रॉनिक तरीके से करना शुरू कर दिया

मुंबई।

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) ने अपने अनलिस्टेड शेयरों के सौदों का निपटान इलेक्ट्रॉनिक तरीके से करना शुरू कर दिया है। इससे शेयर ट्रांसफर प्रक्रिया आसान और तेज होगी। सोमवार से शुरू हुए नए सिस्टम के तहत अब मैनुअल प्रोसेस की जगह केंद्रीय डिपॉजिटरी सर्विसेज इंडिया लिमिटेड (सीडीएसएल) इन ट्रांजैक्शनों को पूरा करेगा। एनएसई ने शुक्रवार को इसकी जानकारी दी। हालांकि, रेगुलेटरी बदलाव के बावजूद एनएसई के शेयर अब भी अनलिस्टेड ही रहने वाले है। यानी किसी भी स्टॉक एक्सचेंज पर पब्लिक रूप से ट्रेड नहीं होने वाले है। लेकिन इस पहल से यह सुनिश्चित होगा कि ऑफ-मार्केट ट्रांसफर अब भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के तहत आने वाले 2018 के सिक्योरिटी कॉन्ट्रैक्ट्स (रेगुलेशन) (स्टॉक एक्सचेंजेज़ एंड क्लियरिंग कॉर्पोरेशन) रेगुलेशंस (एसईसीसी) के अनुरूप हों।दरअसल अनलिस्टेड शेयर्स वे शेयर होते हैं, जो किसी भी पब्लिक स्टॉक एक्सचेंज पर लिस्टेड नहीं होते।

ये आमतौर पर निजी कंपनियों के शेयर होते हैं। इसमें स्टार्टअप्स, शुरुआती चरण की कंपनियां या फिर एनएसई जैसी बड़ी लेकिन अनलिस्टेड कंपनियां शामिल होती हैं।

इलेक्ट्रॉनिक ट्रांसफर की प्रक्रिया शुरू करने का मुख्य उद्देश्य ट्रेड सेटलमेंट की अवधि को महीनों से घटाकर कुछ दिनों में करना है। पहले इन ट्रांजैक्शनों को एनएसई और सेबी दोनों की मंजूरी की आवश्यकता होती थी। इससे सेटलमेंट में चार से पांच महीने तक का समय लगाता था। कारोबार विशेषज्ञों के अनुसार पहले जिस काम में तीन से चार महीने लगते थे, वह अब एक सप्ताह से भी कम समय में पूरा होगा है। इस संशोधित प्रक्रिया से ग्रे मार्केट में ट्रेडिंग गतिविधियों को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।

इस मार्केट में एनएसई के अनलिस्टेड शेयरों की मांग पहले से ही काफी बढ़ी हुई है। खासकर जब बीएसई लिमिटेड के शेयरों में बीते पांच वर्षों में करीब 5,000 फीसदी की बढ़त देखी गई है।अब शेयरधारक सीडीएलएस के ज़रिए डिलीवरी इंस्ट्रक्शन स्लिप (डीआईएस) का उपयोग करके एनएसई के अनलिस्टेड शेयरों का ट्रांसफर कर सकते हैं। 24 मार्च से एनएसई के इंटरनेशनल सिक्योरिटीज आइडेंटिफिकेशन नंबर (आईएसआईएन) के सक्रिय होने के बाद इलेक्ट्रॉनिक ट्रांसफर संभव हो गया है।

अप्रैल से हयूदै और रेनॉल्ट की गाड़ियों की बढेगी कीमतें

नई दिल्ली

।अगले महीने अप्रैल से हयूदै और रेनॉल्ट अपनी गाड़ियों की कीमतें बढ़ाने जा रही हैं। इससे पहले मारुति सुजुकी, होंडा, टाटा मोटर्स और किआ जैसी कंपनियां भी अपने मॉडल्स की कीमतें बढ़ाने की घोषणा कर चुकी हैं। दोनों कंपनियों ने इनपुट लागत और कमोडिटी प्राइस में बढ़ोतरी को कीमतें बढ़ाने का मुख्य कारण बताया है। हयूदै ने अपनी गाड़ियों की कीमतों में 3 प्रतिशत तक बढ़ोतरी की पुष्टि की है, जो मॉडल और वेरिएंट के आधार पर अलग-अलग होगी। हयूदै मोटर इंडिया लिमिटेड के चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर तरुण गर्ग ने कहा कि कंपनी ग्राहकों पर अतिरिक्त बोझ डालने से बचने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है, लेकिन लागत बढ़ने के कारण प्राइस हाइक अनिवार्य हो गया है। रेनॉल्ट ने 2 प्रतिशत तक की कीमतों में बढ़ोतरी करने की घोषणा की है, जो अप्रैल 2025 से लागू होगी। यह रेनॉल्ट की फरवरी 2023 के बाद पहली

प्राइस हाइक है। रेनॉल्ट इंडिया के कंट्री सीईओ वेंकटराम ममिल्लापल्ले ने कहा कि कंपनी ने लंबे समय तक कीमतें स्थिर रखने की कोशिश की, लेकिन लागत में बढ़ोतरी को देखते हुए अब कीमतें बढ़ाना जरूरी हो गया है। अगर आप हयूदै या रेनॉल्ट की कोई कार खरीदने की योजना बना रहे हैं, तो अप्रैल से पहले बुकिंग कर लें, ताकि बढ़ी हुई कीमतों से बचा जा सके। कार खरीदने के इच्छूक ग्राहकों के लिए रुपये बचाने का यही सर्वोत्तम समय है।

सड़क दुर्घटनाओं के कारण जीडीपी में तीन प्रतिशत का नुकसान : नितिन गडकरी

नई दिल्ली।

केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने मंगलवार को कहा कि हम सड़क दुर्घटनाओं के कारण देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में तीन प्रतिशत का नुकसान हो रहा है।नितिन गडकरी ने राष्ट्रीय राजधानी में 'सड़क सुरक्षा के लिए तकनीकी हस्तक्षेप -भारत-अमेरिका साझेदारी' कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि सड़क दुर्घटनाएं हमारी सबसे बड़ी समस्याओं में से एक हैं। हर साल देश में 4,80,000 सड़क दुर्घटनाएं होती हैं, जिसमें 1,88,000 लोगों की मौत होती है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा, ÷जान गंवाने वाले लोगों में 18 से 45 वर्ष की आयु के 66 प्रतिशत लोग होते हैं। युवा, प्रतिभाशाली, इंजीनियरिंग स्नातक, मेडिकल छात्रों के नाम भी इस लिस्ट में शामिल हैं। वहीं, 18 वर्ष से कम उम्र के बच्चों का यह आंकड़ा 10,000 है। अधिकतर सड़क दुर्घटनाएं स्कूलों के आसपास वाले इलाकों में होती हैं, जो सार्वजनिक स्वास्थ्य से जुड़ा एक बड़ा मुद्दा है। हमें यह समझने की जरूरत है कि हम इन दुर्घटनाओं के साथ अपनी जीडीपी का तीन प्रतिशत खो रहे हैं।' उन्होंने सड़कों के निर्माण में तकनीकी खामियों का जिक्र करते हुए कहा कि भारतीय परिदृश्य में एक समस्या यह है कि हम डीपीआर सलाहकार के साथ विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार कर रहे हैं, जिसमें कभी-कभी लागत और बचत आदि पर ज्यादा ध्यान दिया जाता है। उन्होंने कहा कि ब्लैक स्पॉट की पहचान कर उनमें सुधार किया जा सकता है। इन सुधारों के साथ मौजूदा सरकार ने सड़क हादसों में मौत के आंकड़ों में 48 प्रतिशत और सड़क दुर्घटनाओं में 49 प्रतिशत की कमी की है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि अब दुर्घटनाओं के आंकड़े में 50 प्रतिशत से 60 प्रतिशत तक की कमी आई है। उन्होंने कहा कि दुर्घटनाओं को कम करने के लिए उनके सही कारणों का पता लगाया जाना जरूरी है।

उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि अमेरिका और यूरोपीय देशों का लाभ उठाते हुए, अब हम बेहतरीन यातायात प्रणाली के संबंध में बहुत सारे कदम उठा रहे हैं। इसके कार्यान्वयन के संबंध में बहुत सारे निर्णय लिए गए हैं।' गडकरी ने बच्चों को देश का भविष्य बताते हुए स्कूली शिक्षा में यातायात नियमों और सड़क सुरक्षा के बारे में जानकारी देने की जरूरत पर जोर दिया।

ईएसआई स्कीम के तहत 18 लाख नए कर्मचारी जुड़े

महिलाओं और ट्रांसजेंडर कर्मचारियों को भी मिली राहत

नई दिल्ली।

श्रम और रोजगार मंत्रालय ने जारी किए गए आंकड़ों के अनुसार, ईएसआई स्कीम के तहत जनवरी महीने में भारतीय नौकरियों को बेहतर सोशल और फाइनेंशियल सिक्योरिटी प्रदान की गई है। यह स्कीम कमाई रहने वाले लोगों के लिए डिज़ाइन की गई है जो आयु 25 वर्ष से कम है और जिनका मासिक वेतन 21,000 रुपये या इससे कम है। नए कर्मचारियों के 47.66 फीसदी के रजिस्ट्रेशन को दर्ज किया गया है, जिसमें शामिल हैं 8.67 लाख कर्मचारी। इसमें से 3.65 लाख महिला कर्मचारियों ने भी ईएसआई स्कीम में शामिल होने का फैसला किया है। इसके अलावा, जनवरी में 85 ट्रांसजेंडर कर्मचारियों ने भी रजिस्ट्रेशन कराया। ईएसआई स्कीम के तहत कर्मचारी को मिलने वाले कई फायदे हैं, जैसे कि निःशुल्क इलाज, बीमा आवास, मैटरनिटी बेनिफिट्स और समाजिक सुरक्षा। इसके अलावा, अगर किसी बीमित कर्मचारी की मौत होती है, तो उसके आश्रितों को मासिक पेंशन भी प्रदान की जाती है। ईएसआई स्कीम को सफल बनाने के लिए अब और भी अधिक लोगों को इसमें शामिल करने की जरूरत है, जिससे वे अपने और अपने परिवार के भविष्य की सुरक्षा में मदद मिले।

गोदरेज प्रॉपर्टीज ने हैदराबाद में 1,000 करोड़ की आवासीय संपत्तियां बेचीं

नई दिल्ली। रियल एस्टेट कंपनी गोदरेज प्रॉपर्टीज लिमिटेड ने हैदराबाद में अपनी पहली आवासीय परियोजना में 1,000 करोड़ रुपये से अधिक की आवासीय संपत्तियां बेची हैं। यह खबर मंगलवार को कंपनी ने पांच बाजारी में जानकारी देते हुए साझा की। जनवरी में हैदराबाद में अपनी पहली परियोजना गोदरेज मैडिसन एवेन्यू की शुरुआत करने के साथ ही गोदरेज प्रॉपर्टीज ने अपने पहले हफ्ते में 300 से अधिक मकानों की बिक्री की। कंपनी के एक प्रमुख अे धिकारी ने इस सफलता को एक प्रस्तावित भविष्य के लिए माना और कहा, हमें खुशी है कि हमारी पहली परियोजना की इस प्रतिक्रिया ने हमें उम्मीद एवं विश्वास दिया है कि हैदराबाद में हमारे लिए व्यापक अवसर हैं। गोदरेज प्रॉपर्टीज देश के प्रमुख रियल एस्टेट डेवलपरों में से एक है और जल्द ही हैदराबाद में अपनी दूसरी परियोजना की शुरुआत करने की योजना बना रही है। उसने कोकापेट में गोदरेज मैडिसन एवेन्यू के तहत लोकप्रिय आवासीय विकास को बढ़ावा देने के लिए उम्मीद जताई है।

सुजलॉन एनर्जी फिर बनेगा रॉकेट!

नई दिल्ली। बाजार में हालिया गिरावट के बाद रिकवरी के बीच ब्रोकरेज फर्म मोतीलाल ओसवाल ने एनर्जी स्टॉक सुजलॉन एनर्जी लिमिटेड पर बाय की रेटिंग देते हुए कवरेज शुरू की है। ब्रोकरेज ने स्टॉक पर 70 रुपये का टारगेट प्राइस रखा है। इस तरह से स्टॉक आगे चलकर 21 फीसदी का अपसाइड दिखा सकता है। सुजलॉन एनर्जी के शेयर सोमवार को 57.92 रूपए पर बंद हुए। मंगलवार को शुरुआत में यह बीएसई पर 1.50 फीसदी चढ़कर 58.79 रुपये पर कारोबार कर रहे थे। पिछले कुछ समय से स्टॉक पर दबाव देखा जा रहा था। स्टॉक अपने हाई से 33 फीसदी टूट गया है। पिछले तीन महीने में शेयर 9.29 फीसदी और छह महीने में 29.11 फीसदी गिरा है। हालांकि, शेयर में अब वापसी का ट्रेंड बना रहा है और एक महीने में यह 7.79 फीसदी चढ़ गया है। पिछले एक साल में स्टॉक ने 57.43 फीसदी और दो साल में 677.78 फीसदी का जोरदार रिटर्न दिया है। स्टॉक का 52 वीक हाई 86.04 रुपये और 52 वीक लो 36.80 रुपये है। बीएसई पर कंपनी का टोटल मार्केट कैप 80,143.33 करोड़ रुपये है।

एक्टिवा का इलेक्ट्रिक वर्जन एक्टिवा ई लॉन्च

नई दिल्ली। भारत में होंडा ने अपने लोकप्रिय स्कूटर एक्टिवा का इलेक्ट्रिक वर्जन एक्टिवा ई लॉन्च कर दिया है। यह स्कूटर दो वेरिएंट्सएक्टिवा ई स्टेंडर्ड और एक्टिवा ई रोडसिंक डओ में उपलब्ध है। दोनों वेरिएंट्स में सबसे बड़ा अंतर डिस्प्ले और कनेक्टिविटी फीचर्स का है। इसकी डिलीवरी शुरू हो चुकी है और जिन ग्राहकों ने इसे पहले बुक किया था, उन्हें यह मिलना शुरू हो गया है। स्टैंडर्ड मॉडल में 5-इंच का टीएफटी डिस्प्ले मिलता है, जबकि रोडसिंक डुओ में 7-इंच का टीएफटी डिस्प्ले, स्मार्टफोन कनेक्टिविटी, नेविगेशन, लाइव ट्रैकिंग और ओटीए अपडेट जैसे फीचर्स दिए गए हैं। इस स्कूटर में 1.5केडब्ल्यूएच के दो स्वैपेबल बैटरी पैक हैं, जिससे 102 किलोमीटर की रेंज मिलती है। इसकी टॉप स्पीड 80 किमी प्रति घंटा है और यह 6केडब्ल्यू पीएमएसएम मोटर से लैस है। चार्जिंग के लिए इसे 6-7 घंटे का समय लगता है, लेकिन स्वैपेबल बैटरी की वजह से मात्र 1 मिनट में बैटरी बदली जा सकती है। स्कूटर में फ्रंट डिस्क और रियर ड्रम ब्रेक, यूएसबी टाइप-सी चार्जिंग पोर्ट और अंडर-सीट स्टोरेज जैसी सुविधाएं भी दी गई हैं। स्वैपेबल बैटरी तकनीक के कारण यह स्कूटर लंबी दूरी की यात्राओं को आसान बनाता है। अपनी दमदार बैटरी, लंबी रेंज और एडवांस फीचर्स के चलते एक्टिवा ई भारतीय बाजार में इलेक्ट्रिक स्कूटर सेगमेंट में बड़ी पहचान बना सकता है। होंडा ने एक्टिवा ई स्टेंडर्ड की कीमत रुपए1,17,000 (एक्स-शोरूम) और एक्टिवा ई रोडसिंक डओ की कीमत रुपए 1,51,600 (एक्स-शोरूम) रखी है।

शेयर बाजार हल्की बढ़त के साथ बंद

मुम्बई।

भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को हल्की बढ़त के साथ बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन दुनिया भर से मिले सकारात्मक संकेतों के बाद भी बाजार में दिन भर उतार-चढ़ाव का माहौल रहा। अंत में 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 32.81 अंकों की हल्की बढ़त के साथ 78,017.19 अंकों पर बंद हुआ जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई का निफ्टी 10.30 अंक ऊपर आकर 23,668.65 अंकों पर बंद हुआ। शुरुआती कारोबार के दौरान एक समय सेंसेक्स 78,296.28 अंकों पर और निफ्टी 23,869.60 अंकों तक पहुंच गया पर इसके बाद बिकवाली हावी होने से बाजार नीचे आ गया। ।

आज सेंसेक्स की केवल 10 कंपनियों के शेयरों में बढ़त रही जबकि बाकी की सभी 20 कंपनियों के शेयर नीचे आये। वहीं दूसरी ओर, निफ्टी की केवल 16 कंपनियों के शेयर बढ़त पर बंद हुए और बाकी की 34 कंपनियों के शेयर गिरे। सेंसेक्स की कंपनियों में शामिल अल्ट्राटेक सीमेंट के शेयर सबसे ज्यादा 3.32 फीसदी उछले वहीं जोमैटो के शेयरों में सबसे ज्यादा 5.57 फीसदी की गिरावट रही।

आज बजाज फिनसर्व के शेयर 2.16 फीसदी, इंफोसिस 1.71 फीसदी, एक्सिस बैंक 1.21 फीसदी, भारती एयरटेल 0.98 फीसदी,

एचडीएफसी बैंक 0.94 फीसदी, एचसीएल टेक 0.94 फीसदी, हिंदुस्तान यूनिलीवर 0.30फीसदी, टीसीएस 0.29 फीसदी और एशियन पेंट्स के शेयर 0.14 फीसदी की तेजी के साथ बंद हुए। वहीं दूसरी ओर, आज इंडसइंड बैंक के शेयर 5.09 फीसदी, अडाणी पोर्ट्स 1.89 फीसदी, सनफार्मा 1.42 फीसदी, महिंद्रा एंड महिंद्रा 1.39 फीसदी, आईसीआईसीआई बैंक 1.34 फीसदी, रिलायंस इंडस्ट्रीज 1.23 फीसदी, एसबीआई 1.07 फीसदी, टाटा स्टील 1.04 फीसदी, मारुति सुजुकी 0.96 फीसदी और पावरग्रिड के शेयर 0.84 फीसदी की गिरावट पर बंद हुए।

इससे पहले आज सुबह वैश्विक बाजारों में ` मिले सकारात्मक रुख के बीच ही बाजार तेजी के साथ खुले। अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप की प्रतिस्पर्धात्मक शुल्क की घोषणा से पहले यह उम्मीद की जा रही है कि वह सख्त रुख नहीं अपनाएंगे और कुछ देशों पर ही शुल्क लगाएंगे। इस उम्मीद से एशियाई और अमेरिकी बाजारों में पॉजिटिव माहौल है। इसका असर मंगलवार को भारतीय बाजारों पर भी` दिखाई दिया। सेंसेक्स जोरदार तेजी के साथ 78,296.28 अंक पर खुला। वहीं निफ्टी भी बढ़त लेकर 23,751.50 पर खुला।

रुपया 23 पैसे की गिरावट के साथ 85.84 डॉलर पर

रुपया पिछले कारोबारी दिन 85.61 पर बंद हुआ था

मुंबई। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया डॉलर के मुकाबले 85.59 पर खुला। शुरुआती सौदों के बाद थोड़ा फिसलकर 85.84 प्रति डॉलर पर पहुंच गया, जो पिछले बंद भाव से 23 पैसे की गिरावट दर्शाता है। रुपया सोमवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 85.61 पर बंद हुआ था। इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.05 प्रतिशत की बढ़त के साथ 104.31 पर रहा। आयातकों की ओर से महीने के ओ खिरी में अमेरिकी मुद्रा की मांग इसकी मुख्य वजह रही। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि हालांकि सकारात्मक घरेलू शेयर बाजार और विदेशी पूंजी प्रवाह ने निचले स्तर पर रुपये को समर्थन दिया।

तीन सरकारी बैंक दे रहे सस्ता होम लोन

31 मार्च तक प्रोसेसिंग फीस माफ

मुंबई।

होम लोन की मांग में महंगाई के दबाव के बीच कुछ बैंकों ने ब्याज दरों में कमी के साथ लोन प्रदान करने की घोषणा की है। कई सरकारी बैंक अब 8.10 प्रतिशत की शुरुआती ब्याज दर पर होम लोन उपलब्ध करा रहे हैं। सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया ने 20,000 रुपए तक प्रोसेसिंग फीस के माफी का ऐलान किया है, जबकि बैंक ऑफ महाराष्ट्र महिलाओं और डिफेंस पर्सनल को छूट ऑफर कर रहा है। यूनियन बैंक ऑफ इंडिया ने भी इसी ब्याज दर पर अपना होम लोन योजना लागू की है। लोन लेने से पहले, व्यक्ति के क्रेडिट स्कोर और वित्तीय स्थिति का ध्यान रखना अनिवार्य है। इन बैंकों के साथ एक चुनाव निर्णायक हो सकता है, जो घर की खरीदी के सपने को साकार करने में मदद कर सकता है।

सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया- सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया 8.10 फीसदी की शुरुआती ब्याज दर पर होम लोन दे रहा है। खास बात यह है कि बैंक प्रोसेसिंग फीस के तौर पर 20,000 रुपए तक 0.50 फीसदी प्लस जीएसटी लेता है लेकिन यह 31 मार्च 2025 तक माफ है। हालांकि, ग्राहकों को डॉक्यूमेंटेशन चार्ज 1350 रुपए और जीएसटी देना होगा।बैंक ऑफ महाराष्ट्र- बैंक ऑफ महाराष्ट्र भी 8.10 फीयदी की शुरुआती ब्याज दर पर होम लोन दे रहा है। फिलहाल कोई प्रोसेसिंग फीस नहीं ली जा रही है। इसके अलावा महिलाओं और डिफेंस पर्सनल को अतिरिक्त 0.05 फीसदी की छूट मिलेगी। साथ ही प्री-पेमेंट, प्री-क्लोजर और पार्ट-पेमेंट चार्ज भी शून्य है। यूनियन बैंक ऑफ

इंडिया- यूनियन बैंक ऑफ इंडिया भी 8.10 फीसदी की शुरुआती ब्याज दर पर होम लोन दे रहा है। हालांकि, इस बैंक में प्रोसेसिंग फीस के रूप में लोन राशि का 0.50 फीसदी लिया जाएगा। यह ध्यान रखना जरूरी है कि ये तीनों बैंक आपको 8.10 प्रतिशत की ब्याज दर पर होम लोन तभी प्रदान करेंगे जब आपका क्रेडिट स्कोर या सिबिल स्कोर उच्च होगा।

सेल की डिजिटल परिवर्तन के लिए साझेदारी

सेल को अत्याधुनिक डिजिटल क्षमताओं को एकीकृत करने में सक्षम किया जाएगा

नई दिल्ली। महारत्न स्टील उत्पादक सार्वजनिक उपक्रम स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) ने एक महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक कदम उठाते हुए मैकिन्से एंड कंपनी इंडिया एलएलपी के साथ एक रणनीतिक साझेदारी की घोषणा की है। सेल ने इस साझेदारी के माध्यम से कंपनी में डिजिटल परिवर्तन कार्यक्रम को आगे बढ़ाने का ऐतिहासिक कदम उठाया है। यह साझेदारी व्यावसायिक प्रक्रियाओं का आधुनिकीकरण करने, कंपनी के प्रदर्शन को अनुकूलित करने और तेजी से बढ़ते डिजिटल परिदृश्य में निरंतर विकास को बढ़ावा देने का उद्देश्य रखती है। इस साझेदारी के माध्यम से सेल को अत्याधुनिक डिजिटल क्षमताओं को एकीकृत करने में सक्षम किया जाएगा, जो कंपनी को प्रतिस्पर्धी बनाए रखने और ग्राहकों को बेहतर गुणवत्ता प्रदान करने में मदद करेगा। साझेदारी में सेल और मैकिन्से ने अपनी तकनीकी ज्ञान और कौशल का संयोग किया है ताकि वे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), क्लाउड कंप्यूटिंग, और डेटा एनालिटिक्स जैसी उन्नत तकनीकों का लाभ उठा सकें। इसके माध्यम से एकत्रित होकर, वे अत्याधुनिक डिजिटल समाधानों को लागू करने के लिए काम करेंगे और कंपनी को नए उच्चायों तक पहुंचाएंगे।

इलेक्ट्रिक स्कूटर टेसरैक्ट लॉन्च, कीमत महज 1.20 लाख रुपये

नई दिल्ली। बेंगलुरु स्थित अल्ट्रावायोलेट ऑटोमोटिव ने अपना पहला इलेक्ट्रिक स्कूटर टेसरैक्ट लॉन्च किया है। इस अभूतपूर्व डिमांड ने ओला इलेक्ट्रिक और अन्य ईवी कंपनियों के लिए एक नई चुनौती पेश कर दी है। महज 1.20 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) की शुरुआती कीमत वाले इस स्कूटर ने दो हफ्तों में ही 50,000 से ज्यादा बुकिंग्स हासिल कर ली हैं। अल्ट्रावायोलेट ऑटोमोटिव के सीईओ नारायण सुब्रमण्यम ने कहा कि टेसरैक्ट को ग्राहकों से जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली है। उन्होंने इसे न सिर्फ एक इलेक्ट्रिक स्कूटर, बल्कि यात्रा के तरीके में बदलाव लाने वाला क्रांतिकारी उत्पाद बताया। टेसरैक्ट को डेजर्ट सैंड, स्टेल्थ ब्लैक, सोनिक पिंक और सोलर व्हाइट जैसे चार रंग विकल्पों में पेश किया गया है। इसकी बुकिंग केवल 999 रुपये में कंपनी की वेबसाइट पर उपलब्ध है। यह स्कूटर आधुनिक तकनीक से लैस है और इसमें 7-इंच का टचस्क्रीन टीएफटी डिस्प्ले, इंटीग्रेटेड डैशकैम, वायरलेस चार्जिंग जैसी सुविधाएं दी गई हैं। सुरक्षा के लिहाज से इसमें डुअल-रडार सिस्टम, फ्रंट और रियर कैमरे, ब्लाइंड स्पॉट डिटेक्शन और कोलिजन वार्निंग जैसी अत्याधुनिक टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल किया गया है। इसके अलावा, इसमें डुअल-चैनल एबीएस, ट्रैक्शन कंट्रोल और डायनामिक स्टेबिलिटी कंट्रोल जैसी सुरक्षा सुविधाएं भी दी गई हैं।

स्वामी फ्यूचर लाइन ट्रस्ट मुद्रक,प्रकाशक, संपादक ओमवीर आर्य द्वारा मैसर्स कोमल प्रिन्टर्स चौधरी मार्केट मोरना सेक्टर-35, नोएडा गौतमबुद्ध नगर से मुद्रित कराकर, ग्राम व पोस्ट दुजाना जनपद गौतमबुद्ध नगर से प्रकाशित किया। किसी भी वाद विवाद के लिए निस्तारण क्षेत्र न्यायालय गौतमबुद्ध नगर होगा।